रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, गुरुवार 18 जुलाई 2024 ● आषाढ़ शुक्ल पक्ष 12 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 100

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

सर्राफा

सोना (बिक्री)	69,900
चांदी (किलो)	99,000

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	34.0	27.5
जमशेदपुर	33.8	26.1
डालटनगंज	36.0	25.7

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

शारीरिक रूप से असमर्थ हो चुके सीआरपीएफ के डिप्टी कमांडेंट की याचिका पर हाईकोर्ट में हुई सुनवाई

जिस अफसर ने फोर्स को अपना पूरा जीवन दे दिया, उन्हें प्रमोशन से वंचित नहीं कर सकते

विनीत आभा उपाध्यायाय। रांची

झारखंड हाईकोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा है कि नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन में 75 प्रतिशत तक शारीरिक रूप से असमर्थ हो चुके अफसर को प्रमोशन से वंचित नहीं किया जाना चाहिए. दरअसल, वर्ष 2012 में सीआरपीएफ के डिप्टी कमांडेंट पद पर प्रतिनियुक्ति पर झारखंड आये रवि शंकर मिश्रा एक नक्सल हमले में गंभीर रूप से घायल हो गये थे. इसके बाद लंबे समय तक उनका इलाज दिल्ली एम्स में चला.

- वर्ष 2012 में सीआरपीएफ के डिप्टी कमांडेंट पद पर प्रतिनियुक्ति पर झारखंड आये रवि शंकर मिश्रा एक नक्सल हमले में गंभीर रूप से घायल हो गये थे

- अदालत ने कहा कि जिस अफसर ने नक्सलियों से लड़ते हुए अपने शरीर को खो दिया, उस अफसर को बिना किसी गलती के वरीयता सूची से वंचित नहीं रखना चाहिए.

इलाज के बाद उनका स्वास्थ्य बेहतर तो हुआ, लेकिन उनके शरीर के कई अंग पहले की तरह काम करना बंद कर दिये. 10 अगस्त 2022 को मेडिकल बोर्ड को उनके स्वास्थ्य का रिव्यू करना था. लेकिन उसी दिन इनसे जूनियर पद पर पदस्थापित अफसरों को प्रमोट कर दिया गया और उनकी वरीयता नीचे चली गयी. इसके बाद रवि शंकर मिश्रा ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया और वरीयता सूची में संशोधन करने और उसी मुताबिक प्रमोशन देने की मांग की. अदालत ने अपने आदेश में कहा कि जिस अफसर ने अपना पूरा जीवन फोर्स को दे दिया, नक्सलियों से लड़ते हुए अपने शरीर को खो दिया, उस अफसर को बिना किसी गलती के वरीयता सूची से वंचित नहीं रखना चाहिए.

नक्सल ऑपरेशन में घायल हुए थे रविशंकर मिश्रा

चतरा जिले में नक्सल ऑपरेशन की कमान संभालने के दौरान सीआरपीएफ के डिप्टी कमांडेंट रवि शंकर मिश्रा नक्सली हमले में घायल हुए. वर्ष 2014 में लोकसभा चुनाव के दौरान नक्सलियों द्वारा किये गये ब्लास्ट में वह गंभीर रूप से घायल हुए थे. अपनी प्रतिनियुक्ति के दो वर्ष तक वे नक्सलियों के खिलाफ कई ऑपरेशन शामिल रहे. वहीं, रवि शंकर मिश्रा की याचिका पर हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस डॉ एसएन पाठक की बेंच में सुनवाई हुई. प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता अमृतांश वत्स ने बहस की.

रंजो गम के साथ निकला मुहर्रम का जुलूस

या हुसैन की गूंजी सदाएं

रांची। कर्बला की जंग में हजरत इमाम हुसैन और उनके 72 साथियों की शहादत की याद में बुधवार को दसवीं मुहर्रम का जुलूस निकाला गया. इमाम हुसैन की सदाओं के बीच जुलूस में शामिल लोग कर्बला पहुंचे। इमाम हुसैन की शहादत को याद करते हुए रांची के अखाड़ेधारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों से मुहर्रम का जुलूस बड़े स्तर पर निकाला. जुलूस में हजारों की संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग शामिल हुए. विभिन्न क्षेत्रों से मेन रोड पहुंचे जुलूस और झांकियां देखते ही बन रही थीं. युवा रास्ते भर अपने हैरतअंगेज खेलों का प्रदशर्न कर रहे थे. करीब 200 जुलूस झांकियों के साथ चल रहे थे. ताजिए लोगों को खूब आकर्षित कर रहे थे. **-फोटो : रमीज**

ब्रीफ खबरें

सिक्किम के पूर्व मंत्री का शव नहर से बरामद

गंगटोक। सिक्किम के पूर्व मंत्री आरसी पौड्याल का शव पश्चिम बंगाल में सिलीगुड़ी के पास तीस्ता नहर से बरामद हुआ. वह नौ दिन से लापता थे. पुलिस अधिकारी ने बताया कि प्रथम दृष्टया प्रतीत होता है कि पौड्याल (80) का शव तीस्ता नदी से बहकर आया है. शव की पहचान घड़ी और कपड़ों से की गई. बता दें कि पूर्व मंत्री विगत सात जुलाई को पाकयोंग जिले के छोटा सिंगतम से लापता हो गए थे. पौड्याल पहली राज्य विधानसभा में उपाध्यक्ष थे और बाद में वह राज्य के वन मंत्री बने. उन्होंने 'राइजिंग सन पार्टी' की स्थापना की थी.

ओलंपिक के लिए 117 खिलाड़ियों की सूची जारी

नयी दिल्ली। पेरिस ओलंपिक में भारत के 117 खिलाड़ी भाग लेंगे. खेल मंत्रालय ने इसके अलावा सहयोगी स्टाफ के 140 सदस्यों को भी मंजूरी दी है, जिसमें खेल अधिकारी भी शामिल हैं. सहयोगी स्टाफ के 72 सदस्यों को सरकार के खर्चे पर मंजूरी मिली है. ओलंपिक के लिए जिन खिलाड़ियों ने क्वालीफाई किया था, उनमें से केवल गोला फेंक की एथलीट आभा खटुआ का नाम सूची में नहीं है. - खेल पेज भी देखें.

ओमान तट पर तेल टैंकर डूबा, 13 भारतीय लापता

दुबई/मस्कट। अफ्रीकी देश कोमोरोस के झंडे वाला एक तेल टैंकर ओमान के तट पर डूबने के बाद लापता हो गया. उस टैंकर पर सवार चालक दल के 16 सदस्य लापता हो गए, जिनमें 13 भारतीय भी शामिल हैं. ओमान के समुद्री सुरक्षा केंद्र ने बताया है कि टैंकर दुक्म शहर में रस मदराकाह से 25 समुद्री मील दक्षिण-पूर्व में डूबा और संबंधित प्राधिकारियों के साथ मिलकर खोज एवं बचाव अभियान शुरू किया गया है. कहा कि 'प्रेस्टीज फाल्कन' जहाज के चालक दल में 13 भारतीय और तीन श्रीलंकाई नागरिक लापता हैं.

असम में हमार के तीन उग्रवादी मारे गए

सिलचर। असम के कछार जिले में बुधवार को भीषण मुठभेड़ में हमार के तीन संदिग्ध उग्रवादी मारे गए और कई पुलिसकर्मी घायल हो गए. असम पुलिस मुख्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सुबह-सुबह भबन हिल्स इलाके में एक अभियान के दौरान कछार जिले की पुलिस ने असम और पड़ोसी मणिपुर के हमार के तीन उग्रवादियों को मार गिराया. पुलिस ने दो एके राइफल, एक अन्य राइफल और एक पिस्तौल भी बरामद किया है. उन्होंने पुलिस के कुछ जवानों के घायल होने की भी पुष्टि की है.

गौरी लंकेश हत्याकांड में तीन को जमानत

बेंगलुरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने पत्रकार एवं सामाजिक कार्यकर्ता गौरी लंकेश की हत्या मामले में गिरफ्तार तीन आरोपियों को जमानत दे दी है. न्यायमूर्ति एस विश्वजीत शेट्टी ने अमित दिगवेकर, एचएल सुरेश और केटी नवीन कुमार को जमानत दी है. मुकदमे की सुनवाई में हो रही देरी का हवाला देते हुए तीनों आरोपी ने उच्च न्यायालय से जमानत देने का अनुरोध किया था.

हेमंत सरकार का मास्टर स्ट्रोक : 10 साल बाद बीमा लाभ मिलने का रास्ता साफ

साढ़े तीन लाख राज्यकर्मियों को मिलेगा स्वास्थ्य बीमा का लाभ

रवि भारती। रांची

हेमंत सरकार ने अबुआ स्वास्थ्य बीमा योजना के बाद एक बार फिर से मास्टर स्ट्रोक खेला है. अब झारखंड सरकार के साढ़े तीन लाख सरकारी कर्मचारियों और पेंशनधारियों को स्वास्थ्य बीमा का लाभ मिलेगा. इसमें लगभग एक लाख पेंशनधारी भी शामिल हैं. इसके लिए टेक्निकल बीड में पांच कंपनियों ने क्वालिफाई किया है. लोकसभा चुनाव के दौरान आचार संहिता लागू होने के कारण यह प्रक्रिया पूरी नहीं की जा सकी थी. अब वित्त विभाग ने टेक्निकल बिड की प्रक्रिया पूरी कर ली है. स्वास्थ्य बीमा के तहत सरकारी कर्मचारियों और पेंशनधारियों को पांच लाख रुपये का मुफ्त इलाज होगा. इसमें आयुष्मान भारत योजना के तहत चिह्नित किए गए अस्पताल भी शामिल होंगे.

अब कर्मियों को 500 रुपए मिलेगा चिकित्सा भत्ता : स्वास्थ्य बीमा योजना लागू होने सरकारी कर्मियों को 1000 रुपये की जगह 500 रुपये चिकित्सा भत्ता मिलेगा. इस हिसाब सालाना 12 हजार रुपये की जगह 6000 रुपये ही चिकित्सा भत्ता मिलेगा. शेष राशि बीमा योजना के प्रीमियम में एडजस्ट की जाएगी. बताते चलें कि इस योजना के लिए 25 अक्तूबर 2014 में ही संकल्प जारी किया गया था. लेकिन पिछले 10 सालों से यह योजना लंबित थी.

पांच लाख तक का मुफ्त इलाज, एक लाख पेंशनधारी भी शामिल

- टेक्निकल बीड में पांच कंपनियों का चयन, जल्द लागू होगी योजना

इस योजना को लेकर अब तक क्या-क्या हुआ

- विधानसभा की प्रत्यायुक्त समिति के हस्तक्षेप के बाद वर्ष 2023 में इस योजना को लागू करने की प्रक्रिया तेज हुई.
- **समिति के सुझाव के आलोक में कार्मिक प्रशासनिक सुधार विभाग ने कर्मचारी संघों, महासंघों आदि से राय ली.**
- विकास आयुक्त की अध्यक्षता में एक समिति गठित की गयी.
- **कार्यरत कर्मचारियों, सेवानिवृत्त कर्मचारियों और आश्रितों को स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ देने के मुद्दे पर अंतिम रूप से फैसला हुआ.**
- 25 जुलाई 2023 में स्वास्थ्य बीमा योजना का प्रस्ताव पास हुआ.
- **स्वास्थ्य विभाग ने 31 जुलाई 2023 को संकल्प जारी किया.**
- पहले ऑनलाइन टेंडर डालने की तिथि 28 दिसंबर 2023 से तीन जनवरी 2024 निर्धारित की गयी.
- **टेक्निकल बिड खोलने की तिथि में भी बदलाव किया गया.**
- अंतत: 31 जनवरी 2024 को टेक्निकल बिड खोली गयी.
- **आचार सहिंता लगने के कारण प्रक्रिया लंबित रही.**
- अब टेक्निकल बीड में पांच कंपनियों ने क्वालिफाई किया है.

चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की वृद्धि दर पर एडीबी का पूर्वानुमान

अनुमानित जीडीपी 7% पर बरकरार

एजेंसी। नयी दिल्ली

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर का अनुमान सात प्रतिशत पर बरकरार रखा है. साथ ही कहा कि सामान्य से बेहतर मानसून अनुमानों को देखते हुए कृषि क्षेत्र में सुधार की उम्मीद है. एडीबी का यह पूर्वानुमान ऐसे समय में आया है, जब अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भारत के लिए अपने सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर के अनुमान को संशोधित कर सात प्रतिशत कर दिया है.

आईएमएफ ने अप्रैल में इसके अप्रैल 6.8 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था. आरबीआई ने पिछले महीने अपने वृद्धि अनुमान को सात प्रतिशत से बढ़ा कर 7.2 प्रतिशत कर दिया था. एशियाई विकास परिदृश्य (एडीओ) के जुलाई संस्करण में कहा गया कि भारतीय अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2024-25 में सात प्रतिशत की दर से बढ़ी. वित्त वर्ष 2025-26 में 7.2 प्रतिशत की दर से बढ़ने की राह पर है. भारतीय अर्थव्यवस्था ने मार्च 2024 को समाप्त वित्त वर्ष के लिए 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की, जबकि उससे पिछले वित्त वर्ष में यह सात प्रतिशत थी.

'सबका साथ, सबका विकास' की जरूरत नहीं : शुभेंदु

लगातार न्यूज नेटवर्क। कोलकाता

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पश्चिम बंगाल के नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी अक्सर अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में रहते हैं. एक बार फिर वो अपने बयान को लेकर चर्चा में हैं. अधिकारी ने लोकसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल में पार्टी के खराब प्रदर्शन के लिए अल्पसंख्यक समुदाय से कम समर्थन मिलने को जिम्मेदार ठहराया है. उन्होंने कहा कि 'सबका साथ, सबका विकास' की जरूरत नहीं है और इसके बजाय उन्होंने 'हम उनके साथ जो हमारे साथ' का प्रस्ताव दिया. हालांकि, कुछ ही घंटों में वे अपने बयान से पलट गए.

> मैं राष्ट्रवादी मुस्लिमों की बात करता था और आपने भी नारा दिया था कि 'सबका साथ, सबका विकास', लेकिन अब ऐसा नहीं कहूंगा. इसकी जगह मैं कहूंगा कि 'जो हमारे साथ, हम उनके साथ'
>
> **-शुभेंदु अधिकारी**
> बंगाल भाजपा नेता

कुछ देर बाद ही बयान से पलट गए शुभेंदु अधिकारी : शुभेंदु अधिकारी ने सफाई देते हुए कहा कि मेरे बयान का गलत मतलब निकाला जा रहा है. जब मैं अपने क्षेत्र में जाता हूं तो हिंदू हो या मुसलमान, सभी को विकास योजनाओं का लाभ दिया जाता है. उसके बाद भी कहा जाता है कि भाजपा हिंदुओं की पार्टी है. उन्होंने कहा कि हम लोग सभी लोगों के लिए काम करते हैं. हमारी सरकार ने जितनी भी योजनाएं बनाई हैं, वो सभी के लिए हैं. मैंने जो बात रखी है, वो मेरा निजी पक्ष है. इसके साथ सरकार का कोई लेना-देना नहीं है.

दरअसल, बुधवार को भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी के विस्तारित सत्र को संबोधित करते हुए अधिकारी ने पार्टी के अल्पसंख्यक मोर्चा की जरूरत को भी खारिज कर दिया था. उन्होंने कहा कि हम सभी 'सबका साथ, सबका विकास' की बात करते हैं, लेकिन 'हम उनके साथ जो हमारे साथ' होना चाहिए. शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि 'सबका साथ सबका विकास' नारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिया था और यह अभी भी कायम है. उन्होंने कहा कि एक भाजपा कार्यकर्ता के तौर पर मैंने बहुत दुख के साथ अपनी बातें रखी कि भाजपा की राज्य इकाई को पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ खड़ा होना चाहिए, न कि उन लोगों के साथ जो भाजपा के साथ नहीं खड़े हैं.

सेहत शोध कुछ खाद्य वस्तुओं के सेवन के बाद कसरत से एलर्जी की हो सकती है शिकायत

स्वास्थ्य संबंधी खतरों का कारण भी बन सकती है कसरत

एजेंसी। नयी दिल्ली

अच्छी सेहत के लिए कसरत जरूरी मानी जाती है, लेकिन कुछ लोगों के लिए यह स्वास्थ्य संबंधी गंभीर खतरों का कारण भी बन सकती है. "फूड डिपेंडेंट एक्सरसाइज इंड्यूस्ड एनाफिलैक्सिस'' (एफडीईआईए) वह अवस्था है, जिसमें कसरत से पहले कोई खाद्य पदार्थ खाने से कसरत के बाद एलर्जी की शिकायत हो जाती है. दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में हाल में ऐसे ही एक मामला सामने आया. दरअसल, 12 साल के एक स्वस्थ लड़के ने क्रिकेट मैच खेलने के लिए घर से बाहर निकलने से पहले झींगा सलाद खाया था.

मैच शुरू होने के महज 10 मिनट बाद उसे जबरदस्त खुजली, सूजन और सांस लेने में तकलीफ होने लगी. अस्पताल में सीनियर कंसल्टेंट और जानी-मानी एलर्जिस्ट, पीडियाट्रिक इंटेंसिविस्ट एवं नींद विशेषज्ञ डॉ. नीरजा गुप्ता ने बताया कि लड़के को फौरन पास के एक अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसमें एनाफिलैक्सिस के लक्षण देखे. डॉ. गुप्ता के मुताबिक, जांच में पता चला कि लड़के में यह समस्या, शारीरिक सक्रियता से पहले झींगा सलाद खाने की वजह से उभरी थी और यह स्पष्ट रूप से एफडीईआईए का मामला है. एफडीईआईए के बारे में समझाते हुए डॉ. गुप्ता ने कहा कि एफडीईआईए वह अवस्था है, जिसमें कसरत से पहले कोई खाद्य पदार्थ खाने से कसरत के बाद एलर्जी की शिकायत होने लगती है.

खाने के तुरंत बाद उभरने लगते हैं सामान्य खाद्य एलर्जी के लक्षण

सर गंगाराम अस्पताल की सीनियर कंसल्टेंट डॉ. नीरजा गुप्ता ने बताया कि सामान्य खाद्य एलर्जी के लक्षण आमतौर पर खाने के तुरंत बाद उभरने लगते हैं. जबकि एफडीईआईए में लक्षण, व्यायाम या किसी अन्य तीव्र शारीरिक गतिविधि से पहले एलर्जी के लिए जिम्मेदार खाद्य वस्तुओं के सेवन के कारण उभरते हैं. डॉ. गुप्ता ने कहा ज्यादातर मामलों में घोंघा, मेवा, गेहूं और डेयरी उत्पाद इसके उभार का कारण बनते हैं. उन्होंने बताया कि एफडीईआईए पीड़ितों को पित्त चढ़ने और पेट में ऐंठन से लेकर एनाफिलैक्सिस जैसे जानलेवा लक्षणों का सामना करना पड़ सकता है.

बचाव के क्या हैं उपाय : डॉ. गुप्ता ने कहा कि लोगों को 'फूड डायरी' बनानी चाहिए. एलर्जी की जांच और निदान के लिए एलर्जिस्ट से संपर्क करना चाहिए. कसरत से पहले एलर्जी का कारण बनने वाली खाद्य वस्तुओं के सेवन से बचना चाहिए और एफडीईआईए की पुष्टि होने पर एपिनेफ्राइन ऑटो-इंजेक्टर साथ लेकर चलना चाहिए.

गिरफ्तारी को चुनौती व जमानत याचिका पर सुनवाई

दिल्ली हाईकोर्ट ने केजरीवाल पर फैसला सुरक्षित रखा

एजेंसी। नयी दिल्ली

आबकारी नीति मामले में सीबीआई द्वारा गिरफ्तारी को चुनौती और अंतरिम जमानत का अनुरोध वाली अरविंद केजरीवाल की याचिका पर दिल्ली उच्च न्यायालय ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है. केजरीवाल का पक्ष रख रहे वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने न केवल सीबीआई की ओर से की गई गिरफ्तारी की आलोचना की, बल्कि उन्हें मामले में जमानत पर रिहा करने का भी अनुरोध किया.

न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा ने मामले की सुनवाई की. उन्होंने केजरीवाल और सीबीआई के वकीलों की दलीलें सुनने के बाद याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया. उच्च न्यायालय ने केजरीवाल की नियमित जमानत याचिका पर अगली सुनवाई की तिथि 29 जुलाई तय की है. आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल का पक्ष रह रहे वरिष्ठ अधिवक्ता सिंघवी ने दलील दी कि यह दुर्भाग्य से रिहाई रोकने के लिए की गई गिरफ्तारी है. मेरे पास ईडी के मामलों में बहुत ही सख्त प्रावधानों में प्रभावी रिहाई के तीन आदेश हैं, जो कि यह दिखाते हैं कि व्यक्ति रिहाई के लिए अधिकृत है.

केजरीवाल आतंकवादी नहीं, दिल्ली के मुख्यमंत्री हैं: सिंघवी : सिंघवी ने कहा कि केजरीवाल आतंकवादी नहीं, बल्कि दिल्ली के मुख्यमंत्री हैं. उन्होंने कहा कि उनकी गिरफ्तारी कानून के तहत नहीं हुई है और मुख्यमंत्री होने के नाते वह जमानत के हकदार हैं.

20 लघु खनिज खदानों के साथ एक दर्जन खदानों की होगी नीलामी

सूबे में नीलामी के लिए खदानें तैयार, मिलेगा स्थानीय लोगों को रोजगार

रवि भारती। रांची

झारखंड में मौजूद खदान नीलामी के तैयार हैं. खदानों की नीलामी से यहां के लोगों को रोजगार मिलेगा. साथ ही सरकार के खजाने की स्थिति भी मजबूत होती. जानकारी के अनुसार राज्य में 20 लघु खनिज खदानों की नीलामी की प्रक्रिया लगभग पूरी कर ली गई. बताते चलें कि राज्य में मौजूद 79 लघु खनिज खदानों में अब तक 49 लघु खनिज खदानों की बोली लग चुकी है. खान विभाग के अनुसार खदान की नीलामी से सरकार के राजस्व में वृद्धि होगी. साथ ही अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी.

एक दर्जन से अधिक बड़ी खदानों की भी होगी नीलामी

राज्य में एक दर्जन से भी अधिक बड़ी खदानों की भी नीलामी की जाएगी. इसकी भी प्रक्रिया पूरी की जा रही है. इसमें दो ग्रेफाइड, तीन बॉक्साइट की खदानें शामिल हैं. इसके अलावा हरिपुर लेम में पांच चूना पत्थर की खदानों की नीलामी की प्रक्रिया पूरी कर ली गई. आयरन ओर के दो खदान घाटकुरी वन और टू की भी नीलामी की जाएगी. इसके अलावा मैगनीज के खदान की नीलामी की प्रक्रिया पूरी की जा रही है.

क्या कहा है केंद्र सरकार ने

बीते दिनों झारखंड में खदान की नीलामी नहीं हो पाने के कारण केंद्र ने चेतावनी भी दी थी. कहा था कि आप कदम नहीं उठाएंगे तो हम खदानों की नीलामी करेंगे. इसकी वजह यह रही है कि झारखंड सरकार ने अब तक 10 खनिज खदानों की नीलामी नहीं कर पाई है. केंद्र की ओर से कहा गया कि ये ब्लॉक सामान्य और प्रारंभिक स्तर के हैं. 10 ब्लॉकों में एक तांबे की खदान, एक चूना पत्थर और एक ग्रेफाइट की खदानें शामिल हैं. खनन नियम 2021 के मुताबिक अगर कोई राज्य सरकार तय अवधि में खदानों की नीलामी नहीं कर पाती है तो केंद्र सरकार खनिज ब्लॉकों को बेच सकती है. खनिज ब्लॉकों की नीलामी में झारखंड सरकार लगातार पिछड़ रही है. जानकारी के अनुसार झारखंड सरकार ने दिसंबर 2021 तक 15 ब्लॉकों की नीलामी करने की बात कही थी, लेकिन महज चार ब्लॉकों की ही नीलामी की जा सकी. बाकी 11 खदानों की नीलामी अब तक नहीं हो सकी है.

गांवों के विकास को लेकर आज विशुनपुर जाएंगे डॉ मोहन भागवत

संवाददाता। रांची

आरएसएस प्रमुख डॉ मोहन भागवत गुरुवार को गुमला जिला के विशुनपुर स्थित विकास भारती मुख्यालय जाएंगे. वहां वे विकास भारती के ग्राम स्तरीय संवाद कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे. कार्यकार्ताओं से मुलाकात कर गांवों के विकास को लेकर किये जा रहे कार्यों की जानकारी लेंगे. सब के समक्ष अपनी बातें रखेंगे. विकास भारती के सचिव पद्मश्री अशोक भगत ने बताया कि संघ प्रमुख विकास भारती की ओर से अगले एक माह तक चलाये जानेवाले पौधारोपण अभियान का शुभारंभ करेंगे. विकास भारती की कार्यकारिणी के सदस्य और प्रमुख कार्यकर्ताओं के साथ सीधा संवाद भी करेंगे.

संघ प्रमुख संग भावी योजनाओं पर मंथन

आरएसएस की भावी योजनाओं का रोडमैप तैयार करने को लेकर संघ प्रमुख डॉ मोहन भागवत संग संगठन की आंतरिक बैठक हुई. सरला बिरला विवि परिसर में प्रांत प्रचारकों की बैठक के बाद से ही समवैचारिक संगठनों के संगठन मंत्रियों की बैठकें होती रहीं, जिसमें सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबले, सभी सह सरकार्यवाह मौजूद रहे. बैठक में विद्या भारती, विहिप, अभाविप, भारत विकास, राष्ट्रीय सेवा भारती, वनवासी कल्याण आश्रम, स्वदेशी जागरण मंच, भाजपा जैसे संगठनों के संगठन के प्रतिनिधि शामिल हुए.

ब्रीफ खबरें

एनएचएआई ने जारी किया टोल-फ्री नंबर

रांची। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकार ने टोल फ्री नंबर जारी किया है। इस नंबर के जरीए वाहन चालक किसी भी तरह की परेशानी होने पर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं. मसलन फास्ट टैग काम नहीं करने, टोल प्लाजा के कर्मियों के सही व्यवहार नहीं करने पर शिकायत दर्ज कराई जा सकती है. एनएचआई ने इसके लिए टोल फ्री नंबर 1033 और हेल्पलाइन नंबर 02672-252401, 252402 पर शिकायत दर्ज करायी जा सकती है.

हिमंता ने वेद प्रकाश की ली जानकारी

रांची। असम के सीएम हिमंता बिस्व सरमा ने बुधवार को कई लोगों से मुलाकात की. सबसे पहले उन्होंने प्रदेश बीजेपी के वरिष्ठ नेता सूर्यमणि सिंह से उसके आवास पर मुलाकात की. सूर्यमणि सिंह से मुलाकात के बाद हिमंता आरएसएस के क्षेत्रीय संघ चालक देवव्रत पाहन से उनके बरियातू स्थित आवास पर मुलाकात की. सरमा एचईसी स्थित पारस अस्पकाल पहुंचे व पूर्व पार्षद वेद प्रकाश और उनके परिजनों से मुलाकात की. हटिया विधायक के आवास पर भी गए.

कोलियरी कर्मचारी संघ का हुआ गठन

रांची। अखिल भारतीय खदान मजदूर संघ से संबद्ध सीसीएल कोलियरी कर्मचारी संघ की नई कमेटी का गठन कर सीसीएल के सीएमडी को इसकी जानकारी दे दी गई है. भुरकुंडा स्थित ऑफिसर्स क्लब में संघ के द्विवार्षिक अधिवेशन में पदाधिकारियों का चयन किया गया. सीसीएल सीएमडी को सबी पदाधिकारियों को सूची भी सौंप दी गयी है. अध्यक्ष निर्गुण महतो, कार्याध्यक्ष- दिलीप कुमार, उपाध्यक्ष-अनिता कुमारी बनाए गए.

घुसपैठियों का बढ़ गया है मन : निशिकांत दुबे

रांची। भाजपा सांसद निशिकांत दूबे ने एक बार फिर हेमंत सरकार को घेरा है. ट्वीट कर लिखा है कि संथालपरगना में आदिवासी समाज को भगाकर अब घुसपैठियों का मन इतना बढ़ गया है कि दुमका, जो हेमंत सोरेन जी का कर्म क्षेत्र है, वहां आज मुहर्रम के जुलूस में फिलिस्तीन का झंडा लहराया गया. गृह मंत्रालय को जांच करनी चाहिए. मुख्यमंत्री आपके ऊर्जा विभाग ने गोड्डा, देवघर, दुमका जिले को बिजली नहीं देने का फैसला किया है.

योजनाबद्ध तरीके से मूल निवासियों को अल्पसंख्यक बनाने का चल रहा खेल

झारखंड की अस्मिता मिटा रही सोरेन सरकार: शिवराज सिंह

- गठबंधन में झामुमो- कांग्रेस दो कुंभकरण, खा रहे बालू, खनिज और लील रहे पहाड़
- सोरेन सरकार ने केवल होर्डिंग्स में ही नौकरियां दीं
- न बेरोजगारी भत्ता मिला, न बहनों को घर खर्च के लिए दो हजार रुपये ही दिए गए

प्रमुख संवाददाता। रांची

केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को झारखंड की हटिया विधानसभा में अभिनंदन सह विजय संकल्प सभा को संबोधित किया. इस दौरान चौहान ने कहा कि आने वाले विधानसभा चुनाव में बेईमानों की सरकार को उखाड़ कर फैंकना है और झारखंड को बचाना है. सोरेन सरकार ने झारखंड में भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा कर दी है. प्रदेश में भ्रष्टाचार की नित्य नयी परिभाषा गढ़ी जा रही है. राज्य में घोटालों और भ्रष्टाचार से जनता त्राहिमाम कर रही है. झारखंड में अपराध भी चरम सीमा पर है.

एनसीआरबी के आंकड़ों का दिया हवाला : एनसीआरबी के आंकड़ों का उल्लेख करते हुए बताया कि पिछले साढ़े चार साल में 7 हजार 812 हत्याएं हुईं. इनकी सरकार में 7 हजार 115 बलात्कार हुए. झारखंड की धरती पर 6 हजार 937 अपरहरण हुए. दंगे 8 हजार 592 हुए। लूट 2 हजार 721 हुईं. डकैती 485 हुई. संघेय अपराध 2 लाख 73 हजार 261 हुए. रुबिका जैसी बिटिया के टुकड़े टुकड़े कर के और एक नहीं 50... 50 टुकड़े कर फेंकने का काम इस सरकार में अपराधी करते हैं. इस सरकार को शर्म आनी चाहिए, जो बहनों और बेटियों की इज्जत नहीं बचा सकती. उनका अपमान करती है. इतना ही नहीं इस सरकार में घुसपैठिए जनजाति बेटियों से शादी कर जमीनें हड़प कर हकदार भी बन रहे हैं और उनके नाम से चुनाव तक लड़ रहे हैं.

सोरेन सरकार में क्या मिला..?

चौहान ने कहा कि, चुनाव से पहले गठबंधन सरकार ने जनता से सैकड़ों वादे किए थे, लेकिन मिला कुछ नहीं. 5 लाख नौकरियां देने का वादा था, लेकिन नौकरियां केवल होर्डिंग्स में ही मिली. 5 हजार रुपये स्नातक और 7 हजार रुपये स्नातकोत्तर को बेरोजगारी भत्ता देने का वादा था, लेकिन ना नौकरी मिली ना ही बेरोजगारी भत्ता मिला. गरीब बहनों को 2 हजार रुपये घर खर्च देने का वादा था, 5 सालों में उन्हें भी घर खर्च नहीं मिला. महिलाओं को बिना गारंटी, केवल आधार कार्ड पर 50 हजार रुपये का लोन देने का वादा था, लेकिन आज तक किसी भी बहन को लोन नहीं मिल सका. किसानों से किसान बैंक खोलने का वादा किया था, लेकिन कहीं भी किसान बैंक नहीं खुला.

सभा को संबोधित करते शिवराज चौहान.

पहाड़ के पहाड़ हो गए गायब

जब झारखंड में भाजपा की सरकार थी तो 5 एकड़ तक के किसानों को 5 हजार रुपए प्रति एकड़ दिया जाता था, लेकिन सोरेन सरकार ने सत्ता में आते ही किसानों से ये राशि छीन ली. भाजपा सरकार में 50 लाख तक की संपत्ति बहन-बेटी के नाम पर खरीदी जायेगी तो केवल एक रुपया में रजिस्ट्री हो जाएगी. इन्होंने बहनों से ये भी छीन लिया। बालू हमें किलो से मिल रही है। तौल तौल कर मिल रही है. ये बालू तक खा गए. झारखंड की जनता को क्या मिला..? मिली खनन की लूट, मिली बालू की लूट, मिला भ्रष्टाचार. खनन भी ऐसा कि, पहाड़ के पहाड़ गायब हो गए.

ये झारखंड को बचाने का चुनाव है

चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यहां करोड़ों रुपये भेजे, जिससे घर-घर पीने का पानी, नल के पाइप से मिल जाए, लेकिन पाइप लाइन डाल कर नल से पानी मिला क्या..? हेमंत सोरेन की सरकार वाले पानी का पैसा भी पी गए. हमने सुना है कि, कुंभकरण छह महीना सोता था और छह महीना जगता था और जागता था तो सिर्फ खाते ही रहता था. ये गठबंधन के दो कुंभकरण केवल रोटी नहीं खाते. ये बालू भी खाते हैं, ये खनिज भी खाते हैं, ये पहाड़ भी खाते हैं. ये केंद्र का भेजा पैसा खाते हैं और ये गरीबों के मकान खा जाते हैं. इन्होंने झारखंड को तबाह और बर्बाद कर दिया. ये गठबंधन की सरकार अगर पांच साल और आ गई तो झारखंड बचेगा नहीं, और इसलिए ये चुनाव झारखंड को बचाने का चुनाव है. ये झारखंड की जनता का सम्मान बचाने का चुनाव है. ये झारखंड की संस्कृति और अस्मिता को बचाने का चुनाव है.

तीन तिगाड़ा-काम बिगाड़ा वाली बात भाजपा में चरितार्थ होगी: कांग्रेस

विशेष संवाददाता। रांची

झारखंड प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता सोनल शांति ने कहा कि झारखंड में भाजपा के साथ "तीन तिगाड़ा काम बिगाड़ा" वाली कहावत चरितार्थ होगी. हिमंता बिस्वा सरमा, शिवराज सिंह चौहान और लक्ष्मीकांत वाजपेयी को उनके केंद्रीय नेतृत्व ने डूब रही भाजपा की नैया को पार लगाने के लिए झारखंड भेजा है, लेकिन ये तीनों पूरी तरह से झारखंड में भाजपा को डूबो देंगे. वैसे भी कहावत हैस जो इन पर पूरी तरह फिट बैठता है "तीन तिगाड़ा काम बिगाड़ा". उन्होंने कहा कि जिस तरह से ये तीनों पूरे झारखंड में घूम-घूम कर जनता के बीच धर्मांधता का बीज बोने की कोशिश कर रहे हैं, उससे जनता परिचित हो चुकी है और उनकी कोई कुटील चाल यहां सफल नहीं होने वाली है.

14 साल बाद भी जनगणना नहीं करानेवाले डेमोग्राफी की बात करते फिर रहे हैं : सोनल शांति ने कहा कि देश में एक दशक से भी ज्यादा समय से आम जनगणना नहीं हुई, लेकिन फर्जी आंकड़ों के सहारे आदिवासी-मुस्लिम के बीच तनाव पैदा करने के लिए संथालपरगना की डेमोग्राफी में बदलाव की बात करते हैं. हिमंता बिस्वा सरमा को बताना चाहिए कि इस मामले में उन्होंने असम में क्या किया है. उन्हें देश के गृह मंत्री से पूछना चाहिए कि देश की सीमाएं अगर सुरक्षित हैं, तो घुसपैठ कैसे हो रहा है. बाढ़ से जूझ रही असम की जनता को राहत पहुंचाने की बजाय झारखंड में आग लगाने की कोशिश बंद की जाए. लोकसभा चुनाव में हिंदू- मुस्लिम के बीच नफरती माहौल बनाने में भाजपा नाकाम रही थी और अपनी आदत के अनुसार झारखंड में धार्मिक तनाव बनाने का प्रयास कर रही है.

सोनल शांति.

किसानों की मांगों पर भी बोल दें शिवराज

उन्होंने कहा कि शिवराज सिंह चौहान देश के कृषि मंत्री हैं. लेकिन उन्होंने आंदोलनरत किसानों की मांगों के संबंध में एक शब्द भी नहीं बोला है. आदिवासियों के हितों की बात करने से पहले उन्हें यह भी सोचना चाहिए कि झारखंड में लाखों आदिवासी परिवार किसान वर्ग से आते हैं. अगर आदिवासी समुदाय की इतनी ही चिंता है, तो भाजपा को सरना धर्म कोड के बारे में गोलमटोल बातें छोड़कर अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए. पिछड़ों के आरक्षण को झारखंड में भाजपा सरकार ने क्यों घटाया और जातिगत जनगणना कराने में भाजपा को क्या परेशानी है. हवा हवाई बातों और आरोपों से झारखंडी मानुष भड़कने वाला नहीं है. वह जमीनी हकीकत जानता है. व्यापम घोटाले के गवाहों की हुई संदिग्ध मौत के बारे में इनका क्या ख्याल है. पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के हटने के संबंध में सवाल करने वाले शिवराज सिंह चौहान से झारखंड की जनता जानना चाहती है कि अगर वो मध्यप्रदेश में सफल मुख्यमंत्री थे, तो इन्हें पुन: प्रदेश में मुख्यमंत्री क्यों नहीं बनाया गया.

हाईकोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन का चुनाव अगस्त में होने के आसार

विधि संवाददाता। रांची

झारखंड हाईकोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन की नयी कमेटी के लिए अगस्त में चुनाव होने के पूरे आसार हैं. स्टेट बार काउंसिल ने मौजूदा कमेटी से वोटर लिस्ट मांगी है. वोटर लिस्ट मिलने और उसकी स्क्रूटनी के बाद चुनाव की अन्य प्रक्रियाओं को अंतिम रूप दिया जायेगा. फिलहाल हाईकोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन की अध्यक्ष ऋतु कुमार हैं और उनकी इस कमेटी का कार्यकाल खत्म हो चुका है. हाईकोर्ट में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और महासचिव समेत कुल 18 पदों पर चुनाव होते हैं. पिछली बार हाईकोर्ट के करीब 2500 वकीलों ने मतदान कर कमेटी का चुनाव किया था.

स्टेट बार काउंसिल के चुनाव की भी तैयारियां : दूसरी ओर स्टेट बार काउंसिल के चुनाव की भी तैयारियां चल रही हैं. जानकारी के मुताबिक, झारखंड में इस वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव के बाद स्टेट बार काउंसिल का चुनाव कराया जायेगा.

सेवा कार्यों के विस्तार का संकल्प लें : परांडे

संबोधित करते विहिप के पदाधिकारी.

संवाददाता। रांची

विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय संगठन महामंत्री मिलिंद परांडे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय बैठक में भाग लेने के बाद मुंबई वापस लौटने के क्रम में रांची पहुंचे. उन्होंने रांची एयरपोर्ट रोड स्थित ग्रीन एकर्स में विहिप के रांची विभाग अंतर्गत प्रांत एवं जिला के पदाधिकारियों को संबोधित किया. श्री परांडे ने कहा कि स्थापना के 60 वर्ष की पूर्णता पर संगठन को उस स्वरूप में पहुंचना है, जिसका लक्ष्य कार्यकर्ताओं ने लिया है. इन 60 वर्षों में विश्व के 33 देशों में विश्व हिंदू परिषद ने अपना संगठन खड़ा किया है. समाज के हर वर्ग को जोड़ते हुए संपूर्ण हिंदू समाज का यह संगठन है इस भाव को जागृत करना यह उद्देश्य है. गांव-गांव में सेवा कार्यों के विस्तार का संकल्प लेकर कार्यकर्ता हिंदू समाज को जोड़ने का कार्य करें. विश्व हिंदू परिषद की स्थापना दिवस पर हिंदू समाज के हर वर्ग को जोड़ते हुए देश के 9000 प्रखंडों में भव्य कार्यक्रम करने की योजना है. बैठक में मुख्य रूप से क्षेत्र मंत्री वीरेंद्र विमल, चंद्रकांत रायपत, गंगा प्रसाद यादव, सुनील गुप्ता, रेखा जैन, मिथिलेश्वर मिश्र, रंगनाथ महतो, युगल किशोर प्रसाद, कृष्ण कुमार झा, दीपारानी कुंज, प्रिंस अजमानी, मनोज पांडे, कमल अग्रवाल, रेणु अग्रवाल सहित अन्य उपस्थित थे.

प्रेरणादायक रवि प्रकाश ने बयां की दास्तां...थेरेपी में खर्च होते हैं पौने चार करोड़

लंग्स कैंसर मरीज को मिला अनमोल रिश्ता

संवाददाता। रांची

लंग्स कैंसर (स्टेज 4) से पीड़ित मरीज रवि प्रकाश को एक अनमोल रिश्ता मिला है. मुंबई के टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल में मेडिकल ऑन्कोलॉजी के प्रोफेसर व एचओडी डॉ कुमार प्रभाष और प्रोफेसर डॉ विजय पाटिल ने उनका मुफ्त में इलाज (थेरेपी) करने की पहल की है. आम तौर पर थेरेपी कराने पर साढ़े चार लाख अमेरिकी डॉलर यानी करीब पौने चार करोड़ का खर्च आता है. लेकिन डॉ विजय पाटिल की मदद से उनके इलाज में एक पाई भी खर्च नहीं होगा. यह बातें खुद रवि प्रकाश ने बतायी. उन्होंने बताया कि कैंसर ने सिर्फ उन्हें बीमार ही नहीं किया, बल्कि एक अनमोल रिश्ता भी दिया. कैंसर लंग्स से फैलते हुए अब दिमाग में आ गया है. इसके लिए उनको रेडिएशन भी कराना पड़ा. लंग्स कैंसर पहले नॉन स्मॉल था, जो अब स्मॉल सेल में बदल गया है. इस बदलाव ने इलाज के विकल्प सीमित कर दिये थे, स्थिति यह हो गयी थी कि मौत का इंतजार कीजिए.

22 जुलाई को थेरेपी के लिए मुंबई जाएंगे : रवि ने बताया कि वे 22 जुलाई को थेरेपी के लिए मुंबई जायेंगे. इस थेरेपी से भारत में पहला ट्रांसप्लांट डॉ विजय पाटिल ने ही किया था. अब वो देश के दूसरे ऐसे मरीज हो जाएंगे, जिसका इलाज इस थेरेपी से होगा. कहते हैं न कि न जाने किस रूप में तुमको नारायण मिल जायेंगेडॉ विजय पाटिल और डॉ कुमार प्रभाष भी मुझे भगवान के रूप में मिल चुके हैं. कहा कि ईश्वर दोनों को हमेशा स्वस्थ रखें और सफलता उनके कदम चूमे. भगवान उनकी सारी मनोकामनाएं पूरी करें. मेरा परिवार सर्वदा दोनों डॉक्टरों का आभारी रहेगा.

डॉ प्रभाष और डॉ विजय फरिश्ता बन कर सामने आये, मुंबई में करेंगे मुफ्त इलाज

रवि प्रकाश ने बताते हैं कि इस बीच एक ऐसा चमत्कार हुआ कि उनमें जीने की उम्मीद जग गयी. जब इलाज के सभी विकल्प खत्म हो गये, तो डॉ कुमार प्रभाष और डॉ विजय पाटिल फरिश्ते की तरह उनके सामने आये और सीएआर टी सेल थेरेपी का विकल्प उनके सामने रखा. इसका ग्लोबल खर्च साढ़े चार लाख अमेरिकी डॉलर, इंडियन करेंसी में करीब पौने चार करोड़ है. रवि बताते हैं कि यह रकम मेरे लिए इतनी बड़ी है कि शायद मैं मौत को चुनता, लेकिन डॉ विजय पाटिल ने मुफ्त में यह थेरेपी करने की पहल की. उन्होंने बताया कि यह एक तरह का ट्रांसप्लांट है, जो ठाणे (मुंबई) के टाइटन मेडिसिटी सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में होगा.

क्लासिफाइड

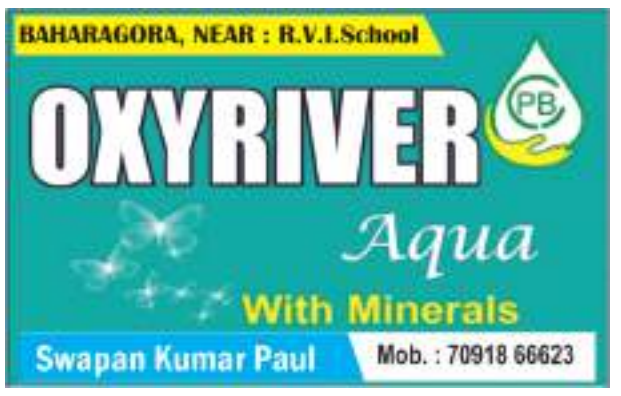

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in

रांची, गुरुवार 18 जुलाई 2024 ● आषाढ़ शुक्ल पक्ष 12 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 100

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

सारंडा के जंगल में एक करोड़ के इनामी नक्सली पतिराम मांझी के दस्ते के साथ सुरक्षा बलों की मुठभेड़

पस्त होकर भागे नक्सली, घने जंगलों से भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद

संवाददाता। चाईबासा

जिले के सारंडा जंगल में नक्सलियों के खिलाफ लगातार अभियान जारी है. इसी दौरान बुधवार सुबह एक करोड़ के इनामी नक्सली पतिराम मांझी उर्फ अनल दा के दस्ते के साथ सुरक्षाबलों की मुठभेड़ हुई. यह मुठभेड़ नक्सल प्रभावित जराइकेला थाना क्षेत्र के घने जंगलों में हुई. दोनों ओर से हुई गोलीबारी में सुरक्षाबलों को भारी पड़ता देख नक्सली घने जंगल कर फायदा उठाकर भागने में सफल रहे. नक्सलियों के वहां से भागने के बाद सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके में सर्च अभियान चलाया. इस दौरान भारी मात्रा में गोला और बारूद बरामद किये गये. पश्चिमी सिंहभूम के एसपी आशुतोष शेखर ने मुठभेड़ की पुष्टि की है.

नक्सलियों के खिलाफ चलाया जा रहा था अभियान : सारंडा के जंगली क्षेत्र में बुधवार को झारखंड पुलिस, झारखंड जगुआर और कोबरा बटालियन के जवान नक्सलियों के खिलाफ संयुक्त रूप से अभियान चला रहे थे. इसी दौरान नक्सलियों से पुलिस का आमना-सामना हो गया. सुरक्षाबलों को देखते ही नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसके बाद सुरक्षाबलों ने भी जवाबी कार्रवाई की. हालांकि सुरक्षाबलों को भारी पड़ता देख नक्सली घने जंगल कर फायदा उठाकर भाग गये.

नक्सली दस्ते को कुख्यात कमांडर अनल कर रहा था लीड

पुलिस सूत्रों का कहना है कि नक्सलियों के दस्ते को कुख्यात नक्सली कमांडर अनल लीड कर रहा था. बारिश के मौसम में नक्सली किसी सुरक्षित ठिकाने की ओर पहुंचने की कोशिश कर रहे थे. इसी दौरान सुरक्षा बलों से उनका सामना हो गया. बता दें कि हाल के दिन में पाथरबासा में हुई मुठभेड़ के बाद से ही सुरक्षा बलों का निरंतर ऑपरेशन चल रहा है. इस अभियान में कोबरा की 209, 203 व 205 बटालियन, सीआरपीएफ के 60, 197, 157, 174, 193, 134, 26 व 11 बटालियन के अलावा झारखंड जगुआर के जवान शामिल थे.

फाइल फोटो

सुरक्षा बलों ने इन सामानों को किया जब्त

सुरक्षा बलों ने एक एसएलआर रायफल, तीन मैगजीन, एक 303 रायफल, एक मैगजीन, एक 9 एमएम पिस्तौल, 174 एसएलआर कारतूस, 34 डेटोनेटर, एक लैपटॉप चार्जर, नक्सल साहित्य, लाल बैनर, 17 बैटरी, एक कारतूस पाउच, सात पीठू बैग, एक नक्सल टोपी, दो नक्सल यूनिफॉर्म, एक काला पटका, एक पावर बैंक, तीन मोबाइल चार्जर, पांच केबल, एक डिजिटल मीटर, तीन पॉलीथिन शीट, 12 टॉर्च, चार छाता, एक ब्यूटेन गैस सिलेंडर, सात पैकेट सरसों तेल , जीवन रक्षक दवाई और दैनिक उपयोग के सामान को जब्त किया है.

तीन दिन पहले भी नक्सलियों के साथ हुई थी मुठभेड़

जिले के मनोहरपुर थाना क्षेत्र के सुदूरवर्ती जंगली क्षेत्र पाथरबासा में नक्सलियों के खिलाफ चलाये जा रहे सर्च अभियान के दौरान 14 जुलाई को सुरक्षा बलों व नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई थी. नक्सलियों का समूह खुद को कमजोर देख पीछे हट गया और जंगल व अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकला था. मुठभेड़ के बाद सर्च अभियान के दौरान पाथरबासा जंगल में सुरक्षा बलों को नक्सलियों का अस्थायी कैंप भी मिला था.

निवेश के नाम पर पांच करोड़ की ठगी करने वाला धराया

कार्रवाई के बारे में जानकारी देते सीआईडी डीजी अनुराग गुप्ता.

संवाददाता। रांची

झारखंड के कई लोगों (करीब 150-200) से पांच करोड़ की ठगी करने वाले साइबर अपराधी को सीआईडी ने गिरफ्तार कर लिया है. सीआईडी डीजी अनुराग गुप्ता के निर्देश पर साइबर सेल की टीम ने यह कार्रवाई की है. गिरफ्तार साइबर अपराधी की पहचान दिल्ली के विकासपुरी स्थित शंकर गार्डन निवासी अमित जायसवाल के रूप में हुई है. सीआईडी डीजी अनुराग गुप्ता ने बुधवार को यह जानकारी दी.

क्रिप्टो में निवेश करने पर 300% तक रिर्टन देने का दिया प्रलोभन : यह मामला नवंबर 2023 का है, जब साइबर सेल थाना में वादी ने मामला दर्ज कराया था. दर्ज शिकायत में कहा गया था कि गोल्ड बॉन्ड के माध्यम से आरोपी शशि शंकर कुमार उर्फ विक्की ने मौद्रिक लाभ पहुंचाया, जिससे वादी आरोपी पर विश्वास करने लगा. इसी दौरान शशि शंकर और उसके दोस्त अमित जायसवाल ने वादी को क्रिप्टोकरेंसी में निवेश कर अधिक पैसे कमाने के लिए कहा. अमित ने आधिकारिक वेबसाइट 'ओरोपे' के माध्यम से लोगों को कम समय में अधिक पैसे कमाने का प्रलोभन दिया. साइबर अपराधी ने एआई तकनीक के माध्यम से निवेश राशि के अनुरूप 300% तक रिर्टन का आश्वासन दिया. इसके झांसे में आकर लोग अधिक से अधिक पैसे निवेश करने लगे.

15 अगस्त को अभियान का शुभारंभ कर सकते हैं सीएम हेमंत सोरेन

'सरकार आपके द्वार' का चौथा चरण अगले माह से

कौशल आनंद। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के सबसे बड़े अभियान 'आपकी सरकार, आपके द्वार' का चौथा चरण अगस्त में शुरू होगा. चूंकि नौ अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस है, इसलिए इस दिन सरकार पिछले वर्ष की भांति कोई बड़ा आयोजन कर सकती है. इस बात की संभवना भी प्रबल है कि 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर रांची के मोरहाबादी मैदान में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अभियान के चौथे चरण का शुभारंभ कर सकते हैं. मौखिक रूप से मुख्यमंत्री ने इसके तैयारी का निर्देश मुख्य सचिव समेत तमाम विभागीय सचिव और उपायुक्त को दे दिया है. इसको लेकर इसी सप्ताह अंतिम निर्णय ले लिया जाएगा.

जिला या विधानसभा आधारित होगा मेगा कार्यक्रम : आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए इसके स्वरूप में बदलाव भी किया जा सकता है. इस बार अभियान का स्वरूप कुछ अगल हो सकता है, ताकि मुख्यमंत्री सभी विधानसभा या जिले तक पहुंच सकें. इस मौके पर हर बार के अभियान की तरह ही मुख्यमंत्री लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण और कई नयी योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन भी कर सकते हैं.

इसी सप्ताह अंतिम निर्णय लिये जाने की संभावना

- परिसपंत्ति वितरण एवं नयी योजनाओं की मिल सकती है सौगात

अभियान और शिविर में इस तरह के मामले आए

पंचायत और वार्ड स्तर पर आयोजित शिविरों में अबुआ आवास योजना, बिरसा सिंचाई कूप योजना, सामुदायिक और व्यक्तिगत वन पट्टा से संबंधित मामले, गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना से जुड़े आवेदन आए. इसके अलावा जाति, आय, जन्म, मृत्यु, दिव्यांगता प्रमाण पत्र में जरूरी संशोधन, भूमि से जुड़े मामले, आयुष्मान कार्ड, आम जनों के सामाजिक-आर्थिक बुनियादी जरूरतों से जुड़े मामले, सर्वजन पेंशन योजना, सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, किसान क्रेडिट कार्ड योजना, मुख्यमंत्री पशुधन योजना, श्रम विभाग अंतर्गत श्रमाधान पोर्टल पर प्रवासी श्रमिकों का पंजीकरण, राजस्व अभिलेखों में संशोधन-परिमार्जन आदि शिकायतों का निवारण किया गया.

अब तक तीन चरणों में चलाया गया है अभियान

पूर्ववर्ती हेमंत सोरेन सरकार ने सरकार के तीन वर्ष का कार्यकाल पूरा होने के बाद 12 अक्टूबर 2022 को इस अभियान का शुभारंभ किया था. पहला चरण 12 अक्टूबर से 22 अक्टबूर 2022 तक चला. दूसरा चरण 2022 में ही एक नवंबर से 12 नवंबर तक चला. इस दोनों अभियान के तहत 55,44,554 आवेदन विभिन्न विभागों से संबंधित सरकार को प्राप्त हुए. इनमें 55,36,636 आवेदन निष्पादित कर किए जा चुके हैं. जबकि 7,918 आवेदन अभी प्रक्रियाधीन है. वहीं तीसरा चरण 24 नवंबर 2023 से 26 दिसंबर 2023 तक चला. इसमें सबसे अधिक मामले अबुआ आवास योजना के आए. 26 फरवरी को तत्कालीन सीएम मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन द्वारा साहिबगंज में साहेबगंज, गोड्डा और पाकुड़ जिले के 24 हजार के करीब लाभुकों को पहली किस्त और स्वीकृति पत्र सौंपा गया था. पहली किस्त की राशि खाते में ट्रांसफर करायी गयी थी.

बड़कागांव: दो पक्षों में झड़प के दूसरे दिन भी पत्थरबाजी

- हरली और बड़कागांव रहा बंद, हालात पूरी तरह नियंत्रण में
- ग्रामीणों ने बड़कागांव विधायक का पुतला जलाया
- सांसद बोले- पुलिस प्रशासन की चूक से हुआ विवाद

संवाददाता। बड़कागांव

महुदी जुलूस मार्ग को लेकर धरने पर बैठे अमन कुमार व अजय कुमार सिंह की गिरफ्तारी के विरोध में बुधवार को बड़कागांव व बादम क्षेत्र पूर्णतः बंद रहा. हरली के ग्रामीणों ने विश्रामपुर चौक पर बड़कागांव विधायक अंबा प्रसाद का पुतला जलाया. वहीं, नयाटांड़ गांव में एक पक्ष के जुलूस में आपत्तिजनक गाना बजाए जाने के आरोप में दोनों पक्षों फिर से भीड़ गये और दोनों ओर से पत्थरबाजी की घटना हुई.

पथराव में बड़कागांव उप प्रमुख वचन देव कुमार के स्कॉर्पियो वाहन का शीशा टूट गया. वहीं दर्जनों लोग घायल हो गए. इसी दौरान चौपदार बलिया गांव में घर के बाहर खड़े मारुति कार को उपद्रवियों ने लाठी डंडा से पीट कर चकना चूर कर दिया गया. इसकी सूचना मिलते ही हरली गांव के ग्रामीणों द्वारा भी हरली- बादम पथ को पेड़ काट कर जाम कर दिया गया. सूचना मिलने के बाद हजारीबाग एसडीओ शैलेश कुमार, एसडीपीओ कुलदीप कुमार, सीओ संतोष कुमार सिंह, इंस्पेक्टर अनिल कुमार सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल पहुंचे और जाम हटाने का प्रयास किया गया. इस दौरान प्रशासन द्वारा ड्रोन कैमरा से वीडियोग्राफी कराया जाने लगा. इससे भीड़ और उग्र हो गई और पथराव करने लगी. इस घटना में एसआई छोटू उरांव, पुलिस के जवान सुधीर कुमार, ग्रामीण शिवम पांडे सहित दर्जनों लोग घायल हो गये.

हर गतिविधि पर नजर रखे हुए हैं डीसी व एसपी : बहरहाल, ऐहतियात के तौर पर उपायुक्त नैंसी सहाय एवं पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह बुधवार दिन भर बड़कागांव थाना में कैंप कर क्षेत्र की हर गतिविधि पर नजर बनाए हुए थे. दिन भर पूरे बड़कागांव क्षेत्र में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई थी, लेकिन हालात नियंत्रण में थे.

नयाटांड में उग्र भीड़.

पक्ष-विपक्ष दोनों पुलिस-प्रशासन की बता रहे चूक

सोनपुरा निवासी भोला प्रसाद दांगी को घर से बुला कर पुलिस द्वारा जमकर मारपीट करने के आरोप में सांसद मनीष जायसवाल के नेतृत्व में ग्रामीणों ने बड़कागांव थाने में आवेदन देकर दोषी पुलिसकर्मी पर कार्रवाई करने की मांग की है. सांसद ने बुधवार को बड़कागांव प्रखंड के महुदी, सोनपुरा, नयाटांड़, हरली आदि गांवों का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया. उन्होंने कहा कि पुलिस की एकपक्षीय कार्रवाई एवं गलत निर्णय के कारण आज बड़कागांव में आक्रोश एवं तनाव की स्थिति उत्पन्न हुई है. वहीं, पूर्व मंत्री योगेंद्र साव ने भी बड़कागांव के तनावपूर्ण हालात के लिए पुलिस प्रशासन को जिम्मेदार ठहराया है. उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों की आपस में बैठक कर गलतफहमियों को दूर करते हुए मामले को सुलझाया जा सकता है.

पांडरपाला में हिंसक झड़प, लगा कर्फ्यू

- दो पक्षों में जमकर पत्थरबाजी तोड़फोड़, पुलिस कर रही कैंप

धनबाद/वासेपुर। पांडरपाला भरत चौक में बुधवार की रात करीब पौने नौ बजे दो संप्रदाय के लोगों में हिंसक भिड़ंत हो गई. दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट और पत्थरबाजी हुई. दो संप्रदाय के भिड़ंत की खबर पाकर पुलिस रेस हो गई. मौके पर तत्काल पहुंची, लेकिन उग्र भीड़ को नियंत्रित नहीं कर पाई. पुलिस के सामने ही दोनों पक्षों में पत्थरबाजी चलती रही. इस दौरान कई पुलिस कर्मियों को भी चोट लगी है.बिगड़े हालात को संभालने के लिए प्रशासन ने इलाके में कर्फ्यू लगा दिया है. पूरा इलाका पुलिस छावनी में तब्दील हो गया है. बताते चलें कि इलाके में मुहर्रम का ताजिया जा रहा था. जैसे ही जुलूस व ताजिया भरत चौक के पास पहुंचा, अंधेरे में किसी शरारती तत्व ने ताजिया पर पत्थर फेंक दिया. इसके बाद वहां का माहौल बिगड़ गया. दोनों पक्षों में मारपीट होने लगी और पत्थरबाजी शुरू हो गई. देखते ही देखते पूरा इलाका रणक्षेत्र बन गया.

अडिशा के राज्यपाल रघुवर दास रांची पहुंचे

रांची। ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास बुधवार को भुवनेश्वर से रांची पहुंचे. हटिया रेलवे स्टेशन पर संजय कुमार जायसवाल के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया. स्वागत करने वाले में संजय कुमार जायसवाल, ललित नारायण, ओझा उमेश यादव, रोमित नारायण सिंह, शुभम जायसवाल आदि शामिल थे.

आस्था नवाडीह के बरई गांव में 150 साल से अकीदत के साथ मुहर्रम का त्योहार मनाता आ रहा हिंदू परिवार

गांव में एक भी मुस्लिम नहीं, 150 सालों से बन रहा ताजिया

बोकारो के नावाडीह के बरई गांव में एक भी मुस्लिम परिवार नहीं है. फिर भी वहां एक हिंदू परिवार 150 वर्षों से मुहर्रम का त्योहार मना रहा है. इस साल भी वहां मुहर्रम मनाया गया. इसकी शुरुआत पूर्व जमींदार स्व. पंडित महतो ने की थी और उनके वंशज इसे परंपरा मानकर आज भी मुहर्रम पर एक सप्ताह पूर्व से ही ताजिया बनाने में लग जाते हैं और फिर मातम के त्योहार के दिन पूरे गांव में ताजिया घुमा कर कर्बला के मैदान में दफन कर दिया जाता है.

रजत नाथ। बोकारो

आस्था धर्म से ऊपर है. इस बात को रखांकित कर रहा है जिले के नावाडीह प्रखंड के बरई गांव का एक हिंदू परिवार, जो 150 वर्षों से मुहर्रम का त्योहार अकीदत से मनाता आ रहा है. इसकी शुरुआत पूर्व जमींदार स्व. पंडित महतो ने की थी. उनके वंशज इस परंपरा को आज भी अग्रसारित कर रहे हैं. गांव के अन्य लोग भी इसमें हिस्सा लेते हैं. गौर करने वाली बात यह है कि इस गांव में एक भी मुस्लिम परिवार नहीं हैं. पूर्व जमींदार पंडित महतो के परिवार ने अपनी जमीन पर इमामबाड़ा और कर्बला भी बना रखा है. इस वर्ष भी मुहर्रम को लेकर विगत शनिवार को गांव के लोगों ने इमामबाड़ा और कर्बला में ताजिया बनाने से पहले फातिहा पढ़ा. बुधवार को ताजिया पूरे गांव में घुमा कर गांव के कर्बला में दफन किया गया.

पंडित महतो को दी जा रही थी फांसी, तीन बार खुल गया था फंदा : स्व. पंडित महतो के वंशज सहदेव साव, योगेंद्र साव, चिंतामणि साव, रवि कुमार, सुरेश साव, उपेंद्र साव, शंभू साव, जितेंद्र साव, कुंदन कुमार आदि ने बताया कि उनके पूर्वज बरई गांव के जमींदार थे. आजादी के पूर्व पास के गांव बारीडीह के तत्कालीन जमींदार से सीमा विवाद को लेकर खूनी संघर्ष हुआ था. इस मामले को लेकर हजारीबाग न्यायालय में केस दायर किया गया और स्व. पंडित महतो को फांसी की सजा सुनाई गई. फांसी का दिन मुहर्रम था. जब उनसे उनकी अंतिम इच्छा पूछी गई, तो उन्होंने मुजावर से फातिहा सुनने की इच्छा जताई. वंशजों ने बताया कि उनकी इच्छा पूरी होने के बाद फैसले के अनुसार उन्हें फांसी पर चढ़ाने के लिए ले जाया गया. लेकिन फांसी का फंदा तीन बार खुल गया. ब्रिटिश कानून के तहत उन्हें रिहा कर दिया गया.

पूर्व जमींदार पंडित महतो के परिवार की जमीन पर बना है इमामबाड़ा-कर्बला

रिहाई होने के बाद इमामबाड़ा व कर्बला का निर्माण कराया

रिहाई के बाद पंडित महतो ने नावाडीह प्रखंड के सहरिया गांव के मुजावर की देखरेख में बरई गांव में इमामबाड़ा और कर्बला का निर्माण कराया. मुहर्रम के मौके पर फातिहा पढ़ा और ताजिया बना कर जुलूस निकाला. तब से स्व. पंडित महतो के वंशज इसे परंपरा के रूप में आज तक निभाते आ रहे हैं.

सड़क दुर्घटना में घायल वृद्ध महिला की मौत पर हंगामा

संवाददाता। लोहरदगा

सेन्हा थाना क्षेत्र अंतर्गत कंडरा चौक के समीप सड़क दुर्घटना में घायल हुई वृद्ध महिला की रिम्स ले जाने के दौरान मौत हो गई. बता दें कि विगत सोमवार को बूटी मोड़ निवासी स्व. पारसनाथ भगत की 75 वर्षीय पत्नी को बोलोरो (जेएच 01डी- 1254) ने धक्का मार दिया था. घटना के वक्त वृद्धा अपने घर के बाहर बैठी हुई थी. दुर्घटना में घायल महिला का स्थानीय अस्पताल में इलाज चल रहा था. इस बीच बुधवार को तबीयत बिगड़ने पर चिकित्सक ने उसे बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया. रिम्स ले जाने के दौरान रास्ते में महिला की मौत हो गई. महिला की मौत के बाद सेन्हा थाना पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज करते हुए बोलेरो चालक को जेल भेज दिया. वहीं, वृद्ध महिला की मौत के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने कांडरा चौक पर शव रख कर सड़क जाम कर दिया. ग्रामीण मुआवजा का मांग पर अड़े थे. सूचना पर सेन्हा थाना प्रभारी अजीत कुमार और बीडीओ संग्राम मुर्मू दल-बल के साथ पहुंचे. उन्होंने मृतका के परिजन को मुआवजा एवं परिवारिक लाभ का आश्वासन दिया. इसके बाद ग्रामीणों ने जाम को हटाया.

ग्रामीण व परिजन को समझाते पुलिस-प्रशासन के अधिकारी.

- मुआवजे की मांग को लेकर ग्रामीणों ने सड़क जाम रखी

मुहर्रम पर विभिन्न गांवों में आयोजित कार्यक्रम में हुए पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री शामिल

जो लोग समाज में विभेद पैदा करते हैं,वे हैं शैतान : मिथिलेश

संवाददाता। गढ़वा

मुहर्रम के मौके पर बुधवार को जिले के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यक्रम आयोजित की गई. विभिन्न गावों में आयोजित कार्यक्रम में गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर शामिल हुए. मुहर्रम इंतजामिया कमिटी की ओर से आयोजित कार्यक्रम ग्राम दरमी, सिदे, कादरी नगर चमरही, संग्रहे खुर्द, कल्याणपुर, छतरपुर, चरका पत्थर मेराल, बीरबंधा तथा जिला मुख्यालय स्थित कर्बला के मैदान में आयोजित कार्यक्रम में मंत्री श्री ठाकुर शामिल हुए. इस दौरान कमिटी के लोगों ने मंत्री श्री ठाकुर का भव्य स्वागत किया. कमिटी के लोगों ने माला पहनाकर, शॉल ओढ़ाकर, तलवार देकर एवं तीर-धनुष प्रदान कर मंत्री को सम्मानित किया.

मुहर्रम से अन्याय के विरुद्ध लड़ने की प्रेरणा मिलती है

सभा को संबोधित करते मंत्री मिथिलेश ठाकुर.

मौके पर मंत्री श्री ठाकुर ने कहा कि मुहर्रम महीने का हर दिन मुस्लिम समुदाय के लोगों के लिए अहम होता है. इस महीने का 10वां दिन बहुत ही खास माना जाता है. इसी दिन हजरत इमाम हुसैन की शहादत हुई थी. मुस्लिम समुदाय मुहर्रम को गम के रूप में मनाते हैं. उन्होंने कहा कि इमाम हुसैन साहब ने अन्याय, बुराई के विरूद्ध घुटने नहीं टेके. बड़ी से बड़ी ताकतों के आगे वे झुके नहीं. यदि वे हार मान जाते या समझौता कर लेते तो आज इस्लाम का वजूद नहीं रहता. उनसे हम सभी को प्रेरणा लेनी चाहिए. अपने हक अधिकार के लिए हमें बड़ी से बड़ी ताकतों के आगे झुकना नहीं चाहिए. बल्कि आगे बढ़कर अपना हक अधिकार लेना चाहिए. मंत्री ने कहा कि जो लोग समाज को कमजोर करते हैं, अधर्म के रास्ते पर ले जाते हैं, समाज में विभेद पैदा करते हैं वैसी ताकतों से डटकर मुकाबला करना चाहिए. उन्होंने कहा कि गढ़वा आपसी, एकता एवं भाईचारा का मिशाल है. यहां सभी जाति, धर्म के लोग आपस में मिलजुलकर एक-दूसरे के पर्व त्यौहार एवं सुख-दुख में हिस्सा लेते हैं. जो लोग इसमें खलल डालने की कोशिश करते हैं सभी लोग मिलकर मुंहतोड़ जवाब देते हैं.

वैसे लोग शैतान होते हैं. वैसे लोगों से हमें सावधान रहने की जरूरत है. मौके पर मुख्य रूप से झामुमो जिलाध्यक्ष तनवीर आलम, सचिव मनोज ठाकुर, मिथिलेश पासवान, सोनल पासवान, संजय चौधरी, अनिल पासवान, सलीम जाफर, दिलीप गुप्ता, अंकित पांडेय, साकिर अंसारी, एनुल खान, सुलतान अंसारी, कमालु, सरपरस्त मो. इब्राहिम अंसारी, सदर नौजवान कमिटी इरफान अंसारी, सदर शमीम अंसारी, शहाबुद्दीन अंसारी, अयूब अंसारी, सदर अख्तर खां, शेख रहमतुल्लाह हाजी, शेख फहीम, शेख मंसूर हाजी, शेख एजाजुल, एकबाल खां, हाजी जसीमुद्दीन खां, परिखन विश्वकर्मा, जैदुल्लाह, शफीक खां, तहजीब खां, उपेंद्र सिंह, डॉ बीरबल विश्वकर्मा, निसार खान, सत्येंद्र सिंह, तहजीब आलम, प्रेम कुमार, मुंद्रिका राम, सदर रहमत खान, सेक्रेटरी युनूस खान, बाबर खान, मोजम्मिल अंसारी, शहंशाह आलम, अनवर हुसैन सरपरस्त, खुसमुद्दीन खां, सलाहुद्दीन खान, इश्फाक खान सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे.

न्यूज अपडेट

सत्य व न्याय का प्रतीक है मुहर्रम: अरुणा शंकर

मेदिनीनगर। सत्य, न्याय और इंसानियत की लड़ाई का प्रतीक मुहर्रम हिंदू-मुस्लिम एकता की मिसाल है. चैनपुर में हमेशा लोग आपस में मिलजुल कर मुहर्रम व रामनवमी मनाते रहे हैं. उक्त बातें पूर्व मेयर अरुणा शंकर ने कहीं. वे आज मुहर्रम पर मुहर्रम इंतजामिया कमेटी जनरल के सम्मान समारोह में बोल रही थीं. मौके पर उन्हें शाल व तलवार देकर सम्मानित किया गया. इधर महावीर नवयुवक दल जनरल के द्वारा मुहर्रम इंतजामिया कमेटी के लोगों को सम्मानित किया. कार्यक्रम में पूर्व विधायक प्रत्याशी दिलीप सिंह नामधारी को भी पगड़ी बांधकर सम्मानित किया गया. सम्मानित होने वालों में सलामुद्दीन खान, शमशेर खान, मो फारूक अजमल खान, जमालुद्दीन खान, अब्दुल्ला, मो फिरोज ,अजीम खान, आलम जाफर, लाडले हसन, तौहीद खान ,इम्तियाज अंसारी, अब्दुल हरेरा ,अबरार खान ,डब्लू खान, बबलू पांडे अनिल गुप्ता पूर्व प्रमुख विजय गुप्ता वार्ड पार्षद पति विनोद कमलापुरी रामनवमी जनरल के अध्यक्ष चंदेश्वर प्रसाद चंदू ,आदि शामिल हैं.

अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट होना होगा : संदीप

हरिहरगंज/पलामू। वीर बाबा चौहरमल कल्याण समिति के पलामू जिला अध्यक्ष संदीप पासवान कहा कि अधिकारों की रक्षा के लिए तमाम एससी वर्ग के बुद्धिजीवियों को एकजुट होना जरूरी है. उन्होंने कहा कि चौकीदार बहाली में आरक्षण से छेड़ छाड़ करने का किसी को अधिकार नहीं है. इसमें सरकार या अधिकारियों को कोई गड़बड़ी नहीं करने दी जाएगी. चौकीदार बहाली के लिए निकाली गई विज्ञप्ति रद्द कर फिर से एससी को आरक्षण देते हुए विज्ञप्ति जारी करने की मांग दोहराई. उन्होंने कहा कि संगठन चुप नहीं बैठेगा.आंदोलन के प्रथम चरण में अब तक कैबिनेट मंत्री सत्यानंद भोक्ता,मंत्री वैद्यनाथ राम,पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, पलामू सांसद वीडी राम ,विधायक आलोक चौरसिया, डीसी पलामू सहित कई मंत्री,विधायक और अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर पुरानी नियमावली के तहद चौकीदार बहाली में एससी को आरक्षण फिर से बहाल कराने की मांग की गई है.

विलक्षण संपन्न व्यक्ति थे राम नारायण सिंह : विधायक

हुसैनाबाद (पलामू)। हुसैनाबाद के पोलडीह पंचायत निवासी स्व. राम नारायण सिंह एवं स्व. सावित्री देवी के स्मारक का आज गजनाधाम मंदिर परिसर के बाहर अनावरण किया गया. स्मारक अनावरण मुख्य अतिथि नबीनगर विधायक सह राजद नेता विजय कुमार सिंह उर्फ़ डब्लू सिंह, विशिष्ट अतिथि पलामू जिप उपाध्यक्ष सह झामुमो नेता आलोक कुमार सिंह उर्फ टुटू सिंह, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अशोक सिंह, नबीनगर क्षेत्र अंतर्गत मूंगा पंचायत के पूर्व मुखिया संजय कुमार सिंह, पोलडीह पंचायत के पूर्व मुखिया अभय कुमार सिंह उर्फ टुन्ना सिंह आदि ने किया. मुख्य अतिथि विधायक श्री सिंह ने कहा कि स्व. राम नारायण सिंह धार्मिक एवं सामाजिक प्रवृत्ति के एक विलक्षण संपन्न व्यक्ति थे. मौके पर मुख्य रूप से स्मारक अनावरण समारोह के आयोजनकर्ता बृजमोहन सिंह, भृगुनंदन सिंह, गुप्तेश्वर सिंह, संजय कुमार सिंह उर्फ लड्डू सिंह, अजय सिंह, वरुण सिंह समेत काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे.

बाल अधिकार संरक्षण की केंद्रीय टीम पहुंची चंदवा

चंदवा (लातेहार)। बाल अधिकार पर काम करने वाले तीन सदस्यीय केंद्रीय दल बुधवार को चंदवा पहुंचा.दल में ब्रजेश मिश्र, ज्योति और एक अन्य शामिल थे. यहां पथ निर्माण विभाग के विश्रामागार में उन्होंने स्थानीय युवक आशीष कुमार शुक्ला से चंदवा क्षेत्र के भौगोलिक स्थिति की जानकारी प्राप्त की. श्री शुक्ला ने बाल कल्याण पर कार्य करने वाले सदस्यों को भौगोलिक स्थिति की जानकारी देते हुए टोरी स्टेशन से बाल मजदूरी के लिए बच्चों को राज्य से बाहर ले जाने को गंभीर समस्या बताते हुए चिंता जाहिर की. कहा कि टोरी रेल जंक्शन है और यहां से प्रायः बाल मजदूर को बाहर ले जाया जाता है. रेलवे प्रशासन और स्थानीय थाना की पुलिस झमेले में नहीं पड़ना चाहती है. लिखित शिकायत नहीं रहने के कारण बाल मजदूरों को लाने ले जाने वालों पर कोई कार्रवाई नहीं हो पाती है. सदस्यों ने श्री शुक्ला को बाल मजदूर ट्रैफिकिंग को रोकने को लेकर कुछ अहम सुझाव दिया और प्रभावित लोगों का पता लगाकर उन्हें करने की अपील की.

पलामू जिला कमेटी चयन को लेकर बैठक 22 को

मेदिनीनगर। जबीकेएसएस/जेएलकेएम के पलामू जिला इकाई गठन को लेकर 22 जुलाई को स्थानीय पलामू क्लब में लोगों की बैठक आयोजित की गई है. उक्त जानकारी संस्था के एके टैगोर ने दी है. उन्होंने बताया कि दिन के 11 बजे से आयोजित बैठक में जयराम महतो की पार्टी का पलामू जिला कमेटी का चयन होना है. बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में टाइगर जयराम महतो के केंद्रीय चयन समिति आ रही है.जयराम महतो समर्थक व क्रान्तिकारियों से जिला कमेटी गठन को लेकर आयोजित बैठक में शामिल होने की अपील की है. उन्होंने बताया कि बैठक में जिला कमेटी के अलावा युवा मोर्चा कमेटी, जिला अल्पसंख्यक कमेटी और जिला महिला मोर्चा का भी गठन किया जाएगा.

ताजिया व अखाड़ा के साथ मुस्लिम समुदाय ने निकाला जुलूस

गढ़वा। मुहर्रम के मौके पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने ताजिया व अखाड़ा के साथ जुलूस निकाला. इस दौरान जुलूस में शामिल लोग हजरत ईमाम हसन-हुसैन की याद में या हसन, या हुसैन, या अली, कर्बला दूर है, जाना जरूर है.. आदि नारे लगा रहे थे. इसके अलावा जुलूस में शामिल लोग मरसिया भी पढ़ रहे थे. मुहर्रम के मौके पर अकीदतमंदों ने रोजा भी रखा. मगरीब अजान के बाद अकीदतमंदों ने रोजा खोला. रांकी मोहल्ला व टंडवा मोहल्ला के जुलूस का मिलान शहर के रंका मोड़ पर किया गया. जबकि उंचरी, सोनपुरवा, इंदिरा गांधी रोड, शरीफ मोहल्ला, मदरसा रोड, जोबरईया आदि के जुलूस का मिलान मझिआंव मोड़ पर किया गया. इसके साथ ही शहर के विभिन्न मोहल्लों द्वारा निकाला गया जुलूस गढ़देवी मोड़ के पास इकट्ठा हुआ. जहां मुस्लिम बच्चों, नवजवानों व बुजूर्गों द्वारा परंपरगत हथियारों से एक से बढ़कर एक करतब दिखाए गए.

धूमधाम से मनाया जाएगा विश्व आदिवासी दिवस

लातेहार। आदिवासी समन्वय समिति लातेहार एवं जिला सरना समिति के संयुक्त बैठक समाहरणालय के पास अविस्थत आदिवासी बासाओड़ा में आयोजित किया गया. बैठक में आगामी नौ अगस्त को आदिवासी दिवस मनाने का निर्णय लिया गया. बैठक की अध्यक्षता कर रहे संयोजक सेलेस्टीन कुजूर ने कहा कि नौ अगस्त को पूरे विश्व में आदिवासी दिवस मनाया जाता है. इसका मुख्य उदेश्य विश्व भर में आदिवासी जनजातियों के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में उन्हें जागरूकता बढ़ाना है. भेदभाव, गरीबी और शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच की कमी को दूर करना है. यह एक ऐसा दिन जब हम विश्व भर में आदिवासी जनजातियों के लिए एक बेहतर भविष्य की दिशा में काम करने का संकल्प लेते हैं. मंच का संचालन करते हुए जिप सदस्य विनोद उरांव ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस संयुक्त राष्ट्र द्वारा विश्व के आदिवासी जनजातियों के अधिकारों की संरक्षण और सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है. बैठक में विश्व आदिवासी दिवस मनाने को ले कर कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गयी.

ब्रीफ खबरें

मनिका में निकाली गयी ताजिया, मातम मनाया

मनिका (लातेहार)। मनिका प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न जगहों मे मुस्लिम धर्मावलंबियों द्वारा मुहर्रम के मौके पर ताजिया व जुलूस निकला गया और मातम मनाया गया. विभन्न अखाड़े के युवाओं ने एक से बढ़कर एक करतब दिखाये गये. हर अखाड़े के साथ सैकड़ो लोग उत्साह बढ़ाने को चल रहे थे. जुलूस शांति व सोहार्द माहौल संपन्न कराने लेकर थाना प्रभारी जयप्रकाश शर्मा के नेतृत्व में पुलिस बल के जवानों के द्वारा क्षेत्र में गश्ती की जाती रही.

मानवता की राह में कुर्बानी सिखाता मुहर्रम : डॉ अरुण

पांकी (पलामू)। सच्चाई, इंसानियत और मानवता को जिंदा रखने में हुई शहादत के मर्म को मुहर्रम सिखलाता है. इसी दिन इस्लाम धर्मावलंबियों का अटूट आस्था का समागम देखने को मिलता है. हम समरसता, सद्भाव, एकता का मिसाल पेश कर वैमनस्यता को छोड़ अमन में भाईचारगी का संदेश फैलाएं. उक्त बातें राजद के प्रदेश महासचिव सह भावी प्रत्याशी डॉ अरुण कुमार यादव ने पांकी में मुहर्रम पर निकली जुलूस के दौरान कही. इस दौरान एकजुटता एवं भाईचारगी को बढ़ावा देने पर बल दिया गया.

विशाखापट्टनम में कांडी का युवक हुआ लापता

कांडी (गढ़वा)। थाना क्षेत्र के खुटहेरिया गांव के दूरबिजवाडीह टोला निवासी नन्दलाल प्रसाद गुप्ता के 23 वर्षीय पुत्र विकास गुप्ता पिछले चार दिनों से आंध्रप्रदेश के विसाखापट्टनम से लापता है. विकास रविवार को 11 बजे दिन से लापता है. इस मामले को लेकर 16 जुलाई मंगलवार को विसाखापट्टम के भोगापुरम थाना में ठीकेदार द्वारा गुम होने का मामला दर्ज कराया गया है. वह वहां पर एल एन्ड टी कंपनी में भोगापुरम में एक लोकल ठीकेदार के माध्यम से सुपरवाइजर के पद पर काम करता था.

हृदयगति रुकने से पूर्व मुखिया का निधन

रमना। मड़वनिया पंचायत की पूर्व मुखिया सुशीला देवी (65 वर्ष) का निधन बुधवार की सुबह हृ्दयगति रुक जाने के कारण हो गयी. वह 2010 से 2015 तक मुखिया रही थी. उनका अंतिम संस्कार स्थानीय लौंगा नदी तट पर किया गया. मुखाग्नि पति उदय नारायण सिंह ने दी. इधर सुशीला देवी के असमायिक निधन पर पूर्व विधायक अनंत प्रताप देव, झामुमो नेता ताहिर अंसारी, जिप अध्यक्ष शांति देवी, प्रमुख करुणा सोनी, मुखिया स्वीटी वर्मा, पूर्व प्रमुख मृत्युंजय सिंह सहित कई लोगों ने गहरी संवेदना प्रकट की है.

पलामू में अलम व ताजिया के साथ निकाला जुलूस,उमड़ी लोगों की भीड़

इस्लाम जिंदा होता है कर्बला के बाद...

संवाददाता। मेदिनीनगर

- शांतिपूर्ण संपन्न हुआ मुहर्रम
- खिलाड़ियों ने दिखाए करतब
- जुलूस देखने उमड़ी लोगों की भीड़

मातम का पर्व मुहर्रम बुधवार को दसवीं तारीख के दिन अंतिम पहलाम के साथ संपन्न हो गया. दिन में बस जिंदगी भर या हुसैन, हक हुसैन मौला हुसैन और या हुसैन या अली के नारों से बुलंद करते हुए मुहर्रम के जुलूस निकला. मेदिनीनगर शहर समेत पूरे पलामू जिले में अलम, प्रोसेशन और ताजिया के साथ मुहर्रम का जुलूस शांतिपूर्वक निकाला गया, जिसका शाहपुर से मिलन के बाद संपन्न हुआ. जुलूस पहाड़ी मुहल्ला स्थित कर्बला से शुरू की गई, जो शाह मुहल्ला, कन्नी राम चौक, सत्तार सेठ चौक, विष्णु मंदिर, दाल पट्टी, घाड़ा पट्टी, जैन मुदिर रोड़, पंच मुहान होते हुए छह मुहान पहुँचा. छः मुहान से चलकर शिवाला घाट पहुँचा जहां मेदिनीनगर और शाहपुर के अलम का मिलान कोयल नदी तट पर हुआ. यहां हुसैनी जज्बा के साथ हुसैनी भाइयों ने खूब मातम किये. जुलूस मिलान के बाद शिवाला घाट होते हुए बम पटाखा मोड, घास पट्टी, कन्नी राम चौक, शाह मुहल्ला होते हुए पहाड़ी मुहल्ला स्थित कर्बला के मैदान पहुँच कर संपन्न हो गया. मौके पर कर्बला हुसैन कमेटी, नूरे हुसैन कमेटी, इब्ने अली हुसैन कमेटी, इस्लामिया नौजवान हवारी कमेटी, अहले सुन्नत मदीना कमेटी, शहीदे हुसैन कमेटी, मन्नते हुसैन कमेटी, इस्लामियां कमेटी, मिल्लते इस्लामिया कमिटियों, नव जवान कमेटी (सब्जी मार्केट), शान ए हुसैन कमेटी समेत कई कमिटियां शामिल थी. मौके पर मुहर्रम इंतेजामिया कमेटी के जेनरल खलीफा जीशान खान, अंजुमन इस्लाहुल मुस्लिमिन के पलामू सदर मुस्तफा कमाल, पूर्व जेनरल इस राइल आजाद उर्फ मिंटू, असगर हुसैन, मो. नेयाजु, जेएमएम जिला सचिव सन्नु सिद्दीकी, ईमाम राइन, मुन्ना खान, मासूम अंसारी, पिंटू राइन, राशिद बक्शी, सोनू खान, बंटी राइन, राजन, रौशन रिज़वान, अनवर अंसारी, जफर महबूब, तौसिफ कमर, तालिब खान, सालिक जेया समेत हजारों के तादाद में लोग उपस्थित थे. जुलूस का स्वागत में कई संस्थाओ ने स्टॉल लगाकर खिचड़ी, पानी, शरबत, खीर समेत कई अन्य चीज़े वितरण किया.

जुलूस में शामिल सबसे सुंदर ताजिया को बनाने वाली कमेटी को किया गया सम्मानित.

भाई बिगहा इमामबाड़ा बड़की चौकी का हुआ मिलान

हुसैनाबाद (पलामू)। हैदरनगर के भाई बिगहा इमामबाड़ा के समीप बड़की चौकी की मिलनी हुई, इसे देखने भारी संख्या में लोग पहुंचे, मिलनी के बाद इमामबाड़ा में मजलिस का आयोजन किया गया. मजलिस में शहीद ए करबला पर विस्तृत चर्चा हुई, मिलनी के पूर्व लाठी डंडा का परंपरागत खेल का प्रदर्शन भी लोगों ने किया. मिलनी का मुख्य आकर्षण बाजार की पहलवानी और भाई बिगहा की चिरागन सिपर रहती है. पहलवानी सिपर स्व रामरत्न साव के आवासीय परिसर स्थित चौक पर रखी जाती है, जबकि चिरागन सिपर भाई बिगहा स्थित अंसारी मुहल्का के चौक पर रहती है.

मुहर्रम पर ग्रामीण क्षेत्रों में अखाड़ों ने निकाला ताजिया

लातेहार। हसन व हुसैन की याद पर मनाये जाने वाले मुहर्रम पर्व के मौके पर डुरूआ समेंत विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों के अखाड़ों के द्वारा ताजिये निकाले गये एवं मातम मनाया गया. अखाड़ों के अकीदमंदों ने या हुसैन या अली का नारा बुलंद किया. ग्रामीण क्षेत्रों में बुधवार को विभिन्न अखाड़ों से सुबह से ही ताजिया निकला प्रारंभ हो गया था. ताजियों को आकर्षक ढंग से सजाया गया था. इस दौरान विभिन्न चौक चौराहों पर करतब भी दिखाये गये. रेलवे स्टेशन क्षेत्र के डुरूआ में आकर्षक ताजिया निकाली गयी. नवरंग चौक में ताजियों का मिलान हुआ. यहां पारंपरिक डंडा व तलरवाजी की गयी. मौके पर आफताब खान, रब्बानी हुसैन, आरिफ खान, गुलफाम, रजा खान, अजीत सौदागर के अलावा ललित पांडेय व पंकज तिवारी आदि उपस्थित थे. इस दौरान काफी संख्या में लोग ताजिया के साथ जुलूस में शामिल हुए. चौपाल पर मुहर्रम इंतजामिया कमेटी के द्वारा मुख्य अतिथि विधायक रामचंद्र सिंह, एसडीपीओ वेंकटेश कुमार, बीडीओ रेशमा रेखा मिंज,सीओ मनोज कुमार, थाना प्रभारी राधेश्याम कुमार, कांग्रेस के स्टेट को-ऑर्डिनेटर विजय बहादुर सिंह सहित कई लोगों को पगड़ीपोशी कर सम्मानित किया गया.

लातेहार शहर में आज निकलेगी ताजिया व जुलूस

मनिका विधायक ने समस्या के समाधान का भरोसा दिया

कार्यक्रम स्थल पर संबोधित करते मनिका के विधायक रामचंद्र सिंह.

संवाददाता। लातेहार

विस्थापित-प्रभावित मगध ट्रक ऑनर एसोसिएशन के द्वारा भाड़ा वृद्धि की मांग को अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल किया जा रहा है. मंगलवार की देर शाम मनिका विधायक रामचंद्र सिंह कार्यक्रम स्थल पहुंचे. उन्होंने ट्रक ऑनरों की समस्याओं का सुना एवं उसका निराकरण करने का भरोसा दिया. उन्होंने कहा कि ट्रक ऑनरों की मांगों पर विचार किया जाना चाहिए. विधायक ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के संज्ञान में मांगों को लाने की बात कही. कहा कि अगर जरूरत पड़ेगी तो ट्रक ऑनर के एक प्रतिनिधि मंडल को मुख्यमंत्री से वार्ता के लिए आमंत्रित किया जायेगा. मौके पर ट्रक ऑनर एसोसिएशन के सदस्यों ने एक मांग पत्र सौंपा विधायक को सौंपा और इस मामले को विधानसभा सत्र में उठाने की मांग की.

लोकतांत्रिक पार्टी है भाजपा: रामाशीष

संवाददाता। उंटारी रोड(पलामू)

भाजपा के एक-एक कार्यकर्ता पूरी निष्ठा के साथ संगठन के अंत्योदय और समाजकल्याण के उद्देश्य को पूरा करने के लिए समर्पित रहते हैं. यही वजह है कि लोकतांत्रिक तरीके से संगठन छोटे कार्यकर्ता को भी विधायक - सांसद बनने का अवसर देती है.उक्त बातें युवा समाजसेवी एवं भाजपा नेता रामाशीष यादव ने अपने बिश्रामपुर विधानसभा क्षेत्र भ्रमण के दौरान उंटारी रोड प्रखंड के सिरहा में आयोजित सामूहिक बैठक में लोगों को संबोधित करते हुए कहा. बुधवार को उनके पैतृक आवास पर बिश्रामपुर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न प्रखंडों से आए उपस्थित जनसमूह के समक्ष उन्होंने क्षेत्र की समस्याओं और मूलभूत सुविधाओं को लेकर संवाद किया. साथ ही आगामी झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर सबों से विचार विमर्श किया. श्री यादव ने अपने संबोधन के दौरान कहा कि जिस माटी ने जन्म दिया, काबिल बनाया, उसका कर्ज चुकाने की बारी आ गयी है. क्षेत्र की समस्याओं को लेकर स्थानीय प्रतिनिधियों एवं प्रमुख लोगों का लगातार संपर्क ने मुझे प्रभावित किया है. अब वक्त आ गया है लोगों की विश्वास और उम्मीदों को पूरा करने का. रामशीष यादव के साथ इस सामूहिक संवाद में बिश्रामपुर विधानसभा क्षेत्र के सभी सात प्रखंड के सैकड़ों लोग उपस्थित रहे. इस दौरान श्री यादव ने उपस्थित सभी लोगों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया. सभा में अविनाश प्रभाकर, शिवनाथ यादव, गोपाल चौधरी, संतोष राम, नंद रजवार, जितेंद्र मेहता, शैलेश पांडेय, सुनील चौधरी, श्याम बिहारी राम, सत्यनारायण पासवान, राजेन्द्र शर्मा, कमलेश यादव, अखिलेश यादव, गोविंद चौध, उमेश चौधरी, अनिल पासवान, अरुण गुप्ता, गौरव कुमार, शिवशंकर चौधरी समेत सैकड़ों की संख्या में आम जनमानस उपस्थित रहे.

सिडहा स्थित आवास पर लोगों को संबोधित करते रामाशीष.

खास बातें

- सिडहा स्थित आवास पर भाजपा नेता साथ किया संवाद
- पार्टी टिकट देगी तो विश्रामपुर विधानसभा से चुनाव लडेंगे रामाशीष

समस्या इलाज कराने आनेवाली ग्रामीण महिला मरीजों को हो रही है परेशानी

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में महिला चिकित्सक नहीं

संवाददाता। हरिहरगंज

झारखंड प्रदेश के पलामू जिले का हरिहरगंज प्रखंड एक ऐसा पिछड़ा हुआ क्षेत्र है जहां के लोग आजादी के इतने दिनों बाद भी समुचित विकास को तरस रहे हैं. यहां स्वास्थ्य सुविधाओं की घोर कमी है. अस्पताल है तो योग्य चिकित्सक नही, स्कूल है तो स्थाई हेडमास्टर और अपेक्षित संख्या में योग्य शिक्षक नहीं. इसके लिए कई बार मांग भी की गई किंतु अभी तक किसी ने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया. जिस वजह से 30 बेड की क्षमता वाले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लेडीज डॉक्टर पदस्थापित नहीं रहने से महिला मरीजों को एक साथ कई तरह की मुश्किलों का सामना करना पड़ता है.

शहरी क्षेत्र और सूदूरवर्ती इलाकों के कई गणमान्य व्यक्तियों का कहना है कि लेडीज डॉक्टर के अभाव में महिला रोगियों को इलाज के दौरान काफी परेशानी होती है. लोक लाज के कारण महिला रोगी अपने रोग को पुरुष डॉक्टर से अपनी बीमारी की सम्पूर्ण जानकारी साझा करने से कतराती हैं. इस वजह से उनके रोगों का समुचित इलाज नहीं हो पाता है. इस परिस्थिति में रोग से ग्रसित महिला मरीजों को इलाज के लिए औरंगाबाद, डेहरी, सासाराम, मेदनीनगर या अन्य जगह पर जाने की विवशता बनीं रहती है. इस हाल में उनके अभिभावकों पर एक ओर जहां आर्थिक बोझ बढ़ जाता है. वहीं दूसरी ओर उन्हें एक साथ कई मुश्किलें भी झेलने पड़ते हैं. शहरवासी निरंजन गुप्ता, पवन कुमार, छोटेलाल, रंजीत कुमार ने कहा कि विभागीय अधिकारियों और जन प्रतिनिधियों की नाकारात्मक सोंच के कारण आज भी हरिहरगंज में महिला चिकित्सक की पदस्थापना नहीं होना दुर्भाग्य की बात है.उन्होंने पलामू सांसद, हुसैनाबाद हरिहरगंज के विधायक से अविलंब जनहित में लेडीज डॉक्टर की पदस्थापन कराने मांग की है.

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हरिहरगंज

खास बातें

- जानकारी साझा करने में हिचकती हैं महिलाएं
- पुरुष चिकित्सकों से इलाज कराने में आ रही परेशानी

दो प्रखंडों पेड़ से झूलता मिला युवक और महिला का शव

चंदवा/ मनिका। चंदवा व मनिका थाना क्षेत्र में पेड़ से झूलता एक युवक व एक महिला का शव बरामद किया गया है. चंदवा थाना क्षेत्र के माल्हन पंचायत के देव नदिया नदी के किनारे महुआ के पेड़ से झूलता हुआ एक युवक का शव बरामद किया गया है. शव की अभी तक शिनाख्त नहीं हो पायी है. शव मिलने की सूचना पर स्थानीय चंदवा थाना की पुलिस घटना स्थल पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल लातेहार भेजा. कुछ चरवाहों ने दिन के दो-ढाई बजे उसे क्षेत्र में घुमता देखा था. शव के उपर पीले रंग का टी शर्ट व काले रंग का ट्रैकशूट है. शव की शिनाख्त नहीं हो पायी है. वहीं मनिका थाना क्षेत्र के सधवाडीह गांव के पंडरापानी जंगल के पास से बुधवार को एक अज्ञात महिला का शव एक पेड़ से झूलता बरामद किया गया है.

आज देवघर के खिजुरिया के लिए रवाना होगा कावंरिया सेवा दल

संवाददाता। लातेहार

आलोक मोहन सेवा स्मृति आश्रम के तत्वावधान में देवघर मार्ग के खिजुरिया ग्राम में प्रसिद्ध श्रावणी मेला में आने वाले कांवरियों की सेवा करने के लिए शिविर लगाया जायेगा. इस शिविर के लिए 50 सदस्यीय कावंरिया सेवा दल का जत्था 18 जुलाई को देवघर खिजुरिया के लिए रवाना होगी. इस आशय की जानकारी संस्थान के संस्थापक रामनाथ अग्रवाल व संयोजक श्याम किशोर अग्रवाल ने दी. उन्होने बताया कि शिक्षा मंत्री बैद्यनाथ राम व सांसद कालीचरण सिंह जत्था को रवाना करेगें. इस मौके पर उपायुक्त गरिमा सिंह व एसपी अंजनी अंजन भी लेगें. श्री अग्रवाल ने बताया कि आलोक मोहन स्मृति सेवा संस्थान के द्वारा विगत 11 सालों से देवघर मार्ग के खिजुरिया में कावंरियों की सेवा के लिए निःशुल्क शिविर लगायी जा रही है. इस शिविर में कांवरियों के लिए मुफ्त मेडिकल कैंप, अल्पहार व खाना तथा ठहरने की व्यवस्था की जाती है. यहां तक कि उन्हें पतंजलि के योगाचार्यों के द्वारा योग व विशेषज्ञ वैद्यों के द्वारा दवाइयां भी दी जाती है.

खास बातें

- शिक्षा मंत्री बैद्यनाथ राम व सांसद कालीचरण सिंह करेगें रवाना
- उपायुक्त और एसपी भी लेंगें भाग

ब्रीफ खबरें

प्राथमिक शिक्षक संघर्ष मोर्चा कल करेगा प्रदर्शन

लोहरदगा। लोहरदगा जिला झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ अपनी मांगों को लेकर 20 जुलाई को समाहरणालय मैदान में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन करेंगे. उक्त जानकारी जिला सचिव मोहम्मद असलम ने दी. उन्होंने कहा कि जिले के सभी शिक्षकों और सहायक अध्यापक व जिले के सभी शिक्षक संगठन अपनी लंबित प्रोन्नति रोके रखने के विरोध में विभाग और जिला प्रशासन पर दबाव बनाने कार्यक्रम में शामिल होंगे. कार्यक्रम में अपनी शिक्षक एकता एवं चट्टानी एकता का परिचय देते हुए प्रदर्शन स्थल पर कूद पड़ें.

22 से हड़ताल पर जाएंगे मनरेगा कर्मी

भरनो। भरनो प्रखंड के सभी मनरेगा कर्मी स्थायीकरण और ग्रेड पे वेतन भुगतान की मांग को लेकर 18 जुलाई से 20 जुलाई तक मनरेगा का कार्य स्थगित करते हुए तीन दिवसीय सांकेतिक हड़ताल पर रहेंगे . साथ ही 31 जुलाई को राज्य के सभी जिलों में मशाल जुलूस निकाल कर सरकार का विरोध प्रदर्शन करेंगे . 22 जुलाई को पूरे राज्य के मनरेगा कर्मी अनिश्चित कालीन हड़ताल पर चले जायेंगे . उक्त आशय की जानकारी मनरेगा कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष शिवदेव लोहरा ने दी है .

अनुसचिवीय कर्मचारी 22 से बेमियादी हड़ताल पर

गुमला। झारखंड अनुसचिवीय कर्मचारी संघ ने पूर्व में घोषित कार्यक्रम के तहत नौ सूत्री मांग की पूर्ति के लिए मंगलवार को सभी ब्लॉक व अंचल कार्यालय और उपायुक्त के कार्यालय में कार्यरत सभी लिपिक,अनुसेवक व कम्प्यूटर ऑपरेटर द्वारा काला बिल्ला लगा कर सरकारी कार्य निष्पादित किया गया. सभी कर्मियों ने अपने मांगों की पूर्ति नही किये जाने पर सरकार के विरुद्ध रोष जताया. संघ के नेताओं ने बताया कि 9 सूत्री मांगो के पूरा नहीं होने पर 18 जुलाई को अपराह्न 2 बजे से पांच बजे तक पेन डाउन और 20 जुलाई को उपायुक्त सौंपते हुए संध्या में कैंडल मार्च कर निकालेंगे. वहीं 22 हीं जुलाई से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की धमकी दी है.

भरनो में शिक्षा विभाग की कार्यशाला 19 को

भरनो। शिक्षा विभाग द्वारा प्रखंड के बालिका मध्य विद्यालय में स्कूल रूआर 2024 कार्यक्रम (बैक टू स्कूल कैंपेन) के तहत 19 जुलाई को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा. उक्त आशय की जानकारी बीईईओ किरण कुमारी और बीपीओ शमीम एजाज ने दी.उन्होने इस कार्यक्रम में भाग लेने की प्रखंड के सभी स्कूलों के प्रधान शिक्षकों और शिक्षाकर्मियों से की है.

भाभी का हत्यार देवर गिरफ्तार, गया जेल

श्री बंशीधर नगर (गढ़वा)। श्री बंशीधर नगर थाने की पुलिस ने गत दिनों थाना क्षेत्र के कुंबाखुर्द गांव के अमरसरई टोला में हुई महिला हत्याकांड के मुख्य आरोपी विजय उरांव को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है. इसकी जानकारी एसडीपीओ सत्येन्द्र नारायण सिंह ने दी. वे बुधवार को नगर ऊंटारी थाना में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे. उन्होंने बताया की महिला हत्या के मुख्य आरोपी विजय उरांव की गिरफ्तारी उत्तर प्रदेश के विंढमगंज से की गई है. उसने 12 जुलाई को जमीन विवाद में अपनी भाभी रीना देवी की हत्या टांगी से काटकर कर दी थी. हत्या के बाद वह फरार हो गया था.

घुरती रथ मेला में उमड़ी भीड़, लोगों ने की खरीदारी, किया महाप्रभु के दर्शन

अपने धाम लौटे भगवान जगन्नाथ, बलभद्र व बहन सुभद्रा

संवाददाता। लोहरदगा

मौसीबाड़ी से भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा बुधवार को रथ पर सवार हो कर अपने धाम लौट गए. भगवान को मौसीबाड़ी से ठाकुरबाड़ी तक पहुंचाने को लेकर भक्तों में एक होड़ नजर आई. लोहरदगा शहरी क्षेत्र में भगवान का रथ खींचने और भगवान को ठाकुरबाड़ी तक पहुंचाने को लेकर श्रद्धालु उत्साहित नजर आए. लोगों ने भगवान के दर्शन कर प्रसाद ग्रहण किया. लोहरदगा के ठाकुरबाड़ी, तिवारी दूरा और तेतरतर मंदिर में रथ यात्रा का आयोजन किया जाता है. घुरती रथ यात्रा के मौके पर भगवान के दर्शन को लेकर लोगों में एक उत्सुकता दिखाई दी. सुबह से ही लोग भगवान के दर्शन को लेकर उत्साहित थे. शहर के ईस्ट गोला रोड स्थित मौसीबाड़ी में मंगलवार की रात भव्य भंडारा का आयोजन भी किया गया था. भंडारे में आने वाले श्रद्धालुओं को प्रसाद दे कर उन्हें भगवान के आशीर्वाद का अवसर प्रदान किया. घुरती रथ यात्रा के साथ ही रथ यात्रा मेला का समापन हो गया है.महिला-पुरूष और युवाओं में रथ यात्रा मेला को लेकर एक उत्साह का संचार दिखाई दिया. लोगों ने भगवान के दर्शन कर अपने परिवार की सुख-समृद्धि को लेकर प्रार्थना की.

घुरती रथ को मंदिर लाते श्रद्धालु.

भंडरा का ऐतिहासिक घुरती रथयात्रा संपन्न

भंडरा /लोहरदगा। भंडरा का सुप्रसिद्ध ऐतिहासिक रथ यात्रा का घूरती रथ यात्रा के साथ कार्यक्रम हुआ समापन . भंडरा का ऐतिहासिक रथ यात्रा एक सप्ताह घूरती रथ तक चलता है जहां धूमधाम से कार्यक्रम मेला दुकानें और झूला इत्यादि का आयोजन किया जाता है . भंडरा प्रखंड प्रशासन के सहयोग से रथ यात्रा से घूरती रथ यात्रा शांतिपूर्ण हुआ संपन्न . भंडरा में हजारों की भीड़ रोज सप्ताह भर आकर मेला झूला इत्यादि का आनंद लिया जाता रहा है,घूरती रथ यात्रा में भी हजारों लोगों ने भाग लिया और कार्यक्रम को शांतिपूर्ण संपन्न कराने में पूजा समिति स्थानीय गण मान्य लोगों के साथ आम जनता की सराहनीय भागीदारी रही है. थाना प्रभारी अरविंद सिंह, बीडीओ प्रतिमा कुमारी,सीओ दुर्गा कुमार, राधा मोहन शर्मा, किशोरी मोहन शर्मा , ईश्वरी मोहन शर्मा, लोकेश दुबे , आनंद दुबे आदि शामिल थे.

लोहरदगा के सभी प्रखंडों में शांति व सद्भाव के साथ निकला मुहर्रम का जुलूस

या अली.. या हुसैन...के नारों से गूंजा लोहरदगा

- हम सबको हमेशा सच्चाई के मार्ग पर चलना चाहिए : रत्नेश मनोहर ठाकुर
- रहती दुनिया तक कायम रहेगा इमाम ए हुसैन का नाम : अब्दुल रउफ अंसारी

संवाददाता। लोहरदगा

त्याग व बलिदान का त्यौहार मुहर्रम लोहरदगा जिला में शांति एवं सद्भाव के साथ मनाया गया. इस अवसर पर लोहरदगा नगर क्षेत्र में जोशो-खरोश के साथ पारंपरिक हथियारों के साथ मुहर्रम का जुलूस निकाला गया. विभिन्न मुहल्लों के अखाड़े और जुलूस सर्वप्रथम जामा मस्जिद के समीप एकत्रित हुए. जिसके बाद अंजुमन इस्लामिया के सदर अब्दुल रउफ अंसारी, सचिव सैयद शाहिद अहमद बेलू, नाजिम ए आला हाजी अब्दुल जब्बार, कोषाध्यक्ष फिरोज शाह, थाना प्रभारी इंस्पेक्टर रत्नेश मनोहर ठाकुर, सहसचिव अल्ताफ कुरैशी, अनवर अंसारी, दानिश अली, पूर्व सहसचिव मोजम्मिल अंसारी, सरवर खान, सिराज अंसारी आदि के द्वारा सभी अखाड़ों का स्वागत किया गया. मौके पर थाना प्रभारी श्री ठाकुर ने कहा कि मुहर्रम हमें असत्य पर सत्य की जीत का संदेश देता है. इसलिए हम सबको जीवन में हमेशा सच्चाई के मार्ग पर चलना चाहिए. साथ ही असत्य व हिंसा के विरुद्ध हमेशा आवाज उठानी चाहिए. अंजुमन इस्लामिया के अध्यक्ष अब्दुल रउफ अंसारी ने कहा कि रहती दुनिया तक इमाम ए हुसैन का नाम पूरी दुनिया में कायम रहेगा. इमामे हुसैन ने अपने खून से इस्लाम को सींचा है. इमाम ए हुसैन की शहादत हमें संदेश देता है कि बुराई करने वाला व्यक्ति चाहे जितना भी बड़ा क्यों ना हो कभी उसके सामने सर ना झुकाएं, बल्कि उसकी बुराई के खिलाफ आवाज उठाएं. मौके पर

अबरार कुरेशी, जाहिद अहमद, सुभान अंसारी, मुमताज अंसारी, मुनीरउद्दीन अंसारी, खादिम खान, इकबाल खान, असगर अंसारी आदि मौजूद थे. तत्पश्चात अंजुमन इस्लामिया व केन्द्रीय मुहर्रम कमेटी के नेतृत्व में विभिन्न मोहल्लों से आए अखाड़े जुलूस की शक्ल में शहर में भ्रमण किया. इस दौरान शहीदे कर्बला की याद में लोगों ने जमकर नारे लगाए. इमामे हुसैन जिंदाबाद, इमामे हसन जिंदाबाद, शहीदाने करबला जिंदाबाद के नारे लगाए गए तथा शहीदे कर्बला की याद में कलाम गाए गए. साथ ही विभिन्न मोहल्लों के अखाड़ों के द्वारा हैरतअंगेज करतब भी दिखाए गए. वहीं विभिन्न मोहल्लों से निकले जुलूस में मोहर्रम को लेकर झांकी भी बनाई गई थी. तथा अखाड़ों के द्वारा जगह-जगह रुककर करतब भी दिखाए जा रहे थे. जुलूस में मुख्य रूप से कुरैशी मोहल्ला, थाना टोली, बूचन गली, न्यू रोड, अमला टोली, मिल्लत कॉलोनी, इस्लामनगर, राहत नगर, तैगी नगर, बांग्ला आजाद बस्ती, पावर गंज, अंजुमन मोहल्ला, करचा टोली, जुरिया, निंगनी गंगू पारा सहित विभिन्न मोहल्लों के जुलूस शामिल थे. जुलूस को लेकर जिला प्रशासन भी सतर्क नजर आई. उपायुक्त सह जिलाधिकारी दंडाधिकारी डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण, पुलिस कप्तान हारिस बिन जमां निर्देश पर संवेदनशील जगहों पर भारी संख्या में पुलिस बल व दंडाधिकारी की तैनाती की गई थी. कई जगहों पर बैरिकेडिंग कर यातायात को नियंत्रण किया गया था. जुलूस के दौरान पुलिस प्रशासन के लोग मुस्तैदी से तैनात रहे. एसडीओ अमित कुमार, नगर परिषद प्रशासक जयपाल सिंह, एसडीपीओ श्रद्धा केरकेट्टा, डीएसपी समीर तिर्की के नेतृत्व व निदेशन में सदर सीओ, बीडीओ, इंस्पेक्टर व सुरक्षा के जवान विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण करते रहे.

लोहरदगा में मुहर्रम के जुलूस में लाठी का खेल दिखाते लोग व जुटी भीड़.

किस्को में मुहर्रम के जुलूस में उमड़ी भीड़

किस्को। किस्को प्रखंड के किस्को, नारी नवाडीह धुर्वा मोड़, हिसरी एंव चरहु में बुधवार को दोपहर हजरत इमाम हसन एवं हजरत इमाम हुसैन की शहादत की याद में मुहर्रम त्योहार के मौके पर शांतिपूर्वक ढंग हुसैनी जुलूस निकाला गया. जुलूस में हजरत इमाम हसन और हुसैन के शान में नारा लगाकर उन्हें याद किया. साथ ही कहा गया क़त्ल-ए-हुसैन अस्ल में मर्ग-ए-यज़ीद है इस्लाम ज़िंदा होता है हर कर्बला के बाद. इस मौके किस्को में विभिन्न गांव से जुलूस निकालकर इमाम बाड़ा पहुंचे, जहां अस्त्र शास्त्र चालन का आयोजन किया गया. जहां बेहतर प्रदर्शन करने वाले अखाड़ों को सम्मानित किया गया. साथ ही मेले का भी आयोजन किया गया.

केतार में मुहर्रम पर निकाला गया ताजिया

केतार। मुहर्रम को लेकर बेलाबार, नावाडीह सहित केतार प्रखंड मुख्यालय में मुस्लिम समुदाय की ओर से ताजिया जुलूस निकाला गया. जुलूस में झंडे के साथ भारतीय तिरंगे झंडे को मुस्लिम समुदाय के युवाओ ने बड़े शान के साथ तिरंगे झंडे को लहराते हुए देखे गए. ताजिया जुलूस में भारी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने भाग लिया. अनजुमन इस्लामिया कमिटी के लोगों ने बताया कि इमाम हसन हुसैन की याद में ताजिया जुलूस निकाली जाती है. मौके पर मजिस्ट्रेट नागेंद्र पाठक, जेई अमर भारती, समाजसेवी अजय वर्मा, मुखिया मूंगा साह, मुखिया प्रमोद प्रसाद, मनोरंजन गुप्ता, अली हुसैन, इम्तियाज आलम, अल्ताफ अंसारी, जसमुदीन अंसारी, समीम अंसारी, हकीमुद्दीन अंसारी, मेराजुदीन अंसारी, साबिर अंसारी आदि लोग उपस्थित थे.

न्यूज अपडेट

ग्रामीणों ने श्रमदान कर सड़क मरम्मत की

लोहरदगा । जिले के किस्को प्रखंड के ग्राम पंचायत नवाडीह के नारी हरिजन मोहल्ला में वर्षों से जर्जर पड़ा सड़क को ट्रक एसोसिएशन के सचिव जफर इमाम व किस्को प्रखंड अध्यक्ष यूनुस अंसारी ने निजी खर्च से सड़क बनवाया है. नई हरिजन मोहल्ला का सड़क बरसों से जर्जर पड़ा था. जिसे मोहर्रम डालकर चलने के लायक बनाया गया .पिछले कई वर्षों से सड़क की स्थिति काफी जर्जा थी. लोगों का चलन मुहाल हो गया था. सड़क बन जाने के बाद ग्रामीणों में खुशी का माहौल है. मौके पर ट्रक एसोसिएशन के सचिव जफर इमाम ने कहा कि इस सड़क में लोगों को चलने में काफी परेशानी हो रही थी. खासकर स्कूली बच्चों को आवागमन करने में काफी समस्या होती थी.

सड़क मरम्मत करते लोग.

कुरीतियों के विरुद्ध कार्यशाला का आयोजन

सेन्हा/लोहरदगा। बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के तत्वावधान में प्रखंड स्तरीय जागरूकता कार्यशाला का आयोजन का आयोजन किया गया. डायन कुप्रथा,बाल विवाह प्रथा,भ्रूण हत्या तथा लिंग भेद विषयक को लेकर एक दिवसीय जागरुकता कार्यशाला का आयोजन प्रखंड सभागार सेन्हा में किया गया. कार्यशाला सह प्रशिक्षण आयोजित कार्यक्रम के दौरान अंचलाधिकारी सह सीडीपीओ राकेश कुमार तिवारी ने आंगनबाड़ी सेविका और सहायिकाओं को संबोधित करते हुए कहा कि डायन कुप्रथा,बाल विवाह प्रथा,भ्रूण हत्या और लिंग भेद कानून अपराध है. सेविका एवं सहायिका के माध्यम से समाजिक कुप्रथा और बुराइयों का रोक थाम के लिये ग्रामीण क्षेत्र में जागरुकता अभियान चलाया जा सकता है.

कार्यशाला में शामिल लोग

नागपुरी संस्कृति पर हो रहे अतिक्रमण पर जतायी चिंता

गुमला। नागपुरी लोक अखरा साहित्य सांस्कृतिक मंच और एशियन हेरिटेज फाउंडेशन की संयुक्त बैठक बुधवार को गुमला के सरनाटोली में रामनाथ साहु की अध्यक्षता में हुई. जिसमें पिछले सात जुलाई को करौंदी रथ यात्रा मेला में संपन्न सांस्कृतिक रंगारंग कार्यक्रम की समीक्षा की गई. बेहतर कार्यक्रम के लिए सभी कलाकारों को बधाई दी गई और खामियों को दूर करने पर बल दिया गया. पारंपरिक नागपुरी कला संस्कृति पर हो रहे अतिक्रमण पर चिंता जाहिर की गई और विरासत में मिले नागपुरी की परंपरा के संरक्षण और विकास पर चिंतन किया गया. बैठक में पंकज राम, रामनाथ साहु, रामेश्वर साहु, ब्रह्मदेव साहु, रजनी टेटे, गुंजो देवी, कुशमत सिंह आदि थे.

बैठक में शामिल लोग

कोलेबिरा में निकाला मुहर्रम का जुलूस,उमड़ी लोगों की भीड़

संवाददाता। सिमडेगा/कोलेबिरा

प्रखंड के कोलेबिरा में मुहर्रम पर्व के मौके पर नौजवान इस्लामिया मुहर्रम कमेटी बोम्बोटोली की ओर से जुलूस का आयोजन किया गया कार्यक्रम में झापा युवा नेता सन्देश एक्का शामिल हुए जहां पर नौजवान इस्लामिया मुहर्रम कमेटी की ओर से उनका स्वागत किया गया.इस दौरान मातमी जुलूस का आयोजन किया गया जहां पर हजारों की संख्या में लोग उपस्थित हुए. लोगों को संबोधित करते हुए युवा नेता ने कहा की हजरत इमाम हुसैन की शहादत की याद में मातम का पर्व मुहर्रम मनाया जाता है.61 वीं हिज़री तारीख-ए-इस्लाम में कर्बला की जंग हुई थी. इस जंग में इंसान के लिए और जुर्म के खिलाफ लड़ाई लड़ी गई.

गुमला पुलिस ने बाइक चोर गिरोह का किया उद्भेदन

नौ मोटरसाइकिल जब्त, दो गिरफ्तार

संवाददाता। गुमला

सिसई थाना क्षेत्र की अन्तर्गत बघनी गांव से चोरी का नौ मोटरसाइकिल बरामद कर पुलिस ने अंतरराज्यीय बाइक चोर गिरोह का उद्भेदन किया है. चार चोर में से पुलिस से दो चोर शहनवाज अंसारी ओर तेजारुल अंसारी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि रकिम अंसारी और शाहनवाज अंसारी की गिरफ्तारी के लिए छापामारी चल रही है.

एसडीपीओ सुरेश प्रसाद यादव ने सिसई थाना में प्रेस कांफ्रेस कर बताया कि बघनी निवासी शहनवाज अंसारी के पास चोरी की मोटरसाइकिल होने और फर्जी नंबर प्लेट लगाकर उपयोग किए जाने की पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी. जिसकी सत्यापन के लिए थाना प्रभारी संदीप कुमार यादव के नेतृत्व में बनी टीम ने बघनी में शहनवाज अंसारी के पास से फर्जी नंबर प्लेट का काला बाइक को जब्त किया और उसके निशानदेही पर रकीम अंसारी के घर से चार, साहब अंसारी के घर से तीन, तेजारुल अंसारी के घर से एक मोटरसाइकिल और फर्जी आरसी कार्ड बरामद कर जब्त किया गया. सिसई थाना में मामला दर्ज करने के बाद गिरफ्तार अभियुक्त शहनवाज और तेजारुल को पुलिस ने जेल भेज दिया.वहीं गिरोह के फरार दो अन्य सदस्यों की धर पकड़ के लिए पुलिस छापामारी कर रही है.

गिरफ्तार आरोपियों के बारे में जानकारी देते एसडीपीओ.

खास बातें

- गिरोह के चार सदस्यों में से दो मौके से हुए फरार
- चोरी की बाइक पर फर्जी नंबर प्लेट लगाकर करते थे प्रयोग

पुस्तकालय का डॉ मेहता ने किया शिलान्यास

मेदिनीनगर। पांकी विधायक डॉ कुशवाहा शशि भूषण मेहता ने नीलांबर पीतांबरपुर प्रखंड मुख्यालय में अंबेडकर स्मृति भवन सह पुस्तकालय का शिलान्यास किया. डा मेहता ने कहा कि बाबा साहब करोड़ो के दिल में बसने वाले है. इस प्रकार के लाइब्रेरी में पड़कर ही बाबा साहब आज हम लोग लिए आदर्श पुरुष हैं. उन्होंन कहा कि सामंती ताकत को जड़ से खत्म करना है. जिन्होने आपको और हमको जुबान दिया है, उनके नाम पर आगे कई काम होंगे. आने वाले समय में 500 लोगों के बीच संविधान का वितरण करेंगे. प्रमुख सुनील कुमार पासवान ने कहा कि जो 15 साल में नहीं हुआ तो 3 साल में विधायक ने करके दिखाया है. लाला प्रसाद यादव ने कहा कि पांकी विधायक विधानसभा क्षेत्र को सजाने और संवारने का काम कर रहे हैं. चेंबर अध्यक्ष छोटेलाल प्रसाद ने कहा कि पांकी विधायक हर वर्ग के लिए सोच रखते हैं. वीरेंद्र बौद्ध ने कहा कि संविधान बनाने वाले हमारे लोकप्रिय बाबा साहब थे.

किस्को प्रखंड के जनप्रतिनिधियों ने डीडीसी को सौंपा ज्ञापन

पंसस की सभी पूर्ण योजनाओं का कराया जाए पूरा भुगतान

संवाददाता। लोहरदगा

जिले के किस्को प्रखंड पंचायत समिति के द्वारा संचालित योजनाओं का पूर्ण होने के बावजूद भुगतान नहीं किए जाने की शिकायत प्रखंड जनप्रतिनिधियों ने डीडीसी से की. किस्को प्रखंड के प्रमुख सुचित्रा भगत व उप-प्रमुख गीता देवी सहित सभी जनप्रतिनिधियों ने डीडीसी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत को ज्ञापन सौंपा है. जिसमें कहा गया है कि किस्को प्रखंड में पंचायत समिति के द्वारा योजना पूर्ण कराने के बावजूद किस्को बीडीओ के द्वारा भुगतान नहीं किया जा रहा है.

सबसे खास बात तो यह है कि देढ़-दो वर्षों से लगभग सभी योजनाओं को पूर्ण किया हुआ हो गया है, परन्तु बीडीओ किस्को ने सप्लायर का मेटेरियल बिल नहीं चलेगा कहकर टाला जा रहा है. इससे पूर्व वही सप्लायर बिल के द्वारा सभी योजनाओं में भुगतान किया गया है. जनप्रतिनिधियों ने डीडीसी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत से अनुरोध किया है कि बीडीओ किस्को को पंचायत समिति की योजनाओं में भुगतान करवाने के लिए निर्देशित किया जाय. जनप्रतिनिधियों ने यह भी कहा कि चुनाव के दौरान दबाव बनाकर काम कराया गया. सीआरपीएफ बटालियन कैसे सेंटर में रहने का व्यवस्था के लिए शौचालय तथा नहाने का बाथरूम बनाया गया, बोला गया था कि तुरंत पेमेंट होगा. परंतु काम खत्म होने के बाद एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय में दौड़ाने का काम किया जा रहा है.

ज्ञापन सौंपने वाले प्रतिनिधियों में किस्को प्रखंड प्रमुख सुचित्रा भगत, उप प्रमुख गीता देवी, पंचायत समिति सदस्य बीरेंद्र उरांव, नौशाद अहमद, राजमनी कुमारी, मुसर्रत नाज, शांति भगत, राजमनी उरांव, सुनीता उरांव आदि शामिल थे.

डीडीसी को ज्ञापन सौंपते किस्को प्रखंड के जनप्रतिनिधि.

आयोजन 35वां क्षेत्रीय कबड्डी व खो-खो खेलकूद प्रतियोगिता का भव्य हुआ उद्घघाटन

वर्तमान में खेल भविष्य निर्माण का माध्यम है : नीरज कुमार

संवाददाता। लोहरदगा

35वीं क्षेत्रीय खो - खो कबड्डी प्रतियोगिता शील अग्रवाल विद्या मंदिर लोहरदगा के देख रेख मे किया गया . विदित हो कि बिहार क्षेत्र में तीन प्रांतीय समिति क्रमशः लोक शिक्षा समिति उत्तर बिहार भारती शिक्षा समिति दक्षिण बिहार एवं विद्या विकास समिति झारखंड से कुल 432 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं . क्रीडांगन में बल बुद्धि प्रदाता बजरंगबली के बीबी प्रतिष्ठापन के पश्चात भव्य उद्घघाटन के साथ प्रतियोगिता का श्री गणेश किया गया. उद्घघाटन समारोह के मुख्य अतिथि हिंडाल्को के मैनेजर नीरज कुमार थे. कुल प्रतिभागी 432 निर्णायक 37 पूर्ण कालिक 10 व्यवथापक 72अन्य 42 की संख्या के साथ कार्यक्रम का विधिवत् ध्वजारोहण एवं शंखनाद के साथ किया गया. मुख्य वक्ता क्षेत्रीय संगठन मंत्री ने कहा खेल अनुशासन के साथ चरित्र निर्माण का साधन है.मुख्य अतिथि नीरज कुमार ने कहा कि खेल भविष्य निर्माण का माध्यम है.अध्यक्ष शशिधर अग्रवाल के अध्यक्षीय उद्बोधन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ.परिचय शीला अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर लोहरदगा के प्रधानाचार्य विपिन कुमार दास एवं मंच संचालन विभाग प्रमुख अखिलेश कुमार ने किया. एकल गीत बहन आरुषि ने गाया.

कार्यक्रम में मुख्य रूप से क्षेत्रीय संगठन मंत्री खयाली राम, क्षेत्रीय सचिव नकुल कुमार शर्मा, विद्या विकास समिति के सचिव अजय कुमार तिवारी, भारती शिक्षा समिति के सचिव प्रदीप कुशवाहा ,संयोजक अजय प्रसाद, किनेश्वर महतो, कल्याण आश्रम के कृपा, राघव राणा, शिवशंकर, चंद्रशेखर प्रसाद, अखिलेश कुमार, सुरेश मंडल, कृष्ण प्रसाद, राजेश प्रसाद, विवेक नयन, वीरेन टुडू, फणीश्वर नाथ, विजय रंजन शीला अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर लोहरदगा, मनोहर लाल सरस्वती शिशु मंदिर एवं सुंदरी देवी सरस्वती शिशु मंदिर के समस्त आचार्य दीदीजी कर्मचारी बंधु भगिनी एवं बड़ी संख्या लोग उपस्थित थे.

प्रतियोगिता का उदघाटन करते अतिथि.

खास बातें

- खेल अनुशासन एवं चरित्र निर्माण का साधन है : ख्याली राम
- मुख्य अतिथि हिंडाल्को के मैनेजर नीरज कुमार थे

बच्चे को धक्का मारकर भाग रहे युवक को ग्रामीणों ने पकड़ा

कांडी(गढ़वा)। मझिआंव थाना के खरसोता में एक चार वर्षीय बच्चा को धक्का मारकर भाग रहा एक कार व एक युवक 10 किलोमीटर दूर कांडी थाना के देवडीह में ग्रामीणों ने पकड़ कर पुलिस को सुपुर्द कर दिया. घटना मंगलवार देर शाम की है. घटना के विषय में बताया जा रहा है कि स्विफ्ट डिजायर कार जो जपला से खरसोता की ओर आ रही थी उसी दौरान खरसोता तीन मुहान के पास सतीश चौधरी का एक चार साल का बच्चा हिमांशु कुमार अचानक गाड़ी के आगे आ गया जिससे एक पैर गाड़ी के धक्के से बुरी तरह जख्मी हो गया. कार चला रहा युवक गाड़ी को न रोककर गोसांग की ओर तेज गति से भाग गया. दस किलोमीटर दूर आ कर देवडीह गांव की संकीर्ण गलियों में गाड़ी को तेज गति से घुसा दिया.

डीआरडीए का जिप में विलय को लेकर बैठक 23 जुलाई को

संवाददाता। गुमला

केंद्र प्रायोजित डीआरडीए प्रशासन योजनाओं के बंद होने और जिला ग्रामीण विकास अभिकरण के जिला परिषद् में विलय के शासकीय फैसले के बाद वाली ऊहापोह की स्पष्टता व कर्मियों के समायोजन सहित अन्य अहम मुद्दों पर 23 जुलाई को विकास भवन के सभागार में बैठक आयोजित होगी.

डीआरडीए के शासी निकाय व कार्यकारिणी निकाय की बैठक में झारखंड सरकार के ग्रामीण विकास विभाग के सचिव के संकल्प संख्या 2076 के तहत डीआरडीए के जिला परिषद् में विलय के प्रावधान-शर्तो व समाहित करने की सहमती पर विस्तृत चर्चा होगी. 23जुलाई की पूर्वाह्न 11बजे से आरंभ होने वाली बैठक में पदाधिकारी-कर्मियों को ससमय उपस्थित रहने का आग्रह किया गया है. डीआरडीए के बंद होने के उपरांत राज्य सरकार ने ग्रामीण विकास के तहत संचालित योजनाओं के लिए जिला ग्रामीण विकास शाखा के गठन को स्वीकृति दी है.

खास बातें

- समाहित करने की सहमती पर विस्तृत चर्चा होगी
- डीआरडीए की योजनाएं जिला ग्रामीण विकास शाखा देखेगी

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत की स्वर्ण जयंती आयोजन समिति की ओर से आयोजित प्रबुद्धजन गोष्ठी में राष्ट्रीय संगठन मंत्री ने की अपील

स्थानीय दुकानदारों से सामान खरीदें और भ्रामक प्रचार से बचें ग्राहक

संवाददाता। हजारीबाग

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत की स्वर्ण जयंती आयोजन समिति की ओर से डीवीसी सभागार में आयोजित प्रबुद्धजन गोष्ठी में को संबोधित करते हुए ग्राहक पंचायत के राष्ट्रीय संगठन मंत्री दिनकर सबनीश ने स्थानीय दुकानदारों से समान खरीदने की अपील करते हुए भ्रामक प्रचार से बचने को कहा है. संगोष्ठी में पहुंचे विभिन्न क्षेत्रों के संगठन प्रमुख और प्रबुद्धजनों को ग्राहक पंचायत ने पिछले 50 साल में किए गए कार्य और आगामी योजना से भी अवगत कराया. दिनकर ने बताया कि 1974 में अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत की स्थापना हुई. देश के सभी प्रांतों में ग्राहक पंचायत का विस्तार है. ग्राहक किसी भी अर्थव्यवहार का केंद्र होता है, ग्राहक की अनुपस्थिति से विश्व के सभी आर्थिक व्यवहार ध्वस्त हो जाते हैं. ग्राहक ही टैक्स देकर राज्य की व्यवस्थाएं चलाता है. अतः ग्राहक

खास बातें

- कहा-पारिवारिक संरचना को नष्ट कर रहा उपभोक्तावाद
- खिलाड़ी-अभिनेता फैला रहे भ्रम, इससे ग्राहक रहें सावधान

बेचारा नहीं बल्कि अर्थव्यवस्था के प्रमुख घटक है. चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि डब्बा बंद वस्तुओं पर लिखी जाने वाली एमआरपी ग्राहकों को लूटने का बड़ा माध्यम है. इसमें उत्पादक, व्यापारी और सरकार तीनों शामिल हैं. स्थिति यह है कि गेंहू, आटा, दालें और लगभग सभी सामानों को पैक कर एमआरपी लिखकर बेचने की होड़ लगी है. इस दिशा में सरकार का न तो कोई कानून है, न ही कोई विभाग है, जो इस बात को देखें कि डब्बा बंद वस्तुओं पर उचित एमआरपी लिखी जाये. कहा कि उपभोक्तावाद के करण भारत में परिवार व्यवस्था ध्वस्त होने वाली है.

प्रबुद्धजन गोष्ठी में में पहुंचे विभिन्न क्षेत्रों के संगठन प्रमुख और प्रबुद्धजन

उपभोक्तावाद हमारी सांस्कृतिक और पारिवारिक संरचना को नष्ट कर रहा है और हम उसका शिकार होकर अनजाने में अपने समाजिक, पारिवारिक और सांस्कृतिक जीवन को पलीता लगा रहे हैं. हमारा प्रयास है कि ग्राहक इस बात को समझें, बाजारी ताकतों के षड्यंत्र से बचें, अपनी सांस्कृतिक, सामाजिक और पारिवारिक मूल्य जो उसकी बहुत बड़ी ताकत है, उसे नष्ट न होने दें.

उत्कृष्ट कार्य करने वाले सम्मानित : इस मौके पर समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित किया गया, जिनमें नीरज कुमार, मानव सेवा संस्थान, राजेश कुमार यादव, सचिव बाबा भूतनाथ मंडली न्यास, संजय कुमार, शिक्षक प्लस टू उच्च विद्यालय चरही, किशोरी राणा, नव झारखंड फाउंडेशन के केंद्रीय अध्यक्ष, रंजन चौधरी, सामाजिक कार्यकर्ता, डॉ. मुरारी सिंह, डा. सत्यप्रकाश, जीव जंतु सेवा, डॉ. रामजीत,पशु चिकित्सक, अरुण कुमार वर्मा, त्रिवेणी राणा, संजय तिवारी आदि शामिल रहे.

नव गठित जिला समिति : जिलाध्यक्ष गौरव सहाय, उपाध्यक्ष प्रेम प्रसाद राणा, शीला सिंह, सचिव बब्लु कुमार, विधि आयाम शुत्रुघ्न पांडेय, प्रचार आयाम दयानंद गुप्ता, महिला आयाम डा. नुतन कुमारी, के अलावा जिला कार्यकारिणी में संतोष यादव, देवनारायण प्रसाद, जागो यादव, देवेंद्र यादव, गौरव प्रकाश, महेंद्र राणा शामिल है. वहीं विशेष आमंत्रित सदस्य में किशोरी राणा, केंद्रीय अध्यक्ष नव झारखंड फाउंडेशन शामिल हैं. वहीं प्रखंड अध्यक्षों में इचाक से सौरभ कुमार मेहता, टाटीझरिया से संजय कुमार दास, सदर प्रखंड से योगेश कुमार, नगर क्षेत्र से रविकांत पांडेय शामिल हैं.

ग्राहकों को जागरूक होने का समय आ गया

प्रखंड सह प्रमुख रविकांत सिंह ने अंग्रेजों के आगमन और भारत में व्यवसाय की चर्चा करते हुए कहा कि हमारी समृद्ध परंपरा को नष्ट कर हमारे हाथों में प्लास्टिक और एल्यूमनियम पकड़ा दिया गया. यह हमारे शरीर और स्वास्थ्य दोनों को समाप्त कर रही है. ग्राहक को जागरूक होने का समय आ गया है. इससे डीवीसी के निदेशक संजय कुमार, राष्ट्रीय संगठन मंत्री, प्रखंड सह प्रमुख रविकांत उर्फ गोविंद सिंह, पतंजलि महिला योग समिति के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य शीला सिंह, प्रांत संगठन मंत्री शिवाजी क्रांति, आयोजन संयोजक मनोज गुप्ता व प्रांत सह मंत्री अरविंद राणा ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया. मंच का संचालन जिलाध्यक्ष गौरव सहाय ने किया. समारोह में संस्कार भारती के कुमार केशव, प्रांत मंत्री संगठन संजय श्रीवास्तव, आरएएस के गंगाधर दूब, भारत विकास परिषद के शैलेंद्र गुप्ता, धीरज राणा, डॉ. राजेंद्र मिस्त्री, चंद्रशेखर शर्मा, अरुण कुमार मेहता, किशोर सिन्हा, शिक्षक महेंद्र प्रसाद राणा, छत्री गोप, संजय कुमार मेहता, आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे.

ब्रीफ खबरें

पूर्व मुखिया समेत पांच के घर चिपका इश्तेहार

हजारीबाग। लोहसिंगना पुलिस ने पूर्व मुखिया समेत पांच वारंटियों के घर पर इश्तेहार चिपकाया है. लोहसिंगना थाना कांड संख्या 228/23 कांड के प्राथमिकी अभियुक्त अमित कुमार, रोहित कुमार, सुरज कुमार, चंदन कसेरा पूर्व मुखिया सभी अपने घर से फरार मिले. इस स्थिति में न्यायालय द्वारा निर्गत इश्तेहार को विधिवत अभियुक्त के घर एवं चौक-चोराहे पर चिपकाया गया.

अंचलाधिकारी ने अवैध बालू लदा ट्रैक्टर पकड़ा

केरेडारी। प्रखंड क्षेत्र के जोरदागचट्टी बरियातू में अंचलाधिकारी रामरतन बर्णवाल ने मंगलवार शाम को अवैध बालू कारोबार को लेकर छापामारी अभियान चलाया. इस दौरान उन्होंने कार्रवाई करते हुए केरेडारी प्रखंड मुख्यालय से 8 किलोमीटर दूर जोरदाग चट्टी बरियातू रोड में अवैध बालू लदा ट्रैक्टर पकड़ कर थाना लाया गया और प्राथमिकी दर्ज की गई. इसके बाद से अवैध बालू कारोबारियों में हड़कंप मचा हुआ है. वहीं अंचलाधिकारी ने पकड़े गए ट्रैक्टर मालिक पर प्राथमिकी दर्ज करने की बात कही है. वहीं अंचलाधिकारी ने कहा कि अवैध बालू का कारोबार कर रहे माफियाओं को बख्शा नहीं जाएगा. वहीं प्रत्येक दिन छापामारी अभियान जारी रहेगा. केरेडारी थाना प्रभारी अजीत कुमार ने पूछे जाने पर बताया कि बालू माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है.

प्रमुख ने किया जमीरा मंडा मेले का उद्घाटन

केरेडारी। केरेडारी प्रखंड के जमीरा में 15 दिवसीय मंडा मेला का आयोजन किया गया. इसका उद्घाटन प्रमुख सुनीता देवी के हाथों किया गया. 1952 से जारी इस मेले को हिंदू धर्म का एक विख्यात पर्व माना जाता है. इसको श्रद्धालु 15 दिन कड़े धूप में परिश्रम कर मनाते हैं. जमीर मंडा पूजा का मुख्य पुजारी धनेश्वर भुइयां बताते हैं कि मंडा पूजा आस्था का पर्व है. सभी श्रद्धालु श्रद्धा शक्ति के साथ पर्व मनाते हैं. इसमें सभी श्रद्धालुओं को धधकती आग में चलना होता है. प्रमुख ने कहा कि पूजा पाठ से वातावरण शुद्ध होता है.

छड़ा मेले में रंग-बिरंगी ताजिया और निशान लेकर पहुंचे 35 गांवों के लोग

छिटपुट घटनाओं के बीच शांति से मना मुहर्रम

छोटे-छोटे बच्चों ने लाठी खेल व करतब दिखाकर मौजूद लोगों को किया आकर्षित

रंजना कुमारी। हजारीबाग

जिले में छिटपुट घटनाओं के बीच मुहर्रम का पर्व शांतिपूर्ण तरीके से बुधवार को मनाया गया. छड़ा मैदान में 35 गांव से लोग रंग-बिरंगी ताजिया और निशान लेकर पहुंचे. ढोल-बाजे के बीच स्कूली बच्चों ने भी लाठी का खेल दिखाया. बता दें कि छड़ा मैदान में पिछले 100 वर्षों से मुहर्रम का मेला लग रहा है. इस मेले में लगभग दस हजार लोग शामिल हुए. इस दौरान जिला प्रशासन की ओर से एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड, बज्र वाहन की व्यवस्था की गई थी. साथ ही उपयुक्त नैंसी सहाय, पुलिस अधीक्षक अरविंद सिंह सहित अन्य पुलिस अधिकारियों के साथ पुलिस बल चौक चौराहे पर तैनात रहे.

वहीं बड़कागांव महुदी- सोनपुरा इलाके में मंगलवार को हिंसक झड़प हुई थी जिसमें कई लोग घायल हो गये थे. ये झड़प रामनवमी रूट के निर्धारण करने की मांग कर रहे लोगों और प्रशासन के बीच हुई थी. बुधवार को इस इलाके में मुहर्रम का जुलूस निकलना था जिसे शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू

महुदी- सोनपुरा इलाके में पसरा रहा सन्नाटा, दवा-बीज की दुकानें ही खुलीं

हजारीबाग में छड़ा मेले के लिए ले जाई जा रहीं रंग-बिरंगी ताजिया.

कर दी, जिसके बाद बड़कागांव मुख्य चौक, बड़कागांव-हजारीबाग रोड, बड़कागांव-टंडवा रोड, बड़कागांव- बादम रोड और दैनिक बाजार क्षेत्र में सन्नाटा पसरा रहा. तमाम दुकानें और स्टॉल बंद रहे. सड़कों पर इक्के दुक्के लोग ही नजर आए. केवल दवा और बीज की दुकानें ही खुली रहीं. दुकान बंद होने के कारण लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा. कई लोगों को जरूरत का सामान लेने के लिए होम डिलवरी का सहारा लेना पड़ा. एसडीपीओ कुलदीप कुमार, अंचलाधिकारी बालेश्वर राम, प्रखंड विकास पदाधिकारी जितेंद्र मंडल, थाना प्रभारी कुंदन कांत विमल समेत पुलिस के जवान पूरी तरह से मुस्तैद रहे, संबंधित क्षेत्रों में लगातार भ्रमण कर रहे. वहीं चौपारण, केरेडारी, कटकमसांडी, कटकमदाग, इचाक प्रखंड, बरही, बरकट्ठा , पदमा, चलकुशा, विष्णुगढ़, दारू, टाटी झरिया के अलावे चुरचू प्रखंड और चरही में भी शांतिपूर्ण तरीके से मुहर्रम का पर्व मनाया गया.

इमाम हुसैन की शहादत की याद में निकला जुलूस

रामगढ़। बरकाकाना क्षेत्र में बुधवार को मोहर्रम की दशमी को हजरत इमाम हुसैन की शहादत की याद में बरकाकाना, पीरी, मसमोहना, घुटूवा, डुडगी, केलुवापतरा, हेहल सहित अन्य क्षेत्रों से ताजिया और जुलूस निकाला गया, जिसमें भारी संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए. सभी मुख्य अखाड़ा घुटूवा थाना चौक पहुंचे, जहां सभी आखड़ों के खिलाड़ियों ने हैरतअंगेज करतब और खेल का प्रदर्शन किया. यहां से सभी आखड़ों के लोग नारेबाज़ी करते हुए देर रात अपने अपने कर्बला में पहुंचे, जहां जुलूस फ़ातिहाख्वानी के साथ संपन्न हो गया. मुख्य अखाड़ा की अध्यक्षता मिल्लते इस्लामिया मर्कज सदर हाजी ताहिर हुसैन, संचालन डॉ शाहनवाज़ खान और कयामुद्दीन अंसारी ने संयुक्त रूप से की. मौके पर ओपी प्रभारी मो अख्तर अली, मुखिया मोकिम आलम, वार्ड पार्षद बिनोद तिवारी, पंसस फरीद अंसारी, डॉ अफजल इब्राहिम, डॉ मनोज कुमार अगरिया,रमेश प्रसाद यादव, जीएस राय, मोईन खान, बिनोद महतो, प्रदीप करमाली, सुशील कुमार, अफताब आलम, पंचदेव करमाली, गोविंद बेदिया, हीरा गोप, नागेश्वर मुंडा, हरीरतनम साहु, प्रदीप बेदिया आदि शामिल थे.

85 प्रतिशत स्कूलों में तड़ित चालक नहीं, खतरे में बच्चे

प्रमोद उपाध्याय। हजारीबाग

शुभम संदेश पड़ताल

हजारीबाग जिले के अधिकांश स्कूलों में मंडरा रहा है वज्रपात का साया.

बरसात के मौसम में अक्सर झारखंड के विभिन्न स्थानों में वज्रपात का खतरा रहता है, क्योंकि झारखंड पहाड़ी क्षेत्र में आता है और यहां मॉनसून की बारिश के दौरान अक्सर वज्रपात होती है, जिसमें प्रत्येक वर्ष सैकड़ों लोगों की जान चली जाती है. ऐसे में सरकारी और गैर सरकारी स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा के मद्देनजर सरकार ने तड़ित चालक होना अनिवार्य है, लेकिन अधिकांश स्कूलों यह नहीं है. ऐसे में स्कूल में पढ़ने वाले नौनिहालों की जिंदगी खतरे में है. यह स्थिति उस वक्त है जब सुरक्षित रहने के लिए लोग अपने निजी मकान में भी तड़ित चालक लगा रहे हैं. वहीं शिक्षा विभाग दुर्घटना होने का इंतजार कर रहा है. जब कोई बड़ी घटना होगी तब शिक्षा उसकी नींद खुलेगी.

उल्लेखनीय है कि हजारीबाग जिले में प्राइमरी और मिडिल स्कूलों की संख्या लगभग 1462 है, जबकि हाई स्कूल की संख्या 51 है. वहीं आवासीय विद्यालय छात्रवास के अलावा लगभग 550 निजी विद्यालय हैं. इनमें से लगभग 15 प्रतिशत स्कूलों में ही तड़ित चालक लगा हुआ है, जबकि 2005/6 में झारखंड के सभी सरकारी विद्यालयों में ठेकेदारों के माध्यम से तड़ित चालक लगाया गया था, जिसके लिए लगभग 15000 से लेकर 18000 रुपये तक स्कूल को भुगतान करना था और यह रकम ग्राम शिक्षा समिति के खाते में दी गई थी और अध्यक्ष एवं सचिव ने मिलकर भुगतान किया था. विडंबना है कि बच्चों की सुरक्षा के लिए स्कूलों में तड़ित चालक लगाने में भी कमीशन का खेल हुआ था, जिसमें कहीं सही तो कहीं गलत तड़ित चालक लगाया गया था. जब इसकी सच्चाई धीरे-धीरे सामने आने लगी तो दो हफ्ते के अंदर स्कूलों से लगभग 70 प्रतिशत तड़ित चालक चोरी हो गई. ऐसे में वर्तमान में लगभग 85 प्रतिशत स्कलों में तड़ित चालक लगा हुआ नहीं है, जबकि इन स्कूलों में बच्चों की संख्या लगभग 100 से 1000 तक है. ऐसे में सवाल उठता है कि अगर कभी कोई बड़ी घटना होती है तो उसका जिम्मेवार कौन होगा? यहां बात दें कि वर्ष 2023 में सिल्वर पहाड़ी के पास ग्रंथ द्वितीय मेले के दौरान भारी भीड़ के बीच लगभग 5:00 बजे वज्रपात हुई जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई थी. बरसात में ऐसी कई घटनाएं हो चुकी हैं. इस वर्ष अब तक लगभग दो दर्जन से अधिक लोगों की मौत वज्रपात की चपेट में आने से हो गई है. मौत भी हो चुकी है.

मुस्लिम मैरिज का मिलेगा मान्यता प्राप्त सर्टिफिकेट : मुफ्ती जलील

संवाददाता। हजारीबाग

दारुल क़ज़ा मैनेजिंग कमिटी के अध्यक्ष इरफ़ान अहमद काजू ने बताया कि जामा मस्जिद के पेशे इमाम मुफ़्ती अब्दुल जलील साहब को हजारीबाग का शहर क़ाज़ी नियुक्त किया गया है, जो हम सभी के लिए काफ़ी ख़ुशी की बात है. जामा मस्जिद स्थित दारुल क़ज़ा में बुधवार को आयोजित प्रेस कांफ्रेंस के दौरान दारुल क़ज़ा मैनेजिंग कमिटी के पदाधिकारियों ने फूलों का गुलदस्ता देकर मुफ़्ती अब्दुल जलील साहब को मुबारकबाद दी. बताते चलें कि अब्दुल जलील पिछले पांच वर्ष से हज़ारीबाग़ जामा मस्जिद में ईमामत करते आ रहे हैं. साथ ही दारूल कजा शरीयत के शहर काजी का भी

दायित्व संभाल रहे हैं. हज़ारीबाग़ के नव नियुक्त शहर क़ाज़ी ने बताया कि अब मुस्लिम शादियों का सरकार से मान्यता प्राप्त सर्टिफिकेट दिया जाएगा. जिस काजी ने विवाह संपन्न कराया है, वह निकाहनामा जारी कर सकता है जो विवाह प्रमाणपत्र होता है. कानूनी कारणों से- जैसे पासपोर्ट, बैंक खाता खोलना, वीज़ा, आपातकालीन स्थिति में सहमति आदि के लिए यह सलाह दी जाती है कि मुस्लिम विवाह को रजिस्ट्रार के पास पंजीकृत कराया जाना चाहिए.

बेलगाम पिकअप वाहन ने दूध विक्रेता को रौंदा

चौपारण। जीटी रोड के पिपरा में बुधवार को एक दूध विक्रेता की मौत हो गयी. मयूरहंड प्रखंड के पेटादरी निवासी जगदीश यादव (55 वर्ष) हर रोज की भांति अपनी लूना गाड़ी से चौपारण के विभिन्न होटलों में दूध पहुंचाकर वापस पेटातरी अपने घर लौट रहे थे. जीटी रोड के पिपरा के समीप पीछे से तेज गति से आ रही एक पिकअप गाड़ी ने जगदीश यादव को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे वह पिकअप के नीचे फंस गए. पिकअप चालक उन्हें घसीटते हुए लगभग एक किलोमीटर दूर सिंघरावा के टीटही तालाब तक ले गया और फरार हो गया. बाद में बरही टॉल प्लाजा के पास लोगों ने उसे पकड़ लिया. वहीं जगदीश को सामुदायिक अस्पताल बरही ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया.

गुरु गोविंद सिंह रोड में वर्षों से खड़ा पेड़ रातों-रात काट कर गायब कर दिया गया

पौधरोपण के बीच कट रहे हरे-भरे पेड़

संवाददाता। हजारीबाग

जिले में इन दिनों पौधरोपण जारी है. कोई 1000 पौधा लगाने की बात कह रहा है, तो कोई घर-घर जाकर पौधों का वितरण कर रहा है. इस काम में हर वर्ग और उम्र के लोग शामिल हो रहे हैं. वहीं दूसरी ओर ग्राहकों को दुकानें साफ तौर पर दिखें, इसके लिए सड़क किनारे लगे हरे भरे पेड़ काटे जा रहे हैं. पिछले कई साल से गुरु गोविंद सिंह रोड स्थित आनंद चौक के पास स्थित तनिष्क घड़ी दुकान के सामने एक हरे भरे पेड़ को मंगलवार को काट दिया गया, जहां लोग थके हारे बैठा करते थे एवं छोटे-छोटे दुकानदार भी वहां ठेला लगाकर अपने परिवार का गुजर बसर करते थे. पेड़ को काटने की भनक

सड़क किनारे काटे गए पेड़ की जड़

किसी को न लगे इसके लिए कटे हुए पेड़ को रातों-रात मौके से हटा दिया गया और उस पर मिट्टी भर दी गई है. मजे की बात तो यह है कि न तो नगर निगम को पेड़ काटने की सूचना दी गई और न ही वन विभाग से कोई नो ऑब्जेक्शन का सर्टिफिकेट लिया गया. इस संबंध में शहर के कई लोगों ने बताया कि हजारीबाग में पार्किंग की भारी दिक्कत है और सड़क के किनारे खाली जमीन पर कुछ दुकानदारों का कब्जा है. वे अपने सिक्योरिटी गार्ड को खड़ा कर किसी के वाहन को वहां खड़ा नहीं करने देता है. यहां तक कि एक दुकानदार वहां किसी को ठेला खड़ा करने भी देता है. इस संबंध में भाजपा नेताअभिमन्यु ने बताया कि जिले में एक पेड़ मां के नाम लगाने का अभियान चल रहा है. दूसरी ओर पेड़ काटा जा रहा है जो गलत है. उन्होंने बताया कि जिस पेड़ को काटा गया है उसको मेरी अगुवाई में 20 साल पहले लगाया गया था. यह जिम्मेदारी नगर निगम एवं वन विभाग की बनती है कि वे मामले की जांच कराकर दोषी पर कार्रवाई करें.

दोषी पर कार्रवाई होगी सहायक नगर आयुक्त

इस संबंध में सहायक नगर आयुक्त ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है, दोषी पर कार्रवाई होगी . वहीं पश्चिमी वन विभाग के बड़ा बाबू व्यास सिंह ने बताया कि हरा भरा पेड़ काटना अपराध है . दोषी पर दफा लगता है . ऐसे में यह समझना होगा कि अगर पेड़ नगर निगम क्षेत्र में है तो इसका पहला दायित्व नगर निगम का बनता है . उन्होंने यह भी कहा कि अगर नगर निगम हरे-भरे पेड़ को काटने की इजाजत देता है तो उसके लिए भी नगर निगम से नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट लेना होगा . वहीं तनिष्क घड़ी दुकान के संचालक ने पेड़ काटने से साफ तौर पर इंकार कर दिया है . उन्होंने कहा कि पेड़ कटा हुआ है . किसने काटा है इसकी मुझे कोई जानकारी नहीं है .

विवाद सांसद ने महुदी, शिवाडीह, सोनपुरा, हरली, विश्रामपुर, नयाटांड़, चोपदार बलिया में स्थानीय लोगों से मिलकर बात की

पूरे बड़कागांव प्रखंड क्षेत्र में अराजकता का माहौल : मनीष जायसवाल

संवाददाता। हजारीबाग

जिले के बड़कागांव प्रखंड के महुदी गांव में रामनवमी मार्ग पर लगाए गए प्रतिबंध को हटाने की मांग को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे आंदोलनकारी अमन कुमार और अजय सिंह को सोमवार की रात पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. इस मामले में स्थानीय भोला प्रसाद को घर में सोने के दौरान पुलिस द्वारा उठाकर विवाद स्थल पर ले जाया गया और फिर उनपर कथित रूप से बेरहमी से लाठी डंडे बरसाई गई, जिससे वह बुरी तरह घायल हो गए. पूरे प्रकरण की जानकारी मिलते ही सांसद मनीष जायसवाल ने बुधवार को महुदी पहुंचकर हालात का जायजा लिया. सांसद ने महुदी,

सांसद बोले

- प्रशासन की विफलता का परिणाम है महुदी की घटना
- आकाओं को खुश करने को कर रहा एकपक्षीय कार्रवाई

शिवाडीह, सोनपुरा, हरली, विश्रामपुर, नयाटांड़, चोपदार बलिया सहित आसपास के कई गांवों में स्थानीय लोगों से मिलकर बात की. वहीं भोला महतो के पक्ष से बड़कागांव थाने में आरोपी पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर करने हेतु आवेदन दिया गया. सांसद ने प्रशासन को 19 जुलाई तक दोषियों पर कार्रवाई करने का आग्रह किया.

सांसद मनीष जायसवाल ने बुधवार को महुदी सहित कई गांवों में पहुंचकर लोगों से बातचीत कर हालात का जायजा लिया.

उन्होंने अल्टीमेटम देते हुए कहा कि अगर कार्रवाई नहीं हुई तो 19 जुलाई के बाद वह बड़कागांव थाने के समक्ष अनिश्चितकालीन धरने पर बैठेंगे.

बाद में मीडिया से बात करते हुए सांसद ने कहा कि पूरे बड़कागांव प्रखंड क्षेत्र में अराजकता का माहौल है और जिला प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है. यह घटना प्रशासन की विफलता का परिणाम है. पुलिस और प्रशासन के लोग राज्य की सरकार में बैठे अपने आकाओं को खुश करने के लिए एकपक्षीय कार्रवाई कर रहे हैं और एक पक्ष को डराकर दबा रहे हैं. उन्होंने कहा कि इसी घटना में गांव के भोला महतो को पुलिस ने बेरहमी से मारा पीटा. महुदी में रामनवमी रूट पर लगाए गए प्रतिबंध को हटाने की मांग को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन कर रहे अमन कुमार और अजय सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया. चुनाव के दौरान बादम में मोटरसाइकिल रैली के दौरान एक पक्ष के लोगों को दूसरे पक्ष द्वारा पीटा गया. सिरमा छवनिया में बिजली का कार्य करने वाले एक युवक को एक समुदाय विशेष द्वारा हाथ तोड़ दिया गया. हाल ही में अंबाजित निवासी दो युवकों की बादम पहाड़ी के समक्ष एक समुदाय विशेष के लोगों द्वारा बेवजह पिटाई गई. बड़कागांव थाने में आवेदन देने के बाद ही इन मामले पर कोई कार्रवाई नहीं हुई. सांसद ने कहा की महुदी में लोकतांत्रिक तरीके से शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे अमन कुमार और अजय कुमार को गिरफ्तार कर बाजार जेल भेज देने के पीछे प्रशासन का लक्ष्य था मुहर्रम का जुलूस पार करवाना था. एक ही जगह पर रामनवमी मार्ग पर प्रतिबंध लगाया जाता है और दूसरी ओर मोहर्रम जुलूस प्रशासनिक अधिकारी के संरक्षण में पार कराया जाता है. यह झारखंड में तुष्टिकरण की पराकाष्ठा की राजनीति को बखूबी प्रदर्शित करता है. सांसद ने बड़कागांव क्षेत्र के लोगों से शांति बनाए रखने की अपील करते हुए अफवाहों से सावधान रहने को कहा. उन्होंने यह भी कहा कि प्रशासन द्वारा एकपक्षीय कार्रवाई कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी.

नोटरी पब्लिक, रांची

शपथ-पत्र

मैं, **आरती चक्रवर्ती**, पिता सपन चक्रवर्ती, निवास स्थान-शांति नगर, कोकर, चूना भट्ठा, पो-कोकर, थाना-सदर, जिला-रांची, राज्य-झारखंड। एतदर्थ शपथपूर्वक निम्न बातें बयान करती हूं कि-

1. यह कि दिप्ती देवी के नाम से मेरा आधार कार्ड निर्गत हुआ है, जिसका **आधार नं. 8094 8519 0745** है।
2. यह कि **दिप्ती देवी राशि** के नाम से मेरा कोई कार्य सफल नहीं हो रहा है।
3. यह कि इसलिए मैं **दिप्ती देवी** के स्थान पर '**आरती चक्रवर्ती**' के नाम से आधार कार्ड बनवाना चाहती हूं।
4. यह कि मेरे द्वारा नाम के संबंध में दी गई जानकारी सही एवं सत्य है।

आरती चक्रवर्ती

शपथ पत्र सं. 166
दि. 16 जुलाई 24

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष चन्द्र नीच का है, विवाद से बचें. कर्ज लेना पड़ सकता है. किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है. स्वाभिमान को ठेस लग सकती है. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें.

वृषभ व्यापार में लाभ का मौका मिलेगा. जीवनसाथी से लाभ होगा. व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी. भाग्य का साथ मिलेगा. नौकरी में चैन रहेगा. निवेश शुभ रहेगा. घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी. पार्टनरों का सहयोग मिलेगा.

मिथुन मौसमी बीमारियों से बचाव की आवश्यकता है. गुप्तशत्रु से सावधान रहें. कार्यप्रणाली में सुधार होगा. सामाजिक काम करने की इच्छा रहेगी. मान-सम्मान मिलेगा. व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा. किसी मंदिर में जल का दान करें.

कर्क नीच का चन्द्र है. कोर्ट-कचहरी के कार्य मनोनुकूल नहीं रहेंगे. कुछ मानसिक अशांति रहेगी, पर लाभ के अवसर हाथ आएंगे. समय अनुकूल है. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. कारोबार में वृद्धि के योग हैं.

सिंह माता या किसी महिला का स्वास्थ्य खराब हो सकता है. पुराना रोग उभर सकता है. किसी दूसरे व्यक्ति की बातों में न आएं. कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें. व्यापार अच्छा चलेगा. नौकरी में मातहतों से कहासुनी हो सकती है.

कन्या भाई-बहन के साथ मेलजोल बढ़ेगा. लेन-देन में सावधानी रखें. चिंता तथा तनाव रहेंगे. शत्रुभय रहेगा. कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे. धन प्राप्ति सुगम होगी. घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी. भाइयों का सहयोग मिलेगा.

तुला धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे. भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी. बड़ा लाभ हो सकता है. रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता मिलेगी. भाग्य का साथ रहेगा. इत्र दान करें.

वृश्चिक समय बहुत ही उत्तम है. विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा. किसी वरिष्ठ प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा. व्यापार से लाभ होगा. नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा. कार्य के प्रभाव से भाग्य का साथ मिलेगा.

धनु वाणी पर नियंत्रण रखें. शारीरिक कष्ट संभव है. यात्रा में जल्दबाजी न करें. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है. भागदौड़ अधिक रहेगी. थकान व कमजोरी महसूस होगी. अन्न दान करें.

मकर आय के लिए किया गया प्रयास सफल होगा. मान-सम्मान मिलेगा. नौकरी में प्रशंसा होगी. कार्यसिद्धि होगी. प्रसन्नता रहेगी. चोट व रोग से बचें. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. किसी व्यक्ति के बहकावे में न आएं.

कुंभ सरकारी कार्य में गति मिलेगी. शेयर बाजार से भी लाभ का योग है. घर में मेहमानों का आगमन होगा. कोई मांगलिक कार्य हो सकता है. आत्मविश्वास बढ़ेगा. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. काला वस्तु का दान करना चाहिए.

मीन भाग्य का साथ मिलेगा. किसी नए मित्र से मुलाकात होगा. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. निवेश शुभ रहेगा. व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा. किसी बड़ी समस्या से मुक्ति मिल सकती है.

आजसू ने कहा : राज्य में हजारों की संख्या में विस्थापित परिवार परेशान हैं, मुख्यमंत्री अविलंब संज्ञान लेकर करें कार्रवाई

झारखंड में एक माह में हो विस्थापन आयोग का गठन : चंद्रप्रकाश

विशेष संवाददाता। रांची

खास बातें

- कोयला खनन परियोजना से प्रभावित पीड़ितों न्याय दिलाना है
- कोल इंडिया के चेयरमैन को ज्ञापन सौंपा, कार्रवाई की मांग

आजसू पार्टी के वरीय उपाध्यक्ष व गिरिडीह के सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से झारखंड विस्थापन आयोग का एक माह के अंदर गठन करने की मांग की है. उन्होंने मुख्यमंत्री को इस बात से अवगत कराया है कि झारखंड राज्य में वर्षों से कोयला खनन परियोजना से प्रभावित पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने के लिए भारत सरकार के तत्कालीन कोयला मंत्री के अलावा कोयला सचिव एवं कोल इंडिया के चेयरमैन को लिखित ज्ञापन सौंपकर व कई बार इन लोगों से व्यक्तिगत रूप से मिलकर कोयला क्षेत्र (अधिग्रहण व विकास) अधिनियम 1957 की धारा 14(2) के तहत अभिकरण (ट्रिब्यूनल)की स्थापना करने की मांग की.जो मौजूदा समय में कैबिनेट के पास विचाराधीन है. साथ ही तत्काल राहत के लिए राज्य के सात जिलों में अल्पकालीन जिला स्तर अभिकरण (ट्रिब्यूनल)की स्थापना का आदेश कोयला मंत्रालय द्वारा 15 मार्च को दिया गया है. इससे जिला स्तर पर कोयला खनन परियोजना से प्रभावित परिवारों को न्याय मिलने का रास्ता प्रशस्त हुआ है. साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर इस बात से भी अवगत कराया कि वर्तमान में केंद्र सरकार द्वारा कोल ब्लाक के नीलामी आवंटन की प्रक्रिया में केंद्र सरकार के उपक्रम कंपनियों तथा निजी कंपनियों को कोल ब्लॉक का आवंटन हुआ है जिसमें स्थानीय ग्रामीणों की वर्षों से कब्जे वाली भू-भाग का अधिग्रहण बड़े पैमाने पर हो रहा है. इससे राज्य में गैर मजरूआ व अन्य भूमि पर कृषकों को वर्षों से दाखिल खारिज होने पर भी राजस्व का भू- रिकॉर्ड के अभिलेख में दर्ज जमीन के किस्म से कृषकों को मुआवजा मिलने में कानूनी अड़चन है. क्योंकि गैर मजरूआ भू-भाग खास के संबंध में राज्य में अब तक स्पष्ट दिशा निर्देश नहीं है.

इस कारण भूमि संबंधित कानूनी पहलुओं एवं राज्य में पुनर्स्थापना नीति का कार्यान्वयन नहीं होने के कारण विस्थापितों की समस्या ने विकराल रूप धारण कर लिया है. उन्होंने मुख्यमंत्री से एक माह में इस समस्या के समाधान की मांग की है. उन्होंने हाल के दिनों में कोयला मंत्रालय द्वारा कोयला खनन परियोजना से प्रभावित परिवारों को राहत व न्याय देने को लेकर जारी आदेशों का विस्तार पूर्वक उल्लेख अपने पत्र में किया है.

विधानसभा चुनाव : 83% से अधिक प्रत्याशी की हो जाती है जमानत जब्त

भाजपा सहित किसी दल को कभी भी बहुमत नहीं मिला

प्रवीण कुमार। रांची

विधानसभा चुनावों में भाजपा : एक नजर

- 2019 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को 34.1% मिले वोट मिले, सीट मिली 25, वहीं छह पर हो गयी थी जमानत जब्त
- 2005 में भाजपा ने 63 सीटों पर लड़ा था चुनाव, 30 जीते, आठ पर हो गयी थी जमानत जब्त, 30.19% मिले वोट
- 2009 में भाजपा ने 67 सीटों पर लड़ा था चुनाव, 18 जीते,12 पर हुई थी जमानत जब्त, 24.44% मिले वोट
- 2014 में भाजपा ने 72 सीटों पर लड़ा था चुनाव, 37 जीते, एक पर जमानत जब्त, 35.16% ने मिले वोट

झारखंड में भाजपा संयुक्त बिहार के समय से ही संगठनात्मक मजबूती में लगी रही है. लेकिन झारखंड में कभी भी भाजपा अपने दम पर 81 विधानसभा सीटों वाली इस प्रदेश में बहुमत का आंकड़ा को पार नहीं कर पायी. हालांकि अबतक के विधानसभा चुनाव में कभी किसी दल को अपने दम पर बहुमत हासिल नहीं हुआ. पिछले चार विधानसभा चुनावों में भाजपा के वोटों में काफी उतार-चढ़ाव आता रहा. 2004 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 63 सीटों चुनाव लड़ा था. 30 जीते. आठ पर जमानत जब्त हो गयी थी. इस चुनाव में भाजपा को 30.19 प्रतिशत वोट मिले थे. 2006 में झारखंड के पहले मुख्यमंत्री बाबूलाल मारंडी ने भाजपा से अलग होकर झारखंड विकास मोर्चा का गठन किया था. इससे भाजपा को काफी नुकसान हुआ. 2009 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को तगड़ा झटका लगा था. पार्टी ने 67 सीटों चुनाव लड़ा, जिनमें मात्र 18 सीटें ही जीत पाई. इस चुनाव में भाजपा के 12 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गयी थी. बाबूलाल के पार्टी छोड़ने से भाजपा के वोट प्रतिशत में भारी गिरावट आयी. भाजपा को मात्र 24.44 प्रतिशत वोट मिले.

2014 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 72 सीटों पर लड़ा था, 37 विधानसभा सीटें जीती. वहीं एक पर जमानत जब्त हुई. भाजपा को 35.16 प्रतिशत वोट मिले. इस चुनाव में भी भारतीय जनता पार्टी को पूर्ण बहुमत नहीं मिला था. 2014 का झारखंड विधानसभा का चुनाव भाजपा के लिए सबसे बेहतर रहा था. भाजपा ने रघुवर दास को मुख्यमंत्री बनाया. भाजपा ने बाबूलाल मरांडी के नेतृत्व वाले झारखंड विकास मोर्चा के आठ में से छह विधायकों को तोड़कर भाजपा में मिला लिया था. तब जाकर रघुवर दास के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार अपना पूर्ण बहुमत जुटा पायी थी. 2019 के विधानसभा चुनाव रघुवर दास के नेतृत्व में लड़ा गया. लेकिन आदिवासी रिजर्व सीटों पर भाजपा की हार हुई. आजसू भी एनडीए से अलग होकर चुनाव लड़ी, जिसका खामियाजा आजसू और भाजपा को उठाना पड़ा. अपनी सिटिंग सीटें भी दोनों पार्टियों को गंवानी पड़ी. 28 में 26 आदिवासी सीटों पर भाजपा को हार का समाना करना पड़ा. 2019 भाजपा 79 सीटों पर प्रत्याशी खड़ा किया था, जिनमें 25 पर जीत हुई. छह पर जमानत जब्त हो गयी. भाजपा को 34.1 प्रतिशत वोट मिले थे.

हर विस चुनाव में 900 से अधिक प्रत्याशियों की जमानत होती है जब्त

हर बार विधानसभा चुनाव में एक हजार से अधिक प्रत्याशी अपनी किस्मत आजमाते हैं, पर इनमें 900 से अधिक की जमानत जब्त हो जाती है. पिछले चार विधानसभा चुनाव के आंकड़े बताते हैं कि राज्य की 81 सीटों के लिए वर्ष 2005 में 1390 प्रत्याशी मैदान में थे, जिनमें 1206 की जमानत जब्त हो गई थी. वहीं 2009 में 1491 प्रत्याशी खड़े हुए थे. इनमें से 1299 जमानत राशि नहीं बचा पाए थे. इसी तरह वर्ष 2014 में कुल 1136 प्रत्याशियों में से 947 की जमानत जब्त हो गई थी. वहीं 2019 के चुनाव में 1216 प्रत्याशियों में 1039 की जमानत जब्त हो गयी थी. पिछले चार विधानसभा चुनाव में 83 प्रतिशत से अधिक प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गयी थी.

झारखंड में अपराधियों का बढ़ गया है खौफ : मरांडी

- बाबूलाल मरांडी ने एक बार फिर हेमंत सरकार पर निशाना साधा

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने एक बार फिर हेमंत सरकार पर निशाना साधा है. ट्वीट कर कहा है कि हेमंत है तो हिम्मत है....अरे भाई किसको हिम्मत है....अपराधियों को या चोरों को या राज्य संरक्षण में पल रहे हिम्मत वाले गुंडों को. झारखंड में अपराधियों का खौफ इतना बढ़ गया है कि झारखंड की जनता के पास दो ही उपाय बचते हैं- या तो जान दे देने का या रंगदारी देने का. गठबंधन सरकार में दबंगों का आतंक और साहस इतना बढ़ गया है कि वह सिर्फ अब धमकी भर नहीं देते हैं बल्कि रंगदारी न देने वालों को मौत के घाट तक उतार रहे हैं.

सरकार और पुलिस भी है चुप : ट्वीट में आगे लिखा है कि सरकार और उसकी पुलिस चुप है, क्योंकि रंगदारी का बड़ा हिस्सा उनको भी प्राप्त हो रहा है, लेकिन क्या प्रदेश की जनता ने इसलिए गठबंधन सरकार को चुना था ताकि वो अपराधियों के साथ हाथ मिलाकर जनता के साथ ही अपराध, हत्या और रंगदारी को अंजाम दें. प्रदेश के लोगों की जान अब अपराधियों और दबंगों के हाथों में है, सरकार का हाथ अपराधियों के माथे पर है, अब ऐसे में प्रदेश में कोई भी कैसे सुरक्षित रह सकता है. अब वक्त आ गया है अपराधियों को संरक्षण देने वाली इस सरकार को जड़ से उखाड़ फेंकने का, ताकि लोगों का तथा झारखंड का भविष्य सुरक्षित रह सके.

झामुमो का भ्रष्टाचार और कुशासन धरातल पर नजर आने लगा है

दूसरे ट्वीट में बाबूलाल ने लिखा है कि आदिवासी बहुल क्षेत्रों में झामुमो का भ्रष्टाचार और कुशासन धरातल पर नजर आने लगा है. दुमका जिले के शिकारीपाड़ा विधानसभा क्षेत्र में लगातार सात बार से झामुमो के विधायक हैं, पिछले 5 सालों से राज्य में सरकार है. फिर भी सड़क की स्थिति चलने लायक नहीं है। पिछले साल ही उक्त सड़क के निर्माण का प्राक्कलन तैयार किया जा चुका है, लेकिन दुर्भाग्य से अब तक हेमंत सोरेन की सरकार ने सड़क निर्माण की स्वीकृति प्रदान नहीं की है. आदिवासियों को बरगला कर, उन्हें झूठे सपने दिखाकर दशकों से दिग्भ्रमित करने वाले झामुमो-कांग्रेस की दाल अब नहीं गलने वाली!

ईस्ट जोन हॉकी में झारखंड का शानदार प्रदर्शन

रांची। कोलकाता में 14 से 21 जुलाई तक आयोजित दूसरी हॉकी इंडिया ईस्ट जोन जूनियर हॉकी चैंपियनशिप में बुधवार को झारखंड की टीम ने दोनों वर्गो पुरुष व महिला वर्ग में शानदार प्रदर्शन किया. दोनों वर्गों में झारखंड की टीम ने जीत दर्ज की. पुरुष वर्ग में झारखंड का मुकाबला बिहार से हुआ. इस एकतरफा मुकाबले में झारखंड की ने 9-0 से जीत दर्ज की. वहीं महिला वर्ग में झारखंड का मुकाबला असम से हुआ, जिसमें झारखंड की टीम ने 13 गोल से जीत हासिल की.

नपा परीक्षा रिजल्ट को लेकर छात्रों का धरना

रांची। झारखंड नगरपालिका सेवा संवर्ग संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा 2023 का रिजल्ट को लेकर छात्रों राजभवन के समक्ष धरना दे दिया है, झारखंड में नगरपालिका बहाली के लिए जेएसएससी 2023 में 921 सीट के लिए विज्ञापन निकाला गया था, जिसमें रिवेन्यू इंस्पेक्टर, सेनेटरी एवं फूड इंसपेक्टर, गार्डेन सुपरिटेंडेंट, वेटनरी ऑफिसर, विधि सहायक, सेनेटरी सुपरवाइजर पद के लिए परीक्षा 29 व 30 अक्टूबर 2023 को ही करा ली गई है, जबकि जेएसएससी मार्च 2024 को औपबंधिक आंसर जारी किया और इतना समय बीत जाने के बाद भी फाइनल अंसार जारी नही किया गया है. अब अभ्यर्थियों का कहना है कि लगभग 9 महीने बीत जाने के बाद भी सरकार अथवा जेएसएससी द्वारा फ़ाइनल अंसार व रिजल्ट जारी नहीं किया गया है.

एमएसपी पर संयुक्त किसान मोर्चा करेगा आंदोलन : सुफल महतो

तमाड़। संयुक्त किसान मोर्चा आपने देशव्यापी अभियान के तहत लोकसभा सांसदों को किसानों से जुड़ी मांगों के लेकर ज्ञापन सौंपने का अभियान चला रहा है. इस कड़ी में झारखंड राज्य किसान सभा ने इंडिया गठबंधन खूंटी के सांसद कालीचरण मुंडा को किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी, झारखंड में खनिज संपदा पर किसानों की हिस्सेदारी सहित किसान मुद्दों पर तमाड़ डाक बंगला में ज्ञापन सौंपा गया. सांसद कालीचरण मुंडा ने एमएसपी की कानूनी गारंटी सहित किसान मुद्दों को संसद में उठाने का आश्वासन दिया.

क्या हैं संयुक्त किसान मोर्चा की मांगें

संयुक्त किसान मोर्चा एमएसपी की कानूनी गारंटी, झारखंड के खनिज संपदा पर किसानों की हिस्सेदारी, ऋण माफी,बजट में अलग कृषि बजट, किसान आत्महत्याएं, कृषि संकट, सर्वाधिक महंगाई, बेरोजगारी, निजीकरण, कारपोरेट कृषि नीति में बदलाव, सहित किसान मुद्दे को लेकर लंबे समय से मांग कर रहे हैं.

चरणबद्ध आंदोलन होगा: सुफल महतो

झारखंड राज्य किसान सभा के राज्य अध्यक्ष सुफल महतो ने कहा, 13 माह चले किसान आंदोलन 750 किसानों की शहादत के बाद तीनों कृषि कानून रद्द करते हुए लिखित समझौता दो वर्ष बाद भी लागू नहीं हुआ. खिलाफ 10 जुलाई से दिल्ली संयुक्त किसान मोर्चा बैठक ने किसान आंदोलन का बिगुल फूंका. 16 से 18 जुलाई सांसदों को संयुक्त किसान मोर्चा ज्ञापन सौंपेगा . झारखंड राज्य किसान सभा प्रतिनिधि में झारखंड राज्य किसान सभा राज्य अध्यक्ष सुफल महतो, राज्य कोषाध्यक्ष बिरेंद्र कुमार, संयुक्त सचिव दिवाकर मुंडा, राज्य कौंसिल सदस्य नीलकांत सिंह मुंडा, राज्य कौंसिल सदस्य यदु गोपाल मुंडा, तमाड़ अंचल किसान सभा अध्यक्ष लोधरो मुंडा, किसान नेता लखना महतो,फेकला दास, गौतम सिंह मुंडा, विशेश्वर महतो आदि उपस्थित थे.

प्रेमी के घर के बाहर धरना पर बैठी प्रेमिका

मेदिनीनगर। मध्य प्रदेश के इटारसी से अपने कथित प्रेमी को तलाशती हुई एक लड़की देवरी पहुंचकर धरना पर बैठ गई. सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने युवती को प्रेमी के घर में रखा गया. जानकारी के अनुसार, देवरी ओपी क्षेत्र निवासी सोनू कुमार कुछ वर्ष पहले नौकरी करने बेंगलुरु गया था. वहां उसका मध्य प्रदेश के इटारसी की लड़की से प्यार हो गया. कुछ दिनों तक बेंगलुरु में नौकरी करने के बाद सोनू अपने घर लौट आया. पिछले हफ्ते ही सोनू की शादी हुई है. जब इस बात की जानकारी सोनू की प्रेमिका को मिली, तो वह सोनू को खोजती हुई देवरी पहुंच गई. प्रेमिका के घर पहुंचने की सूचना मिलने के बाद कथित प्रेमी फरार हो गया था. मंगलवार की शाम सात बजे के करीब युवती सोनू के घर पर पहुंची थी.

साहिबगंज, पाकुड़ व कोडरमा में अवैध खनन के सर्वाधिक केस

संवाददाता। रांची

किस जिले में अवैध पत्थर खनन के कितने मामले हुए दर्ज

साहिबगंज	:	170	धनबाद	:	32	सिमडेगा	:	13
पाकुड़	:	136	गिरिडीह	:	31	देवघर	:	11
कोडरमा	:	81	जमशेदपुर	:	24	सरायकेला	:	10
चतरा	:	45	खूंटी	:	24	बोकारो	:	10
हजारीबाग	:	41	गुमला	:	23	गढ़वा	:	09
पलामू	:	39	रामगढ़	:	21	लोहरदगा	:	07
गोड्डा	:	34	चाईबासा	:	20	जामताड़ा	:	07
दुमका	:	33	रांची	:	13	लातेहार	:	04

झारखंड के साहिबगंज, पाकुड़ और कोडरमा जिले में अवैध पत्थर खनन के सबसे अधिक मामले दर्ज हुए हैं. पिछले ढाई साल के दौरान राज्य के अलग-अलग जिलों में पत्थर के अवैध खनन के कुल 858 मामले दर्ज हुए. इसमें साहिबगंज में सबसे अधिक 170, पाकुड़ में 136 और कोडरमा में 81 मामले शामिल हैं. इसके अलावा पूरे राज्य में अवैध खनन के मामले में 1242 लोगों को गिरफ्तार किया गया, जबकि 1321 वाहन भी जब्त हुए हैं.

अवैध खनन रोकने की जिम्मेवारी इनकी : अवैध खनन को रोकने की जिम्मेदारी खनन विभाग, वन विभाग, जिला प्रशासन और प्रदूषण नियंत्रण परिषद की है. गौरतलब है कि पत्थर माफिया ने सारे नियम कानून को ठेंगा दिखाते हुए न केवल अवैध तरीके से पत्थर निकाले हैं, बल्कि पर्यावरण को भी खासा नुकसान पहुंचाया है.

रतन टाटा के जीवन पर गीतों का एलबम बनाया है गायक अजीत अमन ने

नागपुरी एलबम मोर दिल सोशल मीडिया पर मचा रहा धूम

संवाददाता। जमशेदपुर

भारत के महान उद्योगपति रतन टाटा के जीवन पर गीत गाकर झारखंड, बिहार समेत देशभर में पहचान बना रहे गायक अजीत अमन के एक नया नागपुरी वीडियो एलबम 'मोर दिल' सोशल मीडिया पर खूब धूम मचा रहा है. गायक अजीत अमन ने बताया कि वे पहली बार नागपुरी वीडियो में अभिनय कर रहे हैं. उन्होंने बताया कि इस वीडियो में शहर के उभरते गायक भीम कुमार भूमिज और देबोजानी सरकार ने दी है. अजीत अमन ने बताया कि वो हिंदी और भोजपुरी के कई वीडियो एलबम में गाने के साथ अभिनय कर चुके हैं. यह वीडियो उदय मूवीज रिजनल पर लॉन्च हुआ है. इस वीडियो एलबम के निर्माता उदय साहू और वीडियो एडिटर सूर्या साहू है. गायक अजीत अमन ने बताया कि बहुत जल्द ही नागपुरी और संथाली में लगभग आधे दर्जन से ज्यादा गाने और वीडियो आने वाले है. उन्होंने बताया कि इन सभी प्रोजेक्ट में नेहिष सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन के चेयरमैन अवनीश श्रीवास्तव और साइंस शिक्षक आलोक राज सिंह सहयोग कर रहे हैं. अजीत अमन अबतक मुख्य रूप से रतन टाटा के जीवन पर भारत रत्न, भारत रत्न 2 और भारत रत्न 3 वीडियो के साथ चंद्रयान- 3, शहीद विपिन रावत पर सीने पे तिरंगा, एमएस धोनी, पत्रकार, डॉक्टर समेत कई सामाजिक विषयों पर गीत गाकर संगीत की दुनिया में पहचान बना चुके हैं.

तैयारी लातेहार के विभिन्न प्रखंडों में दस दिनों में आ चुके हैं सर्पदंश के 11 मामले

बरसात में बढ़ रहे हैं सर्पदंश के मामले, सावधानी बरतें

आशीष टैगोर। लातेहार

अक्सर कहा सुना जाता है कि सांपों का काटा पानी नहीं मांगता है. यही कारण है कि सांपों का नाम सुनते ही लोग सिर से ले कर पैर तक सिहर उठते हैं. यूं तो सांपों को हर मौसम में देखा जाता है. लेकिन बरसात के दिनों में सांप कुछ अधिक ही दिखायी पड़ते हैं. यही कारण है कि बरसात के दिनों में सर्पदंश के मामले भी बढ़ जाते हैं. प्रति दिन किसी ने किसी इलाके में सर्पदंश के कारण मौत की खबरें सुनी जाती है. बरसात के दिनों चलने-फिरने या सोने में दिनों में काफी सावधानी बरती जानी चाहिए. विगत दस दिनों में लातेहार सदर अस्पताल में सर्पदंश के 11 मामले आ चुके हैं.

सदर अस्पताल व स्वास्थ्य केंद्रों में उपलब्ध है स्नेक एंटी वेनम: सीएस

शुभम संदेश से खास बातचीत में सिविल सर्जन डा अवधेश कुमार सिंह ने कहा कि सदर अस्पताल व जिले के अन्य सभी प्रमुख स्वास्थ्य केंद्रों में सर्पदंश के उपचार के लिए स्नेक एंटी वेनम इंजेक्शन उपलब्ध है. उन्होने बताया कि सदर अस्पताल में अब तक सर्पदंश के 11 मामले आ चुके हैं. इनमें से दो को बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर किया गया था. शेष का इलाज सदर अस्पताल के आईसीयू वार्ड में किया गया. उन्होने सर्पदंश के मामलों झाड़फूक या ओझा गुणी के चक्कर में नहीं पड़ने की अपील की.

सर्पदंश के रोगी को सीधे अस्पताल ही लाना चाहिए : डॉ अखिलेश्वर

सदर अस्पताल लातेहार के उपाधीक्षक डा अखिलेश्वर प्रसाद ने कहा कि सदर अस्पताल में सर्पदंश के इलाज की समुचित व्यवस्था है. सर्पदंश के बाद मरीजों को सीधा अस्पताल लाना चाहिए. झाड़फूंक में समय गंवाने से जान को खतरा हो सकता है. सर्पदंश के मामलों में समय पर अस्पताल पहुंचने से मरीज की जान बचायी जा सकती है. परिजनों को थोड़ा धैर्य रखना चाहिए. लेकिन अक्सर परिजनों के द्वारा मरीज को रेफर कर देने की बात कही जाती है. ऐसे में मजबूरी में उन्हें रेफर कर दिया जाता है.

सांपों को मारने व नुकसान पहुंचाने पर है सजा का प्रावधान: गोविंद

पर्यावरणविद गोविंद पाठक ने कहा कि देश के सभी सांप वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत संरक्षित है. सांपों को मारने व नुकसान पहुंचाने पर सजा का भी प्रावधान है. अगर कहीं आपको सांप दिख जाता है तो इसकी सूचना वन विभाग को दें. वन विभाग की एक्स्पर्ट टीम सांपों का रेस्क्यू कर जंगलों में छोड़ देता है. पिछले सप्ताह वन विभाग की टीम ने जुबली चौक और माको में जहरीले कोबरा सांप का रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा है.

विद्यालय की जमीन हड़पने के विरोध में एसडीओ से मिले ग्रामीण, शिकायत की

संवाददाता। हुसैनाबाद(पलामू)

हुसैनाबाद प्रखंड के दंगवार में मथुरा उच्चांगल विद्यालय की भूमि को जबरन हड़पने का विरोध किया गया. इसको लेकर दंगवार व आसपास के दो दर्जन से ज्यादा ग्रामीणों ने एसडीओ से मिले और उन्हें ज्ञापन दिया. मांग रखी कि जनहित में विद्यालय का अस्तित्व बचाने एवं दोषियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाए. ज्ञापन में कहा गया है कि वर्ष 1961 में भागवत सहाय व उनके परिवार के द्वारा बच्चों को उच्च शिक्षा प्राप्त कराने के उद्देश्य से 1.52 एकड़ भूमि विद्यालय की स्थापना हेतु दान स्वरूप दी गयी थी, जिसपर वर्तमान में विद्यालय कार्यरत है. इस भूमि पर विद्यालय का भवन निर्मित है और कुछ भाग पर विद्यालय का खेल मैदान है. नए सर्वे में 73 डी. भूमि भागवत सहाय के परिवार के नाम अंकित हो गई और बाकी 79 डी. भूमि शिक्षा बोर्ड के नाम पर दर्ज हो गई. परंतु, समस्त भूभाग पर विद्यालय का अब तक कब्ज़ा रहा है. इस बीच 19 जुलाई 2022 को भागवत सहाय की पतोहू दंगवार मुखिया के द्वारा गलत वंशावली बनवाकर अर्थात 5 पाटीदारों के होते हुए अकेले 73 डी, भूमि को राकेश पटेल, पिता राजेंद्र सिंह, ग्राम नावाडीह, थाना हुसैनाबाद, को रजिस्ट्री कर दी गई. जब इसकी भनक विद्यालय परिवार को लगी तो बिना समय गंवाए तत्कालीन पलामू उपायुक्त से मिले. उपायुक्त ने शिक्षण संस्थान को राष्ट्र निर्माण का सूत्रधार मानते हुए इस मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्कालीन अनुमंडल पदाधिकारी हुसैनाबाद को त्वरित कार्रवाई के लिए निर्देशित किया. अनुमंडल पदाधिकारी ने भी इसे गंभीरता से लेते हुए अंचल पदाधिकारी को जांच के लिए निर्देश दिया. तत्कालीन अंचल पदाधिकारी ने सही निरीक्षण कर अपना जांच प्रतिवेदन विद्यालय परिवार को सौंपा, जो ज्ञापन में संलग्न है. एसडीओ पीयूष सिन्हा ने आवश्यक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

गरीबी का मकड़जाल

गरीबों को पहले तो चंद्र बाबू नायडू का शुक्रगुज़ार होना चाहिए कि उन्होंने उनके वजूद से इनकार नहीं किया. जिस दौर में नीति आयोग जैसी सरकारी संस्थाओं और सरकार प्रायोजित विशेषज्ञों के बीच होड़ गरीबी का प्रतिशत कम-से-कम बताने की लगी हो, उन्होंने इतना तो माना कि भारत में लगभग 20 फीसदी गरीबी का मकड़जाल को तोड़ने का तरीका क्या है. क्या गरीबी को मुफ्त राशन या उन्हें गोद ले कर खत्म किया जा सकता है. मानव जाति के इतिहास में अभी तक तो ऐसा हुआ नहीं है. गरीबी का संबंध केवल आर्थिक संरचना मात्र से ही जुड़ा नहीं है, बल्कि उसके गहरे सरोकार आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक असमानता से जुड़ा है. डॉ. अमर्त्य सेन के अनुसार गरीब होने का मतलब काल्पनिक गरीबी रेखा से नीचे रहना नहीं है, जैसे कि दो डॉलर प्रतिदिन या उससे कम की आय. इसका मतलब है कि ऐसी आय का स्तर होना जो किसी व्यक्ति को परिस्थितियों और पर्यावरण की सामाजिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए कुछ बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करने की अनुमति नहीं देता है, लेकिन आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री मानते हैं कि देश के सबसे ज्यादा अमीर 10 प्रतिशत लोग यदि सबसे गरीब 20 प्रतिशत लोगों को गोद ले लें तो सारी समस्या का हल हो जाएगा. यह एक अधूरी और गैर आर्थिक समझ है. यह बात दीगर है कि उन्होंने गरीबी दूर करने का जो फॉर्मूला बताया, उसे गरीब लोग अपने साथ मज़ाक समझ सकते हैं. इसलिए कि जो लोग गरीब कल्याण की किसी भी ठोस सोच पर सीधा हमला बोल देते हों, उनसे ही उन्होंने उम्मीद जोड़ी कि वे गरीबी हटाने की जिम्मेदारी उठाएंगे. टीडीपी अध्यक्ष ने कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्रीज (सीआईआई) के एक समारोह में कहा कि अगर देश के सबसे धनी 10 फीसदी लोग सबसे गरीब 20 फीसदी लोगों को 'गोद' ले लें, तो समस्या हल हो जाएगी. उन्होंने कहा- "आज मैं आपके सामने एक प्रस्ताव रख रहा हूं. गैर-बराबरी लगातार बढ़ रही है. देश में गरीब लोग भी हैं. क्या आप उनके लिए कुछ कर सकते हैं? इसके लिए मैं पी-4 का प्रस्ताव रख रहा हूं. पब्लिक-प्राइवेट-पीपुल्स पार्टनरशिप यानी नव-उदारवादी दौर में प्रचलित ट्रिपल पी में उन्होंने एक पी और जोड़ दिया है. तजुर्बा यह है कि ट्रिपल पी सार्वजनिक संसाधनों को निजी (यानी कॉरपोरेट) हाथों में सौंपने का माध्यम साबित हुआ है. तो अब नायडू ऐसी योजनाओं से उत्तरोत्तर समृद्ध हुए लोगों में कुछ वैसी भावना जगाना चाहते हैं, जिसे सर्वोदय नेता जयप्रकाश नारायण ने "अच्छाई की प्रेरणा" कहा था. यह प्रेरणा जग जाए तो सरकारी नीतियों के कारण जिन लोगों की तिजोरी में धन इकट्ठा हुआ है, वे उसका कुछ हिस्सा गरीबों को भी लौटा सकते हैं! बहरहाल, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री इतने वरिष्ठ तो हैं कि उन्हें विनोबा भावे के भूदान आंदोलन के कुल तजुर्बे की जानकारी होगी. उसकी रोशनी में ऐसे फॉर्मूले को जुमला के अलावा और क्या कहा जा सकता है? हां, इसका यह फायदा जरूर है कि इससे वेल्थ और उत्तराधिकार टैक्स लगाकर गैर-बराबरी दूर करने की सार्वजनिक पहल के तकाजे से थोड़े समय के लिए ध्यान हट सकता है.

यह बात दीगर है कि उन्होंने गरीबी दूर करने का जो फॉर्मूला बताया, उसे गरीब लोग अपने साथ मज़ाक समझ सकते हैं. इसलिए कि जो लोग गरीब कल्याण की किसी भी ठोस सोच पर सीधा हमला बोल देते हों, उनसे ही उन्होंने उम्मीद जोड़ी कि वे गरीबी हटाने की जिम्मेदारी उठाएंगे.

सुभाषित

चिन्तायास्तु चितायास्तु बिन्दु मात्रम् विशेषतः ।
चिता दहति निर्जीवम्, चिन्ता दहति जीवितम् ॥

चिता और चिंता दोनों शब्द एक जैसे ही लगते हैं. दोनों के कार्य भी लगभग एक जैसे ही हैं, लेकिन दोनों के बीच अंतर भी है और वह अंतर सिर्फ बिंदु का है. चिता मरे हुए शरीर को जलाती है, लेकिन चिंता जीवित शरीर को ही जला डालती है.

विपक्ष का ध्यान भटकाने का प्रयास

मतदाताओं का भरोसा जगाने के लिए जिस तरह की 'सघन-दर-सधन' राजनीतिक कार्रवाई और आंदोलन की जरूरत होती है. यह सब दो कारणों से बहुत मुश्किल था. पहला यह कि भारतीय जनता पार्टी जैसी धन-शक्ति और राष्ट्रीय स्वयं-सेवक संघ जैसी विराट सांगठनिक शक्ति का जुगाड़ विपक्षी गठबंधन (इंडिया अलायंस) के पास नहीं था. कांग्रेस के पास भी नहीं था. फिर भी इंडिया अलायंस के घटक दल आंदोलन में जाने के लिए तैयार तो थे लेकिन राजनीतिक भरोसे का वातावरण बना नहीं पा रहे थे.

• देश-काल

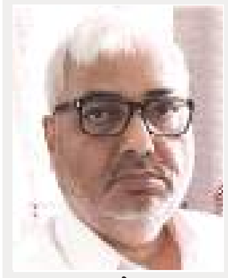

प्रफुल्ल कोलख्यान

याद किया जाना जरूरी है कि से भारतीय जनता पार्टी का राजनीतिक दुस्साहस 2019 के चुनाव परिणाम से आसमान छूने लगा था. भारतीय जनता पार्टी की विभेदकारी प्रवृत्ति और शासकीय नीति भारत की गंगा-जमुनी संस्कृति को तहस-नहस करना शुरू कर दिया. 'सब कुछ' इस तरह से केंद्रीकृत होने लगा कि भारतीय-संस्कृति और इतिहास के जानकार लोग हतप्रभ होते चले गये. यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि राष्ट्रीय स्वयं-सेवक संघ और उसके राजनीतिक संगठन अखिल भारतीय जनसंघ के मन में सक्रिय भारतीय-संस्कृति की एकार्थी और ऐकिक समझ विभेदकारी दृष्टि भरी हुई थी. राष्ट्रीय स्वयं-सेवक संघ को इस बात पर कभी यकीन ही नहीं था कि भारत से ब्रिटिश-हुकूमत की विदाई भी हो सकती है! मगर हो गई. स्वतंत्र भारत के पहले आम चुनाव के ठीक पहले अखिल भारतीय जनसंघ की स्थापना हुई. नव-स्थापित राजनीतिक दल अखिल भारतीय जनसंघ के तीनों संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी, प्रोफेसर बलराज मधोक और दीनदयाल उपाध्याय भारतीय संस्कृति में निहित सहमिलानी तत्व और गंगा-जमुनी संस्कृति के बहुलतावादी स्वभाव से पूरी तरह से अ-सहमत थे. इस नव-स्थापित राजनीतिक का चुनाव चिह्न दीपक था. तब भारत के लोगों को ठीक-ठीक पता था कि इस दीपक में 'रोशनी' बहुत कम और 'जलन' बहुत अधिक है! पहले आम चुनाव में अखिल भारतीय जनसंघ को तीन संसदीय क्षेत्र में जीत मिली थी. भारत के आम लोगों के मन पर राष्ट्रीय स्वयं-सेवक संघ के 'झूठ के प्रयोग' का कोई असर नहीं पड़ा. आजादी के आंदोलन में शरीक राजनीतिक चेतना और दल के लिए राष्ट्रीय स्वयं-सेवक संघ और अखिल भारतीय जनसंघ के साथ किसी भी प्रकार का राजनीतिक संबंध रखना संभव नहीं था. भारत के राजनीतिक दलों के बीच अखिल भारतीय जनसंघ बिल्कुल अलग-थलग था. इंदिरा गांधी के शासन-काल में लगी इमरजेंसी के विरोध में जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में चले राजनीतिक आंदोलन ने अखिल भारतीय जनसंघ के राजनीतिक अलगाव को समाप्त कर दिया. ध्यान में होना चाहिए कि जयप्रकाश नारायण खुद आजादी के आंदोलन के एक बड़े व्यक्तित्व थे. इमरजेंसी के विरोध के आंदोलन और जनता पार्टी सरकार की विफलता के बाद की राजनीतिक परिस्थिति में भारतीय जनता पार्टी का जन्म हुआ. राष्ट्रीय स्वयं-सेवक संघ और पहले के अखिल भारतीय जनसंघ के भारत में राजनीतिक अलगाव के कारणों के सारे चिह्नित बिंदुओं को विलोपित करने की कामयाब कोशिश भारतीय जनता पार्टी ने की. इस कोशिश में नई वैश्विक परिस्थिति और दक्षिण-पंथ की राजनीति के प्रति पूंजीवाद के बढ़ते झुकाव से भी काफी मदद मिली. आजादी के आंदोलन के दौरान संचित राजनीतिक स्मृति पर भी धुंधलापन छाने लगा. भारत के आम लोगों और मतदाताओं की नजर में भारतीय जनता पार्टी और अन्य राजनीतिक दलों के बीच का अंतर मिट गया. जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में इमरजेंसी के विरुद्ध हुए राजनीतिक संघर्ष के दौरान राष्ट्रीय स्वयं-सेवक संघ और अखिल भारतीय जनसंघ को जो वैधता मिली थी. इसका राजनीतिक लाभ बदली हुई राजनीतिक परिस्थिति में भारतीय जनता पार्टी को मिला, लेकिन 2024 तक आते-आते भाजपा की पोल-पट्टी खुलने लगी. नैसर्गिक हिंदुओं को विश्वास हो गया कि संगठित-हिंदुत्व की राजनीतिक दृष्टि भारतीय जीवन के हित के लिए अनिवार्य सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक संतुलन को तहस-नहस करनेवाली है.

मतदाताओं का भरोसा जगाने के लिए जिस तरह की 'सघन-दर-सधन' राजनीतिक कार्रवाई और आंदोलन की जरूरत होती है. यह सब दो कारणों से बहुत मुश्किल था. पहला यह कि भारतीय जनता पार्टी जैसी धन-शक्ति और राष्ट्रीय स्वयं-सेवक संघ जैसी विराट सांगठनिक शक्ति का जुगाड़ विपक्षी गठबंधन (इंडिया अलायंस) के पास नहीं था. कांग्रेस के पास भी नहीं था. फिर भी इंडिया अलायंस के घटक दल आंदोलन में जाने के लिए तैयार तो थे लेकिन राजनीतिक भरोसे का वातावरण बना नहीं पा रहे थे. ऐसे में जाहिर है कि पहल की उम्मीद कांग्रेस पार्टी से ही थी. ऐसे में कांग्रेस के नेता राहुल गांधी की पहलकदमी से अ-विश्वास का वातावरण विश्वास के वातावरण में बदलने लगा. राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा और भारत जोड़ो न्याय यात्रा' ने कमाल कर दिया. 'भारत जोड़ो यात्रा' से जो राजनीतिक माहौल बना उसने 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' को एक बड़े राजनीतिक आंदोलन में बदल दिया.सरकार शासकीय शक्ति का 'उपयोग' करते हुए 25 जून को संविधान हत्या दिवस मनाना चाहती है ताकि वह लोगों को बता सके कि वह जीवित संविधान को नहीं मृत संविधान को बदलना चाहती है. मुश्किल यह कि इसका रास्ता और इस रास्ते पर चलने की ताकत भी संविधान के अलावा और कहीं से नहीं और से नहीं प्राप्त हो सकती है. 25 जून को संविधान हत्या दिवस मनाने की घोषणा जैसी हरकत का मतलब फिर वही है, अर्थात जनता का ध्यान देश की वास्तविक समस्याओं से, देश के असली मुद्दों से भटकाना है.

इंडिया अलायंस को भारतीय जनता पार्टी के द्वारा किये जा रहे भटकाव के प्रयासों से दूर ही रहना चाहिए. एक बात ध्यान में रखना ही चाहिए कि जिस तरह समय ने भारत के लोगों के मन में आजादी के आंदोलन के दौरान अर्जित मूल्य-बोध की आभा को कम किया है, उसी तरह से इमरजेंसी की पीड़ाओं और कष्टों के तीखेपन को भी वक्त ने कम कर दिया है. यह ठीक है कि आजादी के आंदोलन की कहानियां कांग्रेस की कोई राजनीतिक मदद नहीं कर सकती है, तो उसी प्रकार इमरजेंसी की कहानियां भी भारतीय जनता पार्टी के कोई काम नहीं आ सकती है. संविधान हत्या दिवस की घोषणा ध्यान भटकाने के अलावा कुछ नहीं है. कभी गाड़ी पर नाव, तो कभी नाव पर गाड़ी! कभी राजनीति इतिहास बनाती है और कभी इतिहास राजनीति की दशा-दिशा तय करने लगता है. लगता है भारत में इस समय इतिहास राजनीति की दशा-दिशा तय कर रहा है, लेकिन वास्तविक इतिहास तो आम लोगों के हाथ से बनता है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

वैचारिक क्षमता

एक राजमहल के द्वार पर एक वृद्ध भिखारी आया. भिखारी होने के बावजूद उसमें राजा से अधिक अकड़ थी. उसने उसी अकड़ के साथ भीतर प्रवेश करने की कोशिश करने लगा तो द्वारपाल ने उसे रोक दिया. द्वारपाल से उसने कहा, 'तुम इस प्रकार मुझे रोक नहीं सकते. अगर ऐसी कोशिश करोगे तो भारी मुसीबत में पड़ जाओगे और फिर तुम्हें बचानेवाला मेरे सिवा कोई दूसरा नहीं होगा. भीतर जाकर राजा से कहो कि तुम्हारा भाई मिलने आया है.' द्वारपाल उसकी कड़कदार बात सुनकर सहम गया. उसने समझा कि शायद कोई दूर के रिश्ते में राजा का भाई हो. सूचना मिलने पर राजा ने भिखारी को भीतर बुलाकर अपने पास बैठा लिया. उसने राजा से पूछा, 'कहिए बड़े भाई! आपके क्या हालचाल हैं?' राजा ने मुस्कराकर कहा, 'मैं तो आनंद में हूं. आप कैसे हैं? वर्षों बाद आपसे मिल कर खुशी तो हो रही है, लेकिन आपने अपना यह कैसा हाल बना रखा है. भिखारी बोला, 'मैं जरा संकट में हूं बड़े भाई, जिस महल में रहता हूं, वह पुराना और जर्जर हो गया है. कभी भी टूटकर गिर सकता है. मेरे बत्तीस नौकर थे, वे भी एक एक कर चले गए. पांचों रानियां भी वृद्ध हो गईं.' यह सुनकर राजा ने भिखारी को सौ रुपए देने का आदेश दिया. भिखारी ने कहा, 'बड़ भाई, मैं समय के जिस दौर से गुजर रहा हूं, उसमें मात्र सौ रुपए से क्या होनेवाला है? ये तो बहुत कम है. राजा ने कहा, 'इस बार राज्य में सूखा पड़ा है.' तब भिखारी बोला, 'मेरे साथ सात समंदर पार चलिए. वहां सोने की खदानें हैं. मेरे पैर पड़ते ही समुद्र सूख जाएगा. मेरे पैरों की शक्ति तो आप देख ही चुके हैं.' अब राजा ने भिखारी को एक हजार रुपए देने का आदेश दिया. भिखारी के जाने के बाद राजा बोला, 'भिखारी बुद्धिमान था. भाग्य के दो पहलू होते हैं राजा व रंक. इस नाते उसने मुझे भाई कहा. जर्जर महल से आशय उसके वृद्ध शरीर से था, बत्तीस नौकर दांत और पांच रानियां पंचेंद्रीय हैं. समुद्र के बहाने उसने मुझे उलाहना दी कि, राजमहल में उसके पैर रखते ही मेरा खजाना सूख गया, इसलिए मैं उसे सौ रुपए दे रहा हूं. अगर ऐसा नहीं होता केवल सौ रुपये नहीं निकलते. उसकी बुद्धिमानी देखकर मैंने उसे हजार रुपए दिए और कल मैं उसे अपना सलाहकार नियुक्त करूंगा.' कई बार अति सामान्य लगने वाले लोग भीतर से बहुत गहन गम्भीर और कुशल होते हैं, इसलिए व्यक्ति की परख उसके बाह्य रहन-सहन से नहीं, बल्कि वैचारिक क्षमता और चातुर्य भरे आचरण से करनी चाहिए.

भिक्षावृत्ति मुक्त भारत बनाने की राह में चुनौतियां

• विमर्श

हेमलता म्हस्के

अब देश में भीख मांगने पर रोक लगेगी, क्योंकि उनके संरक्षण और पुनर्वास के लिए कोशिश होगी. देश में भिक्षावृत्ति बढ़ती जा रही है और रोकने की कोई ठोस पहल नहीं हुई है. हालांकि, भिक्षावृत्ति के खिलाफ कुछ राज्यों में कानून भी बने हैं, लेकिन वे इसे रोक पाने में सक्षम नहीं हैं. राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने केंद्र और राज्य सरकारों को भिखारियों की स्थिति में सुधार व पुनर्वास की सिफारिश की है. आयोग के महासचिव भरत लाल ने कहा है कि भिक्षा में लगे लोगों की मौजूदगी कमजोर समुदायों के सामने आने वाली चुनौतियों को दर्शाती हैं. भिक्षावृत्ति का कारण सिर्फ गरीबी नहीं है बल्कि यह एक सामाजिक और आर्थिक समस्या है जहां शिक्षा और रोजगार से वंचित लोग अपनी आजीविका के लिए भीख मांगने को मजबूर होते हैं. शहरों में धार्मिक और पर्यटन स्थलों पर भीख मांगने वालों में ज्यादातर महिलाएं, बच्चे, किन्नर, बुजुर्ग और दिव्यांग होते हैं. देश में भीख मांगना एक अहम सामाजिक समस्या रही है, जिसके पीछे गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी, सामाजिक असमानता और दिव्यांगता आदि वजहें हैं.वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, जहां देश में करीब चार लाख से अधिक लोग भिक्षावृत्ति से जुड़े हुए थे. फिलहाल उनकी संख्या बढ़कर करीब 7 लाख पहुंचने का अनुमान है. भिखारियों की संख्या बढ़ने का यह अनुमान केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की ओर से शहरों को भिक्षावृत्ति मुक्त बनाने को लेकर शुरू किए गए अभियान के दौरान लगा है. शहरों में इस अभियान को शुरू करने से पहले इनका सर्वे कराया गया था. हालांकि, यह योजना मौजूदा समय में करीब 30 शहरों में ही चलाई जा रही है, जिसका लक्ष्य 2026 तक भिक्षावृत्ति मुक्त भारत बनाने का है. भारत के राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने आठ प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने को कहा है. सिफारिश के मुताबिक केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय को नगर निगमों और सरकारी एजेंसियों की सहायता से भिक्षावृत्ति में लगे लोगों का एक केंद्रीकृत डेटाबेस बनाने की सलाह दी गई है. आयोग ने भीख मांगने में लगे लोगों के संरक्षण और पुनर्वास पर एक राष्ट्रीय नीति का मसौदा तैयार करने की सिफारिश की है, ताकि लक्षित वित्तीय सहायता, व्यावसायिक प्रशिक्षण, गरीबी उन्मूलन और निरंतर निगरानी और पर्यवेक्षण के साथ रोजगार के अवसरों सहित उनके लिए कल्याणकारी योजनाएं बनाकर कार्यान्वित किया जा सके. आयोग ने कहा है कि

शहरों में इस अभियान को शुरू करने से पहले इनका सर्वे कराया गया था. हालांकि, यह योजना मौजूदा समय में करीब 30 शहरों में ही चलाई जा रही है, जिसका लक्ष्य 2026 तक भिक्षावृत्ति मुक्त भारत बनाने का है. भारत के राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने आठ प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने को कहा है.

सामाजिक सुरक्षा हेतु डिजिटल-प्रिंट मीडिया में जागरूकता अभियान शुरू कर संगठित/जबरन भीख मांगने की समस्या को सभी रूपों में समाप्त किया जाए. आयोग ने कहा है कि संगठित समूह अक्सर कमजोर बच्चों को भीख मांगने के लिए बाध्य करते हैं. कुछ मामलों में बच्चों को भीख के लिये मजबूर करने हेतु उनका अपहरण तक कर लिया जाता है. जबरन भीख मांगने के किसी भी रैकेट पर अंकुश लगाने के लिए मानव व्यापार विरोधी कानून बनाने के लिए एक समाजशास्त्रीय और प्रभावी आर्थिक मूल्यांकन जरूरी है. इस कानून में अपराधियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित हो.आयोग ने इस समस्या के समग्र समाधान हेतु सामाजिक कल्याण हस्तक्षेप, बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच, अधिकारों की रक्षा और उन्हें समाज में फिर से शामिल करने में मदद हेतु मजबूत कानूनी ढांचा बनाने की जरूरत बताई है. आयोग ने कहा है कि भीख मांगने के कारणों को सामने लाने के लिए भिखारियों के सर्वेक्षण, पहचान, मानचित्रण और डेटा बैंक तैयार करना, भिक्षावृत्ति में लगे लोगों का पुनर्वास, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, कानूनी और नीतिगत ढांचा, गैर-सरकारी संगठनों, नागरिक समाज संगठनों, निजी क्षेत्र, धर्मार्थ ट्रस्टों आदि के साथ सहयोग, वित्तीय सेवाओं तक पहुंच, जागरूकता पैदा करना, संवेदीकरण व निगरानी की जाए.आयोग का कहना कि भिक्षावृत्ति में लिप्त लोगों की पहचान प्रक्रिया पूरी होने के बाद, उन्हें शहरों या जिलों में स्थित आश्रय गृहों में लाया जाए. उन्हें निवासियों के रूप में पंजीकृत किया जाए तथा राज्यों/संघ राज्यव क्षेत्रों या अधिकृत एजेंसियों में संबंधित विभागों/ नगरपालिकाओं/ ग्राम पंचायतों द्वारा पहचान पत्र जारी किए जाएं. आश्रय गृह उन्हें उचित आवास और भोजन की सुविधा, कपड़े, स्वास्थ्य सेवा, आधार कार्ड, राशन कार्ड और बैंक खाते खोलने में सहायता सहित अन्य जरूरी सेवाएं मुहैया करे.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

असरदार होंगे यूरोपियन चुनावों के परिणाम

• देशांतर

शुमोना सिन्हा

यूरोपियन चुनाव के नतीजों ने हमें अंदर तक हिलाकर रख दिया है. 9 जून को, जिस बात का हमें सबसे ज़्यादा डर था, वह सच हो गई. रैसम्बलमेंट नेशनल (आरएन) पहले इससे फ्रंट नेशनल (एफएन) के नाम से जाना जाता था. यह 1972 में स्थापित एक दक्षिणपंथी पार्टी है, जो ₹क्रांतिकारी राष्ट्रवाद₹ से प्रेरित है, जो विचारधारा नाज़ी जर्मनी में न्यू ऑर्डर आंदोलन के युवा नव-फ़ासीवादियों ने अपनाई थी – वह 31.37 फीसदी मत पाकर पहले स्थान पर रही है. हालांकि चुनाव-पूर्व सर्वेक्षणों में भी इसी तरह के नतीजे सामने आए थे, लेकिन फिर भी हमारे खून में ठंडक थी, क्योंकि हम फासीवादी ताकतों को हराने की बेसब्री से उम्मीद कर रहे थे, लेकिन यह तो बस एक बुरे सपने की शुरुआत थी. नतीजे आने के एक घंटे के भीतर ही फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने नेशनल असेंबली को भंग करने की घोषणा कर दी, जिसके बाद जल्दबाजी में दो चरणों - 30 जून और 7 जुलाई – को संसदीय चुनाव कराए गए, जिससे यूरोपीय चुनाव में अपनी जीत से उत्साहित दक्षिणपंथी आरएन को जीत का एक खुला अवसर मिल गया था.असहनीय चिंता, वास्तविक आघात और जिसके तुरंत बाद एक ऐतिहासिक जन-आंदोलन हुआ, उसका वर्णन करने से पहले, आइए हम इस बात को परिभाषित करने का प्रयास करें कि "हम" से मेरा क्या मतलब है, जो "उन" यानी आरएन/एफएन से बहुत सदमे में हैं. "हम" का तात्पर्य फ्रांस के लोगों, विभिन्न जातीय मूल के नागरिकों और निवासियों से है – जो उत्तरी अफ्रीका से, उप-सहारा अफ्रीका से, भारत, चीन, जापान, इंडोनेशिया और अन्य सुदूर पूर्वी देशों से, पश्चिम एशिया से, विभिन्न यूरोपीय देशों से, अमेरिका और लैटिन अमेरिका से, लेकिन विशेष रूप से अश्वेत लोगों से है जो यहां आकार बस गए थे..."हम" सभी क्षेत्रों के श्रमिकों, बौद्धिक और शारीरिक श्रम करने वाले, छात्रों, शिक्षकों, पत्रकारों, कलाकारों, लेखकों, गायकों, खिलाड़ियों, शहरों, उपनगरों और गांवों, स्थानांतरित कारखानों और निर्जन खेतों, ध्वस्त अस्पतालों, खतरे में पड़े स्कूलों, खस्ताहाल सार्वजनिक सेवाओं से जुड़े लोगों के लिए खड़े होने वाले हैं.सबसे पहले, गज़ा में नरसंहार के बाद, मेलेचॉन और "इंसौमिस" पार्टी के कई नेताओं और जुझारू लोगों ने इजरायल के राष्ट्रपति बेंजामिन नेतन्याहू और उनकी सुदूर दक्षिणपंथी पार्टी के खिलाफ आरोप जड़े थे. इसने फ्रांसीसी यहूदी समुदाय को विभाजित कर दिया था. कई यहूदी बुद्धिजीवियों और आम लोगों ने आरएन/एफएन के यहूदी विरोधी नरसंहारी डीएनए को भूल गए या भूलना पसंद किया और वामपंथी पार्टी "इंसौमिस" के खिलाफ खड़े हो गए. उनमें से कुछ तो आरएन/एफएन का समर्थन करने के लिए बहुत आगे बढ़ गए, कहने की ज़रूरत नहीं कि वे नीचे गिर गए. हमारे लिए, दूसरों के लिए, स्तब्धता और घृणा का समय था.दूसरा, ऐसी अफ़वाहें भी थीं कि राष्ट्रपति मैक्रों आरएन/एफएन के नेता जॉर्डन बार्डेला को प्रधानमंत्री बनाना चाहते थे. वित्त क्षेत्र के भूतपूर्व कर्मचारी, रोथ्सचाइल्ड एंड सी इन्वेस्टमेंट बैंक के प्रबंध भागीदार – जो बिरला और टाटा के समकक्ष हैं – उस मैक्रों ने कभी हमारा भरोसा नहीं जीता. जब उन्होंने अपनी राजनीतिक पार्टी बनाई, जिसे पहले एन मार्चे कहा जाता था, अब रेनेसां कहा जाता है, तो उन्होंने अपना आदर्श वाक्य " न वामपंथी, न दक्षिणपंथी" घोषित किया था, जो समय के साथ कट्टर-दक्षिणपंथी और घोर वामपंथी विरोधी साबित हुआ. मैक्रों ने लोगों की पीड़ा को भड़काया और बढ़ाया, इस प्रकार उनके गुस्से और विद्रोह को बढ़ाया क्योंकि उन्होंने कई जन-विरोधी आर्थिक नीतियां लागू कीं, जैसे कि सेवानिवृत्ति की आयु बढ़ाकर 64 वर्ष करना, अरबपतियों के लिए वेल्थ टैक्स में कमी करना, सेवाओं और मीडिया का निजीकरण, स्कूलों, अस्पतालों, सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधि संगठनों जैसे सार्वजनिक क्षेत्रों को उनके फंड में कटौती करके नष्ट करना, फ्रांस में आप्रवासन के प्रवाह को नियंत्रित करने के लिए इमिग्रेशन कानून को लागू करना. मैक्रों शासन के दौरान पत्रकारों को नौकरी से निकाल दिया गया, विरोध प्रदर्शन में शामिल मजदूरों, किसानों, छात्रों, नारीवादियों को पुलिस बल द्वारा कुचला गया, लाठियों से पीटा गया, अंधा कर दिया गया और बुरी तरह घायल किया गया. कई बार, अब भंग हो चुकी नेशनल असेंबली में और सार्वजनिक अवसरों पर, राष्ट्रपति मैक्रों और उनकी पार्टी के सदस्यों ने खुले तौर पर आरएन/एफएन और अन्य दक्षिणपंथी पार्टियों और नेताओं के साथ अपनी आत्मीयता दिखाई, वामपंथी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं पर मौखिक हमला किया.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

कई यहूदी बुद्धिजीवियों और आम लोगों ने आरएन/एफएन के यहूदी विरोधी नरसंहारी डीएनए को भूल गए या भूलना पसंद किया और वामपंथी पार्टी "इंसौमिस" के खिलाफ खड़े हो गए. उनमें से कुछ तो आरएन/एफएन का समर्थन करने के लिए बहुत आगे बढ़ गए, कहने की ज़रूरत नहीं कि वे नीचे गिर गए. हमारे लिए, दूसरों के लिए, स्तब्धता और घृणा का समय था.

मीडिया में अन्यत्र

फुटबॉल : कोपा अमेरिका और यूरोप चैंपियन

फुटबॉल के आदर्शवादी किस्म के शौकीनों की लंबे समय से यह चिंता रही है कि अंतरराष्ट्रीय खेल की लोकप्रियता को क्लब धीरे-धीरे कम कर रहे हैं. बेशुमार दौलत वाली फ्रेंचाइजी अंतरराष्ट्रीय बाजार से बेहतरीन खिलाड़ियों को खरीदती हैं, जबकि राष्ट्रीय टीमों को अपने बंद दायरों में ही काम करना पड़ा और जहां भी बेहतरीन हुनर जाता है, खेल अपने आप बेहतर होता है और लंबे क्लब सत्र रणकौशल विकसित करने, शैली निर्मित करने और इस तरह दर्शकों की रुचि बदलने के लिए भरपूर वक्त मुहैया कराते हैं. इसके बावजूद, रविवार को बर्लिन और मियामी में जो घटित हुआ उसने दिखाया कि आज भी एक फुटबॉल प्रेमी के भीतर भावनाओं का जो सैलाब अंतरराष्ट्रीय सफलता ला सकती है, वह कोई और नहीं. यूरोपियन चैंपियनशिप में स्पेन की चौथी बार और कोपा अमेरिका में अर्जेंटीना की 16वीं बार जीत ने इन देशों को उन्माद भरे जश्न में डुबो दिया. साथ ही, परास्त इंग्लैंड (लगातार दूसरे संस्करण में) और कोलंबिया गहरे शोक में चले गये. स्पेन को यह जीत लुइस डे ला फुएंते से मिले शातिर प्रशिक्षण और आक्रामक खेल शुरू करने (प्लेमेकिंग) के माहिर रोड्री के सौजन्य से मिली. यह टीम अनुभव और युवा जोश का आदर्श मिश्रण थी. इसने सर्वश्रेष्ठ फुटबॉल खेला और एक के बाद एक दिग्गज टीमों जर्मनी, फ्रांस और इंग्लैंड को हराया. लियोनल स्केलोनी के निर्देशन और लियोनल मेसी की कप्तानी वाले अर्जेंटीना को तीन नॉक-आउट मैचों में से दो को जीतने के लिए पेनाल्टी शूटआउट और अतिरिक्त समय की जरूरत पड़ी. इन दो महाद्वीपीय प्रतिस्पर्धाओं में नौजवानों द्वारा सांस रोक देने वाला प्रदर्शन देखने को मिला. इनमें स्पेनिश विंगर लामिन यमाल (17) व निको विलियम्स (22), जर्मन अटैकर जमाल मुसियाला (21), वेनेजुएला के डिफेंडर जॉन अरामबुरू (21) और ब्राजील के फॉरवर्ड सविन्हो (20) उल्लेखनीय हैं. जॉर्जिया और तुर्की ने जबरदस्त रफ्तार वाले आक्रामक फुटबॉल से मंत्रमुग्ध किया, जबकि पदार्पण के साथ ही कनाडा का कोपा के सेमीफाइनल तक पहुंचने का सफर शानदार रहा. जेम्स रोड्रिग्ज से प्रेरित कोलंबियाई टीम ने, 2022 के विश्व कप से बाहर रहने के बाद, कोपा फाइनल तक पहुंचकर अपने गम को कम किया. हालांकि, पिछली बार के यूरो चैंपियन इटली और बिना नेमार वाले ब्राजील ने निराश किया. सेमीफाइनलिस्ट फ्रांस के किलियन एम्बाप्पे ज्यादातर मामूली ही रहे. इन टूर्नामेंटों के साथ जर्मनी के टोनी क्रूस और अर्जेंटीना के एंजेल डी मारिया के अंतरराष्ट्रीय कैरियर का समापन हुआ.

(द हिंदू)

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

नाम/नीम

उनका पूरे देश में नाम है. कई लोगों के स्वभाव नाम के विपरीत होते हैं. करैले पर नीम चढ़ा. नीम हकीम खतरे जान. इन वाक्यों में दो शब्द प्रमुखता से आ रहे हैं-नाम और नीम. ये दोनों शब्द 'न' और 'म' से बने हैं. न में आकार की मात्रा लग जाये तो नाम और दीर्घ ई की मात्रा लग जाये तो नीम. नाम और नीम दोनों संज्ञा पुलिंग शब्द हैं. जब हम सहस्रनाम, हरिनाम, उपनाम जैसे शब्दों को देखते हैं तो नाम संस्कृत तत्सम और बदनाम, हमनाम, गुमनाम आदि शब्दों के अनुसार फारसी. यानी नाम शब्द हिंदी में भी है और फारसी भाषा में भी. यह नेम के रूप में अंग्रेजी में भी विराजमान है. विश्व की अन्य भाषाओं में भी नाम शब्द किसी न किसी रूप में उपस्थित है, खोज-बीन करने पर इस तथ्य की पुष्टि हो जाती है. शब्दकोशों के अनुसार नाम का मतलब है पहचान के लिए दिया जाने वाला शब्द, किसी व्यक्ति, वस्तु आदि का सूचक शब्द, संज्ञा, अभिधान, यश ख्याति, प्रतिष्ठा, इज्जत, शोहरत, प्रसिद्धि, यादगार, स्मृति चिह्न. नाम से बना मुहावरा है नाम उछलना. मतलब बदनामी होना, नाम उछालना यानी बदनाम करना, नाम न लेना यानी अलग कर बैठना, नाम पर बैठना यानी किसी के भरोसे बैठे रहना, नाम लगाना यानी दोष मढ़ना. नाम की तरह ही नीम भी हिंदी और फारसी दोनों भाषाओं मे उपलब्ध है और कोई ऐसा हिंदीभाषी नहीं होगा, जो नाम और नीम दोनों शब्दों से अपरिचित हो. संस्कृत से आये नीम का मतलब है एक प्रसिद्ध पेड़, जिसके फल, बीज, पत्तियां आदि सभी कड़वे होते हैं, जिनसे अनेक प्रकार की औषधियां बनायी जाती हैं. पर्यावरण को शुद्ध करने में भी नीम पेड़ की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है. फारसी मूल के नीम शब्द का अर्थ अलग ही होता है. जैसे अर्ध, आधा, थोड़ा-बहुत, हल्के रंग के संबंध में, मध्य, बीच. नीम हकीम का नीम फारसी ही है, जिसका मतलब है अधकचरा ज्ञान रखनेवाला वैद्य.

भले चंगे आदमी का गड्ढे में गिरना

• तीर-तुक्का

डॉ. सुरेंद्र कुमार वर्मा

किसी भी गड्ढे का मकसद यह नहीं होता कि कोई आये और गिर जाये, लेकिन जब कोई भला-चंगा आदमी अनजाने में गिर जाता है तो गड्ढे को भी बहुत तकलीफ होती है. मैंने ऐसा ज्ञानी जनों के मुखारविंद से सुन रखा है. किसी गड्ढे को तकलीफ हो या न हो, लेकिन इस कड़वा सच को स्वीकार करना ही पड़ेगा कि किसी भी आदमी का गड्ढे में गिरना बड़ा स्वाभाविक है. आदमी निराशा के गर्त में, दुःख के गर्त में. अक्सर गिर जाता है. बड़ा मुश्किल होता है निकल पाना. एक बार आदमी अवसाद के गर्त में गिरा नहीं, अच्छे अच्छे मनोचिकित्सकों के भी उसे गर्त से निकालने में पसीने छूट जाते हैं. कभी कभी इंसान के दांतों में इतनी तकलीफ होती है कि उसे कोई न कोई दांत निकलवाना ही पड़ जाता है. जो भी दांत निकलता है, बस वहीं एक गड्ढा पड़ जाता है. लेकिन गालों पर कुदरती गड्ढे बड़े लुभावने होते हैं. कहते हैं बीकानेर के रेगिस्तान में हाल ही में एक बड़ा सा गड्ढा, लगभग चालीस फीट का, बन गया. रात को सोकर सुबह उठे और लोगों ने देखा एक बड़ा सा गड्ढा बना हुआ है. यह गड्ढा कैसे बन गया, कोई नहीं जानता. कम से कम मानव निर्मित तो नहीं था. कुछ सोते हुए लोगों का कहना है कि रात में आकाश से एक चमकता हुआ गोला-सा उठा और गिर गया. शायद कोई उल्कापात हो. गड्ढे का रहस्य आज भी बना हुआ है. एक गड्ढा है, जिसे 'कोला सुपर डीप होल' कहा गया है. यह दुनिया का सबसे बड़ा गड्ढा है. कहते हैं रूस लगभग बारह किलोमीटर तक इसकी खोज में नीचे उतरा. वहां इसकी गरमी एक सौ अस्सी सेंटीग्रेड थी–असहनीय. वहां तक पहुंचते पहुंचते रोने-चीखने जैसी कुछ आवाजें भी सुनाई दीं. लोगों का विश्वास है कि ये आवाजें नरक में पडी आत्माओं की आवाजें हैं. गड्ढा हमेशा के लिए सील कर दिया गया है. भारत में हम पाताल लोक की कल्पना करते हैं. अपने इह-लोक के नीचे और नीचे उतरते जाइए तो पाताल लोक मिलेगा. पाताल लोक इस लोक का सबसे गहरा गड्ढा है. किसी ने देखा नहीं है, पर इसके अस्तित्व के बारे में विश्वास पक्का है. शायद बहक गया. इह-लोक के नीचे का नहीं, इसी लोक के जो गड्ढे हैं, मैं उनकी बात कर रहा था. बड़े करामाती हैं ये गड्ढे. इन्हें बनाया जाता है. इन्हें खोदा जाता है. ज़रूरत नहीं रहती तो इन्हें भर भी दिया जाता है, पाट दिया जाता है. इन्हें कभी कभी जानबूझ कर, कभी अनजाने ही, खुला भी छोड़ दिया जाता है. गड्ढों में लोग गिरते हैं, फंस जाते हैं. निकल आते हैं, हंसते हैं. गड्ढों का निर्माण-विनिर्माण हमारा राष्ट्रीय खेल है. हमारी अपनी यूनिक पहचान हैं.

लाइफ लाइन

हटाएं खूबसूरती पर दाग बनता मस्सा

डॉ रजनी शर्मा
डीएमबीएस, बीएमबीएस

यूं तो खूबसूरती में चार चांद लगाता छोटा सा तिल या मस्सा अच्छा लगता है पर यही जब बड़ा और बेतरतीब रूप में चेहरे में अथवा शरीर के दिखने वाले अंगों में निकलता है तब बेहद भद्दा लगने लगता है. कई मस्से कष्टकारी एवं दर्द देने वाले भी होते हैं जिनसे रक्तस्राव भी होता है. आईए जानते हैं क्या है मस्से, उसके होने के कारण, मस्से के विभिन्न प्रकार, उनसे बचाव के तरीके तथा उसके लिए उपयोगी दवाइयां..

- **मस्सा बनने का कारण**

ऐसे तो मस्सा बनने का कोई निर्धारित कारण नहीं है पर किसी-किसी व्यक्ति में किसी विशेष विटामिन की कमी होने से मस्सा हो जाता है. त्वचा की साफ सफाई एवं देखभाल नहीं करने से भी मस्से उत्पन्न हो जाते हैं. शरीर में विषैला तत्वों की बढ़ोतरी होने से छोटे-छोटे मस्से बड़ी संख्या में निकल जाते हैं. ह्यूमन पेपिलोमावायरस (एचपीवी) के कुछ स्ट्रेन मस्से का कारण बनते हैं. इसका वायरस आपकी त्वचा में छोटे-छोटे कटों के ज़रिए प्रवेश कर सकता है और अतिरिक्त कोशिका वृद्धि का कारण बन सकता है. इसकी वजह से त्वचा की बाहरी परत मोटी और सख्त हो जाती है, जिससे धीरे धीरे मस्सा बन जाता है.

- **मस्से के कई प्रकार**

मस्से कई प्रकार के होते हैं कोमल, कठोर, गोभी फूल के समान गुच्छे में, एक साथ बड़ा छोटा मस्सा, कार्बोंकल, अल्सर युक्त मस्सा, पोलिप, ट्यूबर्कलस्, खुरदुरे, बड़े-बड़े ,टेढ़े-मेढ़े, रक्तस्राव होने वाले मस्से, लटकाने वाले मस्से, होठों के ऊपर बड़े-बड़े मस्से, नाक के ऊपर बड़े-बड़े मस्से, ठोड़ी पर मस्से, झुंड के झुंड में निकलने वाले मस्से, सर के पीछे दाने, मांस के समान लटकने वाले मस्से, कठोर सिंगदार बने हुए, नोकदार मस्से, चुभने वाले मस्से, सूजन तथा जख्म वाले मस्से, ऐसे छोटे-छोटे बहुत सारे मस्से जिनकी जड़ मुलायम हो तथा शिखर कठोर हो, बहुत सारी संख्या में गर्दन पर, बाहों पर, पलकों पर, चेहरे पर होने वाले छोटे-छोटे मस्से, हथेली के अगले भाग में, हथेली के पिछले हिस्से में, उंगलियों के पोरों पर, उंगलियों के साइड में होने वाले मस्से पैर के नीचे खुरदुरे तथा गांठ नुमा दर्द युक्त मस्से या खुरांठी, पुरुष के लिंग, लिंग के अग्रभाग पर होने वाले मस्से तथा स्त्री की योनि तथा जननेइंद्रिय के अग्रभाग पर होने वाले बड़े-बड़े कठोर तथा काले मस्से, छूने पर दर्द होने वाले मस्से आदि मस्सों के भिन्न-भिन्न प्रकार हैं.

- **मस्से के कई रंग**

मस्से कई रंग के होते हैं जिनमें मुख्यतः काले, लाल, भूरे, पीले, त्वचा के रंग के मस्से खास कर देखे जाते हैं.

- **मस्से से बचाव**

मस्से से बचाव के लिए अपनी साफ सफाई का काफी ध्यान रखना चाहिए जिन स्थानों पर मस्से निकालने की शुरुआत हो वहां घरेलू उपचार के माध्यम से कच्चा हल्दी, उबटन, एलोवेरा जेल इत्यादि का प्रयोग कर त्वचा को साफ करना चाहिए. खानपान में सावधानी बरतते हुए पौष्टिक आहार फाइबर युक्त आहार लेना चाहिए जिससे शरीर के विषैले तत्वों का शमन हो सके.

- **मुख्य होम्योपैथी बायोकेमिक दवाएं**

होम्योपैथिक दवाओं में थूजा, कैल्केरिया कार्ब,कास्टिकम, नाइट्रिक एसिड, नैट्रम कार्ब, सल्फर, नेट्रम म्यूर, काली म्यूर, सीपिया, साइलिशिया, एन्टिमोनिम क्रुड, सीपिया, एन्टिम टार्ट,कास्टिकम, ग्रेफाइटिस आदि महत्वपूर्ण दवाएं हैं. बाह्य उपयोग के लिए मस्से पर लगाने हेतु थूजा मदर टिंचर का इस्तेमाल किया जाता है.

बायोकेमिक दवाओं में नेट्रम म्यूर, नेट्रम सल्फ, काली म्यूर, साइलीशिया, कैल्केरिया फ्लोर,काली म्यूर आदि महत्वपूर्ण दवाएं हैं. ध्यान रखें कि ये दवाएं कुशल चिकित्सक की देखरेख में परामर्श अनुसार ही लें.

ये घुसपैठिए घोल रहे हमारी जिंदगी में कैंसर

2020 में भारत में मिले कैंसर के 14 लाख नए मरीज

2025 तक कैंसर के 15 लाख 70 हजार मरीज होने का अनुमान

2040 तक 20 लाख नए कैंसर मरीज होने का अनुमान

डॉ गुंजेश कुमार सिंह
एचओडी, अंकोलॉजी डिर्पाटमेंट, मेडिका, रांची

एक ताजा रिपोर्ट में भारत को दुनिया का कैंसर कैपिटल कहा गया है. इस रिपोर्ट के मुताबिक 2020 में भारत में कैंसर के 14 लाख नए मरीज मिले थे. 2025 तक यह आंकड़ा 15 लाख 70 हजार मामलों तक पहुंचने का है और 2040 तक यह अनुमान 20 लाख नए कैंसर मामलों तक पहुंचने का है. आंकड़ों को छोड़ भी दें तो अपने आसपास, परिवार, परिचित, अड़ोस-पड़ोस में किसी शख्स के अचानक से कैंसर पीड़ित होने की सूचना हमें मिलती है और ऐसे कुछ केस में हम प्रियजन को खोने का दंश भी झेल रहे. जो इलाजरत हैं या इलाज से उबरे हैं, उनके तन-मन पर ही नहीं, धन पर भी अत्यधिक चोट-कष्ट को देखा गया है.

क्यों बढ़ रहे कैंसर के मामले

आखिर क्यों बढ़ रहा देश में कैंसर का केस! क्यों कैंसर कैपिटल जैसे दुर्भाग्यपूर्ण शब्द से जुड़ रहा अपने देश का नाम! इसके पीछे कई कारण जिम्मेदार हैं. हमारी लाइफस्टाइल, पर्यावरण में बदलाव, सामाजिक और आर्थिक चुनौतियां कारणों की लंबी सूची है. तंबाकू का सेवन छूटने या कम होने की जगह नए-नए अंदाज में बढ़ता ही जा रहा. इसी कारण फेफड़े, मुंह और गले के कैंसर को बढ़ावा दे रहा है. वायु प्रदूषण से कारण भी कैंसर पैदा करने वाले कण हमारे शरीर में चले जाते हैं और कई तरह के कैंसर बनने का खतरा बढ़ा देते हैं. प्रोसेस्ड फूड, पैकेट बंद फूड का इस्तेमाल इतना बढ़ा है कि कोई एक दिन भी बिना इसके गुजरे, ऐसा संभव नहीं लगता. इस कारण खास तौर पर गले का कैंसर हो रहा. मशीनों व सुविधाओं के इजाफा के कारण शारीरिक मेहनत वाले काम कम हो गए हैं. ऐसे में मोटापा आम समस्या है. इस कारण स्तन कैंसर, कोलेरेक्टल कैंसर बढ़ रहे हैं. नौकरियों, करियर में प्रतिस्पर्धा बढ़ी है, लिहाजा शादियां अधिक उम्र में हो रही हैं. बच्चों को अधिक उम्र में जन्म दिया जा रहा, माएं बच्चों को अपना दूध नहीं पिला पा रहीं. इन सबका असर हमारे स्वास्थ्य, हमारे शरीर पर पड़ रहा. मॉलीक्यूलर लेवल पर बॉडी वीक हो रही है. कैंसर के मामले बढ़ रहे हैं, पर हम सही समय पर इसकी पहचान नहीं कर पाते. देर से इलाज शुरू होता है, इस कारण यह भयानक रूप ले रहा.

कैंसर को बढ़ाने वाले दुश्मन

प्लास्टिक के बर्तन

यदि आप ओवन में खाना गर्म करके खाते हैं, तो प्लास्टिक के बर्तनों आदि का इस्तेमाल न करें क्योंकि प्लास्टिक से एंडोक्रिन डिस्ट्रक्टिंग नामक खतरनाक केमिकल निकलता है, जो खाने के साथ घुलकर शरीर में चला जाता है. इससे कैंसर की आशंका बढ़ती है. प्लास्टिक के बॉटल में पानी पीना या प्लास्टिक के कप में चाय पीना भी खतरा बढ़ाता है.

टी बैग

इन दिनों टी बैग का इस्तेमाल आम है, खासतौर पर सेहत के लिए लोग ग्रीन टी के टी बैग ही उपयोग करते हैं. लेकिन ये टी-बैग कैंसर की आशंका को बढ़ाता है. दरअसल इसमें एपिक्लोरो हाइड्रिन और डाईऑक्सिन नामक एक रसायन होता है, जो गर्म पानी में घुल जाता है और आगे कैंसर का कारण बन सकता है.

शैंपू/हेयर स्ट्रेनर

बालों को सिल्की करने और चिकना करने के लिए कई प्रकार के केमिकल युक्त उत्पादों का प्रयोग किया जाता है, जिसमें फॉर्मेल्डिहाइड और फॉर्मेल्डिहाइड-रिलीजिंग जैसे रसायनों पर एफडीए का प्रतिबंध है. इनका इस्तेमाल कैंसर के खतरे को बढ़ाता है. स्ट्रेटनर में पाए जाने वाले कई रसायन जैसे पैराबेंस, बिस्फेनॉल ए, मेटल और फॉर्मेल्डिहाइड बहुत ही खतरनाक होते हैं और इससे कैंसर होने की आशंका रहती है.

नेल पॉलिश

नेल पॉलिश और नेल पेंट रिमूवर जैसे सौंदर्य उत्पादों में टोल्यूनि, फॉर्मेल्डिहाइड, एसीटोन जैसे रसायन पाए जाते हैं जो बहुत जहरीले होते हैं और इस कारण कैंसर होने की आशंका बनी रहती है.

नॉन स्टिक बर्तन

जब नॉन-स्टिक बर्तनों को बहुत अधिक गरम किया जाता है, तो पीएओए और पीएफओएस रसायन टूट सकते हैं और हवा में निकल सकते हैं. इन रसायनों को सांस लेने से कैंसर का खतरा बढ़ सकता है. अगर नॉन-स्टिक कोटिंग में खरोंच हो जाती है, तो पीएफओए और पीएफओएस भोजन में प्रवेश कर सकते हैं और शरीर द्वारा अवशोषित किए जा सकते हैं. नॉनस्टिक बर्तन में खाना जल जाए तो एकदम न खाएं क्योंकि इसमें एक्रिलामाइड नाम का केमिकल बनने लगता है और ये कैंसर का कारण बनता है.

फ्रोजन फूड

फ्रोजन या पैकेटबंद फूड खाने से कैंसर का खतरा बढ़ सकता है. रिसर्चों से पता चलता है कि फ्रोजन फूड, खासतौर से फ्रोजन मीट खाने से पैनक्रिएटिक कैंसर की संभावना बढ़ जाती है. फ्रोजन हॉट डॉग, मसालेदान नॉनवेज और सॉस खाने से कैंसर का खतर 65 फीसदी तक बढ़ जाता है.

झारखंड के औषधीय वृक्ष

कफ, पित्त, रक्त विकार में लाभप्रद है चिरौंजी

अनिल कुमार पाठक
पारंपरिक चिकित्सक

झारखंड में इसे आम तौर पर पियार के नाम से जाना जाता है. हिंदी में और बंगाल में पियाल, चिरौंजी के नाम से पुकारते हैं. लैटिन में बुचानिया लेट्रिफोलिया कहते हैं. इसके फल में विटामिन सी प्रचुर मात्रा में पाया जाता है. गर्मी के मौसम में इसका फल मिलता है. कफ, पित्त, रक्त विकार में लाभ पहुंचाता है. हृदय को प्रिय, पोषक और कफनिःसारक है. दुर्बलता और रोग में देते हैं. झारखंड में आप यदा-कदा दोना, पत्तल में 20 रुपया दोना बिकते हुए दिख जाता है. इसके सेवन के बाद, गुठली को फोड़ कर भीतर का मीग यानि दाना खाने में काफी स्वादिष्ट और पौष्टिक होता है. बाजार में इसके बीजों को फोड़ कर चिरौंजी नामक मीग की बिक्री होती हैं और यह महंगा मिलता है.

चिरौंजी नामक औषधीय वृक्ष यानि पियार या पियाल नामक वृक्ष अव्यवहारिक दोहन के चलते विलुप्त होती जा रही है.

इसके पत्ते लगभग दस इंच लंबे और चार इंच चौड़ा होता है, अग्रभाग अंडाकार होता है. तना स्थूल सीधा और ऊंचा होता है, शाखाएं चारों तरफ़ फैली हुई रहती है.

पत्र अखण्ड होते हैं, पत्र की ऊपरी सतह कर्कश और नीचे की सतह कोमल होती है. पत्ते का गठन कठिन और सुंदर होता है. इसके शाखाओं के अग्र भाग में फूल लगते हैं जो श्वेत व पीत वर्ण के अधिक संख्या में लगते हैं. फूल की आकृति छोटी होती है. फल मटर के आकार में या थोड़ी सी बड़ी होती है जो पकने पर काला या लालिमा लिए हुए काला होता है.

तीस वर्ष पहले झारखंड के देहाती क्षेत्रों के निवासियों के लिए आय का आ एक साधन था, आज भी है पर ना के बराबर. अनावश्यक कटाई, दोहन, अव्यवहारिक रूप से फल का दोहन के चलते यह वृक्ष भी वन से विलुप्त होता जा रहा है.

चूंकि यह पोषक तत्व से भरपूर है. इसलिए इसका संरक्षण और संवर्धन होना चाहिए. जिस तरह से यह एक लोकप्रिय वृक्ष और फल है उस अनुपात पर संरक्षण और संवर्धन पर काम अभी तक नही हुआ है.

(औषधीय पौधा के खेती एवं संवर्धन संरक्षण के जानकार)

ये हेल्दी फूड्स रखेगा दिल को दुरुस्त

डॉ मनीषा घई
सीनियर कंसल्टेंट डाइटीशियन

एक-दशक पहले तक हृदय रोगों को उम्र बढ़ने के साथ होने वाली समस्याओं के तौर पर देखा जाता रहा था, हालांकि अब कम उम्र के लोगों- बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में इसका खतरा देखा जा रहा है. आईसीएमआर के एक अध्ययन में देखा गया कि कोविड-19 के बाद सडेन हार्ट अटैक के मामले काफी तेजी से बढ़े हैं. संक्रमण के दुष्प्रभावों के कारण कम उम्र के लोग भी इसके शिकार रहे हैं. कोविड के शिकार या जिन्हें संक्रमण नहीं भी हुआ उनमें भी इसका जोखिम देखा जा रहा है. अन्य कारणों के अलावा बदली लाइफस्टाइल व खानपान भी इसके लिए जिम्मेदार हैं. खानपान में फाइबर, एंटी-ऑक्सिडेंट्स युक्त फूड्स का सेवन करके शरीर में गुड कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाया जा सकता है और इससे दिल स्वस्थ रहेगा. आइए, आज ऐसे ही खानपान की करें चर्चा...

- **हरी पत्तेदार सब्जियां**

दिल के रोग से बचाव चाहते हैं तो आहार में प्रतिदिन हरी पत्तेदार सब्जियां पर्याप्त मात्रा में जरूर शामिल करें. ये न केवल फाइवर के स्रोत होते हैं, बल्कि इनमें आयरन, कैल्शियम, फाइबर, पोटैशियम, कई विटामिन जैसे पोषक तत्वों होते हैं. इनका नियमित स ेव न हृदय रोग के खतरे को कम करने में मदद करता है.

- **बेरीज**

दिल की सेहत के लिए आप नियमित रूप से स्ट्रॉबेरी, ब्लूबेरी, ब्लैकबेरी खा सकते हैं. ये हृदय को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं. बेरीज में एंथोसायनिन जैसे एंटीऑक्सीडेंट भी भरपूर मात्रा में होते हैं जो ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और सूजन से बचाते हैं जो हृदय रोग के विकास में योगदान कर सकते हैं. एंथोसायनिन का अधिक सेवन हृदयाघात और हाई ब्लड प्रेशर सहित कोरोनरी धमनी रोग के जोखिम को कम कर सकता है.

- **अखरोट**

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने पर कई मेवों के सेवन पर रोक लग जाती है लेकिन अखरोट को दिल के लिए लाभकारी माना जाता है. अखरोट फाइबर और मैग्नीशियम, तांबा और मैंगनीज जैसे सूक्ष्म पोषक तत्वों का एक बड़ा स्रोत है. अखरोट कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करता है. जो दिल के लिए फायदेमंद है. इसके सेवन से आप हार्ट संबंधी समस्याओं से बच सकते हैं.

- **डार्क चॉकलेट**

डार्क चॉकलेट में फ्लेवोनोइड्स जैसे एंटी-ऑक्सिडेंट गुण पाए जाते हैं जो हृदय स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और हृदय से जुड़ी बीमारियों को कम करने में मददगार है. सीमित मात्रा में डार्क चॉकलेट का सेवन दिल की बीमारियों की आशंका को कम करता है.

- **ग्रीन टी**

ग्रीन टी का नियमित सेवन हृदय रोग की आशंका को कम करता है. ग्रीन टी दरअसल पॉलीफेनोल्स और कैटेचिन से भरी होती है, जो दिल को स्वस्थ रखने में मदद करती है. इसमें एंटी ऑक्सिडेंट गुण पाए जाते हैं, जो फैट्स को कम करने में सहायक है. इसके पॉलीफेनोल और कैटेचिन कोशिका क्षति को रोकने, सूजन को कम करने और आपके हृदय के स्वास्थ्य की रक्षा करने के लिए एंटीऑक्सिडेंट के रूप में कार्य कर सकते हैं.

- **फैटी फिश**

फैटी फिश ओमेगा -3 फैटी एसिड से भरपूर होती हैं जो दिल को स्वस्थ रखने में अहम भूमिका निभाता है. अगर आप मीट-मछली खाते हैं तो नियमित मछली का सेवन आपको हृदय संबंधी बीमारियों से बचा सकता है. खासकर साल्मन, मैकेरल, सार्डिन और टूना जैसी मछली का सेवन लाभप्रद है.

फ्राई करने के लिए कर रहे हैं बचे तेल का उपयोग!

भारतीय रसोई में तलना या फ्राई करना आम है, चाहे पूरी तलें या पकौड़ा या फिर पुए-गुझिए. विदेशी व्यंजनों में भी फ्रेंच फ्राई आदि बनाने के लिए तेल में तलने की दरकार होती है. बर्तन में ऐसी स्थिति में तेल बचना लाजिमी है जिसे ज्यादातर घरों में बाद में इस्तेमाल के लिए रख लिया जाता है. ऐसे में अक्सर ऐसा होता है कि हम खाना बनाते वक्त बचे हुए तेल का इस्तेमाल तब तक करते रहते हैं जब कि वो पूरी तरह खत्म नहीं हो जाता. लेकिन यह आपके लिए हानिकारक हो सकता है. यह हम नहीं कह रहे, बल्कि आईसीएमआर के विशेषज्ञों ने इस बाबता गाइडलाइन जारी की है.

- **क्या है मामला**

इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) ने हाल ही में जारी दिशानिर्देशों में वनस्पति तेल या किसी भी प्रकार के तेल को 'बार-बार गर्म करने' के प्रति सावधानी बरतने की सलाह दी है और इसे कई बीमारियों को कारक बताया है. चिकित्सा अनुसंधान निकाय ने कहा कि वनस्पति तेलों को बार-बार गर्म करने से उसमें जहरीले कंपाउंड पैदा हो सकते हैं जो हृदय रोग और कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियां का खतरा बढ़ाते हैं.

- **बार-बार तेल गर्म करने से कैंसर, हृदय रोग हो सकता है**

आईसीएमआर के दिशानिर्देशों में कहा गया है कि खाना पकाने के लिए वनस्पति तेलों का बार-बार इस्तेमाल करने का चलन घरों और बाहर खाद्य पदार्थ बनाने वाले वेन्यू, दोनों ही जगह बहुत आम है. रिपोर्ट के अनुसार, वनस्पति तेलों/वसा को बार-बार गर्म करने से ऐसे यौगिकों का निर्माण होता है जो हानिकारक/विषाक्त होते हैं और हृदय रोगों और कैंसर के खतरे को बढ़ा सकते हैं. उच्च तापमान पर तेल में मौजूद कुछ वसा ट्रांस वसा में बदल जाते हैं. ट्रांस वसा एक हानिकारक वसा है जो हृदय रोग के खतरे को बढ़ाते हैं. जब तेलों का दोबारा उपयोग किया जाता है तो ट्रांस वसा की मात्रा बढ़ जाती है.

- **इनमें कर सकते इस्तेमाल**

समोसे तलने के लिए हलवाई प्रतिदिन उसी तेल का उपयोग करता है, जो हानिकारक है. लेकिन आईसीएमआर की मानें तो घर में तलने के बाद बचे तेल का उपयोग हम अगर सब्जी बनाने में करते हैं तो उतना घातक नहीं है. लेकिन अगर तेल में फ्राई करने के बाद दोबारा फ्राई करने के लिए उस तेल का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए. साथ ही दुबारा इस्तेमाल करते हैं तो महज एक-दो दिन के भीतर तेल खत्म कर लें, उसके बाद बचे तेल का उपयोग ना करें.

- **विशेषज्ञों ने भी चेताया**

वनस्पति तेलों को बार-बार गर्म करने से ट्रांस वसा और एक्रिलामाइड जैसे हानिकारक यौगिकों का निर्माण हो सकता है, जो कैंसर के बढ़ते खतरे से जुड़े हैं. इसके अतिरिक्त तेल को दोबारा गर्म करने और दोबारा उपयोग करने से हानिकारक फ्री रैडिकल्स और अन्य विषाक्त पदार्थों का संचय हो सकता है जो सूजन, हृदय रोगों और लिवर की क्षति में योगदान करते हैं. इन जोखिमों से बचने के लिए एक ही तेल का कई बार उपयोग करने से बचना महत्वपूर्ण है और इसके बजाय हाई स्मोक वाले तेलों का उपयोग करना चाहिए जैसे कि एवोकाडो या कुसुम तेल.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

दुनिया के 10 हजार से भी अधिक एथलीट पदक जीतने की दावेदारी पेश करेंगे

16 खेलों में मेडल की दावेदारी पेश करेंगे भारत के 117 खिलाड़ी

भाषा। नयी दिल्ली

खेलों का महाकुंभ जल्द शुरू होने वाला है. साल 2024 में पेरिस 33वें ओलंपिक खेलों की मेजबानी करने जा रहा है. यहां दुनिया के 10 हजार से भी अधिक एथलीट पदक जीतने की दावेदारी पेश करेंगे. नीरज चोपड़ा से लेकर मीराबाई चानू और निखत जरीन के रूप में विश्व स्तरीय बॉक्सर से भारत को पदक की उम्मीद होगी. पेरिस ओलंपिक में भारत के 117 खिलाड़ी भाग लेंगे. पेरिस ओलंपिक 2024 की शुरुआत 26 जुलाई से होगी और ये खेल 11 अगस्त तक चलेंगे. पिछली बार भारत ने एक स्वर्ण, 2 रजत और 4 कांस्य पदक जीते थे.

पेरिस ओलंपिक की शुरुआत 26 जुलाई से होगी और खेल 11 अगस्त तक चलेंगे

पेरिस ओलंपिक 2024: भारतीय खिलाड़ियों की पूरी लिस्ट

- **तीरंदाजी :** दीपिका कुमारी, धीरज बोम्मदेवरा, प्रवीण जाधव, तरुणदीप राय, भजन कौर, अंकिता भगत
- **एथलेटिक्स :** नीरज चोपड़ा, किशोर जेना, अब्दुल्ला अबुबकर, मोहम्मद अनस, मुहम्मद अजमल, अक्शदीप सिंह, विकास सिंह, परमजीत सिंह बिष्ट, प्रियंका गोस्वामी, अविनाश साबले, पारुल चौधरी, ज्योति याराजी, किरण पहल, तेजिंदरपाल सिंह तूर, आभा खटुआ, अनु रानी, सर्वेश कुशारे, प्रवीण चित्रावेल, अमोज जेकब, संतोष तमिलरासन, राजेश रमेश, मिजो चाको कुरियन, विद्या रामराज, ज्योतिका श्री दांडी, एमआर पूर्वम्मा, सुभा वेंकटेशन, प्राची, सूरज पवार, जेसविन एल्ड्रिन, किरण पाल
- **बैडमिंटन :** पीवी सिंधु, चिराग शेट्टी, सात्विक साईराज रेड्डी, एचएस प्रणय, लक्ष्य सेन, अश्विनी पोनप्पा, तनिशा क्रास्तो
- **बॉक्सिंग :** अमित पंगल, निखत जरीन, लवलीना बोरगोहेन, जैसमीन लंबोडिया, प्रीति पवार, निशांत देव
- **इक्वेस्ट्रियन :** अनुष अगरवाल
- **गोल्फ :** शुभांकर शर्मा, गगनजीत भुल्लर, अदिति अशोक, दीक्षा डागर
- **हॉकी :** पीआर श्रीजेश, जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), सुमित, संजय, राजकुमार पाल, शमशेर सिंह, मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, अभिषेक, सुखजीत सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, मनदीप सिंह, गुजरंत सिंह
- **शूटिंग :** मनु भाकर, ईशा सिंह, अंजुम मौदगिल, ऐश्वर्या प्रताप तोमर, राजेश्वरी कुमारी, श्रेयसी सिंह, अनंतजीत सिंह, रायजा ढिलोन, माहेश्वरी चौहान, संदीप सिंह, अर्जुन बाबुता, एलानेविल वालारिवन, रमिता जिंदल, स्वप्निल कुसाले, सिफ्ट कौर सामरा, रिदम सांगवान, सरबजोत सिंह, अर्जुन सिंह चीमा
- **सेलिंग :** विष्णु सरवनन, नेत्रा कुमानन
- **टेबल टेनिस :** शरत कमल, मनिका बत्रा, श्रीजा अकुला, हरमीत देसाई, मानव ठक्कर, अर्चना कामत
- **टेनिस :** सुमित नागल, रोहन बोपन्ना, श्रीराम बालाजी
- **कुश्ती :** विनेश फोगाट, अंशु मलिक, अमन सहरावत, निशा दहिया, रीतिका हूडा, अंतिम पंगल
- **भारोत्तोलन :** मीराबाई चानू
- **तैराकी :** धिनिधि देसिंगू, श्रीहरि नटराज
- **रोविंग :** बलराज पोविंग
- **जूडो :** तुलिका मान

ओलंपिक की तैयारी में लगे नडाल की आसान जीत

बस्ताड (स्वीडन)। ओलंपिक की तैयारी में लगे राफेल नडाल ने क्ले कोर्ट पर खेले जा रहे नॉर्डिया ओपन टेनिस टूर्नामेंट के एकल के पहले दौर में स्वीडन के दिग्गज खिलाड़ी ब्योर्न बोर्ग के 21 वर्षीय बेटे लियो बोर्ग को सीधे सेटों में 6-3, 6-4 से हराया. नडाल ने मैच के बाद अपने 21 वर्षीय प्रतिद्वंद्वी के बारे में कहा, हमारे खेल के इतिहास के सबसे दिग्गज खिलाड़ी में से एक के बेटे के खिलाफ खेलना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है. मुझे लगता है कि उसने अच्छा प्रदर्शन किया. उसके सामने अभी लंबा करियर है और मैं उसे शुभकामनाएं देता हूं. नडाल ने यहां 2005 में 19 वर्ष की उम्र में खिताब जीता था. उसके बाद वह इस टूर्नामेंट में पहली बार भाग ले रहे हैं.

ओलंपिक के लिए 117 खिलाड़ियों व सहयोगी स्टाफ के 140 सदस्यों की सूची हुई जारी

आभा खटुआ बाहर

भाषा। नयी दिल्ली

पेरिस ओलंपिक में भारत के 117 खिलाड़ी भाग लेंगे. खेल मंत्रालय ने इसके अलावा सहयोगी स्टाफ के 140 सदस्यों को भी मंजूरी दी है, जिसमें खेल अधिकारी भी शामिल हैं. सहयोगी स्टाफ के 72 सदस्यों को सरकार के खर्चे पर मंजूरी मिली है. ओलंपिक के लिए जिन खिलाड़ियों ने क्वालीफाई किया था, उनमें से केवल गोला फेंक की एथलीट आभा खटुआ का नाम सूची में नहीं है. विश्व रैंकिंग के जरिए कोटा हासिल करने वाली आभा खटुआ का नाम हटाने को लेकर कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है. कुछ दिन पहले विश्व एथलेटिक्स की ओलंपिक में भाग लेने वाले खिलाड़ियों की सूची से उनका नाम हटा दिया गया था. अभी तक इस बारे में कोई जानकारी नहीं है कि चोट लगने, डोपिंग उल्लंघन या किसी अन्य तकनीकी समस्या के कारण उनका नाम हटाया गया है. ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाले अन्य खिलाड़ियों को उम्मीद के अनुरूप मंजूरी मिल गई. लंदन ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता पूर्व निशानेबाज गगन नारंग को दल प्रमुख बनाया गया है.

खेल मंत्रालय की ओर से आईओए की अध्यक्ष पीटी उषा को लिखे गए पत्र में कहा गया है, ओलंपिक खेल 2024 की आयोजन समिति के मानदंडों के अनुसार सहयोगी स्टाफ के 67 सदस्य ही खेल गांव में रुक सकते हैं, जिनमें आईओए के 11 अधिकारी भी शामिल हैं। अधिकारियों में पांच सदस्य चिकित्सा दल के हैं. पत्र में कहा गया है, खिलाड़ियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए सरकार की लागत पर 72 अतिरिक्त कोच और अन्य सहायक कर्मचारियों को मंजूरी दी गई और उनके ठहरने की व्यवस्था होटल-खेल गांव के बाहर के स्थानों में की गई है. आभा खटुआ का नाम शामिल नहीं होने के बावजूद खिलाड़ियों की सूची में सर्वाधिक 29 (11 महिला और 18 पुरुष) खिलाड़ी एथलेटिक्स के हैं.

उषा ने डब्ल्यूएफआई तदर्थ पैनल को फटकार लगाई: भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने बुधवार को निलंबित भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) का प्रबंधन करने वाले तदर्थ पैनल की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि समिति ने पेरिस ओलंपिक खेलों के आयोजकों को भेजी गई लंबी सूची में पहलवान अंतिम पंघाल के कोचों के नाम नहीं दिए. आईओए की प्रतिक्रिया खेलों के लिए अंतिम के पसंदीदा कोचों को वीजा मंजूरी मिलने में देरी के मद्देनजर आई है.

ओलंपिक के सिंबल में पांच रिंग ही क्यों, और क्या होता है इनका मतलब?

ओलंपिक के सिंबल में पांच रिंग आपस में जुड़े रहते हैं. इन पांच रिंग का रंग बाएं से दाएं क्रम में नीला, पीला, काला, हरा और लाल होता है. दरअसल इन पांच रिंग की रचना अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक संघ (आईओसी) के पूर्व अध्यक्ष पिएर डू कूबर्टिन ने की थी. ये पांच गोले ओलंपिक मूवमेंट का प्रतीक हैं, जो सालों पहले चलाई गई थी. ओलंपिक रिंग दुनिया के पांच बड़े महाद्वीपों का प्रतीक हैं. ये पांच महाद्वीप इस प्रकार हैं: अफ्रीका, उत्तर और दक्षिण अमेरिका, एशिया, यूरोप और ऑस्ट्रेलियाई महाद्वीप के आसपास आने वाले सभी देशों को एक ही महाद्वीप के रूप में गिना गया है.

वहीं रिंग में पांच अलग-अलग रंगों का इस्तेमाल होना भी हमारे लिए किसी जटिल सवाल की भांति है. नीला, पीला, काला, हरा और लाल रंग और साथ में सफेद बैकग्राउंड इसलिए ओलंपिक रिंग में लाया गया था, क्योंकि ये सभी रंग दुनिया के लगभग हर देश के झंडे में मिल ही जाते हैं. सभी देशों की एकता और अखंडता बनाए रखने के लिए इन 5 रंगों का इस्तेमाल किया गया था. ये पांच गोले दुनिया भर से खेलों में भाग लेने आ रहे एथलीटों का भी प्रतिनिधित्व कर रहे होते हैं.

ब्रीफ खबरें

बावा को विश्व जूनियर स्क्वाश में कांस्य पदक

नयी दिल्ली। भारत के शौर्य बावा ने ह्यूस्टन में चल रही विश्व जूनियर स्क्वाश चैंपियनशिप के लड़कों के एकल सेमीफाइनल में मिस्र के शीर्ष वरीयता प्राप्त मोहम्मद जकारिया से 0-3 से हारने के बाद कांस्य पदक हासिल किया. बावा पिछले साल के उपविजेता ज़कारिया से 41 मिनट तक चले रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबले में 5-11 5-11 9-11 से हार गए.

छह देशों को डेवलपमेंट पुरस्कार के लिए चुना

नयी दिल्ली। आईसीसी ने बुधवार को आईसीसी डेवलपमेंट पुरस्कार 2023 के वैश्विक विजेताओं की घोषणा जिसमें छह उभरते हुए देश मेक्सिको, ओमान, नीदरलैंड, यूएई, नेपाल और स्कॉटलैंड शामिल हैं. पिछले कैलेंडर वर्ष के दौरान शानदार प्रदर्शन के अलावा महत्वपूर्ण पहल के लिए 21 उभरते हुए देशों में से छह को पुरस्कारों के लिए चुना गया .

कम से कम दो मैच में नहीं खेल पाएंगे मेस्सी

फोर्ट लॉडरडेल (अमेरिका)। कोपा अमेरिका फाइनल के दौरान चोटिल होने वाले लियोनेल मेस्सी अपनी मेजर लीग सॉकर टीम इंटर मियामी की तरफ से कम से कम दो मैच में नहीं खेल पाएंगे. इंटर मियामी के कोच गेरार्डो मार्टिनो ने यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि मेस्सी के दाहिने टखने में चोट लगी है और उनकी फिटनेस का निरंतर आकलन किया जाएगा.

केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल व विशेष बल का श्वान दस्ता फ्रांस में मौजूद

भाषा। नयी दिल्ली

केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल और विशेष कमांडो बल के विशेष रूप से प्रशिक्षित 10 श्वानों का दस्ता अगले सप्ताह शुरू हो रहे पेरिस ओलंपिक के विभिन्न आयोजन स्थलों पर आतंकवाद विरोधी और विध्वंसक गतिविधियां विरोधी सुरक्षा मुहैया कराने के लिए फ्रांस में है. आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी. एक सुरक्षा अधिकारी ने पीटीआई-भाषा को बताया कि दस भारतीय के9 (श्वान) दस्ता पेरिस ओलंपिक के विभिन्न आयोजन स्थलों पर गश्त करेगा. भारत और फ्रांस सरकार के बीच अपनी तरह के इस पहले सहयोग के लिए इन कुत्तों को 10 सप्ताह का विशेष प्रशिक्षण दिया गया है.

इस दस्ते में शामिल कुत्तों और उनके प्रशिक्षकों को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) जैसे केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के अलावा राष्ट्रीय सुरक्षा गारद (एनएसजी) और असम राइफल्स से चुना गया है. अधिकारी ने बताया कि ये कुत्ते क्रूर दिखने वाले बेल्जियाई मैलिनोइस नस्ल के हैं, जो नक्सल और आतंकवाद विरोधी अभियानों और जवाबी कार्रवाई में बम, इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस और समस्या पैदा करने वालों का पता लगाने के लिए गश्त करते हैं. इस दस्ते में सीआरपीएफ का पांच वर्षीय कुत्ता 'वास्ट' व तीन वर्षीय 'डेन्बी' शामिल है. एक अन्य अधिकारी ने बताया कि उन्हें बेंगलुरु के समीप तरालु में स्थित सीआरपीएफ श्वान प्रजनन और प्रशिक्षण स्कूल में कड़ी परीक्षा के बाद इस कार्य के लिए चुना गया है.

उन्होंने कहा, बेल्जियाई मैलिनोइस नस्ल को दुनियाभर में सुरक्षाबलों का सबसे पसंदीदा लड़ाकू कुत्ता माना जाता है. फ्रांस 26 जुलाई से होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए हर दिन करीब 30,000 पुलिस अधिकारियों को तैनात कर रहा है. उदघाटन समारोम में 45 हजार अधिकारी रहेंगे.

खास बातें

- श्वान की यह प्रजाति 2011 में सुर्खियों में आयी थी
- 2011 में ओसामा बिन लादेन की खोज में भी मदद की थी

क्या पदक जीतने का सिलसिला जारी रख पाएंगे भारतीय पहलवान

भाषा। नयी दिल्ली

भारत ने बीजिंग ओलंपिक 2008 से लेकर प्रत्येक ओलंपिक में पदक जीता है और पेरिस ओलंपिक में भाग ले रहे पहलवानों के लिए इस सिलसिले को जारी रखना बड़ी चुनौती होगी. लगातार चार ओलंपिक में सफलता के बाद कुश्ती भारत का प्रमुख खेल बन गया. इस बीच उसने सीनियर ही नहीं जूनियर स्तर पर भी अच्छी सफलताएं हासिल की. वह सुशील कुमार थे जिन्होंने 2008 में कांस्य पदक जीत कर भारत में कुश्ती का परिदृश्य बदला. इसके चार साल बाद लंदन ओलंपिक में उन्होंने रजत पदक हासिल किया जबकि योगेश्वर दत्त ने कांस्य पदक जीता. साक्षी मलिक ने रियो ओलंपिक खेल 2016 में कांस्य पदक जीत कर यह सिलसिला जारी रखा जबकि टोक्यो ओलंपिक में रवि दहिया ने रजत और बजरंग पूनिया ने कांस्य पदक जीता. लेकिन जब यह खेल नित नई ऊंचाई हासिल कर रहा था, तब देश के शीर्ष पहलवानों के भारतीय कुश्ती महासंघ के तत्कालीन प्रमुख के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के कारण इसकी प्रगति को करारा झटका लगा. इसके कारण राष्ट्रीय शिविर और घरेलू प्रतियोगिताओं का आयोजन नहीं हो पाया. इससे भ्रम की स्थिति पैदा हो गई और तब कोई नहीं जानता था कि आगे क्या होगा. राष्ट्रीय महासंघ के चुनाव हुए लेकिन नई संस्था को निलंबित कर दिया गया। इस खेल की अंतरराष्ट्रीय संस्था के निलंबन हटाए जाने के बाद ही स्थिति सामान्य हो पाई. भारत का केवल एक पुरुष खिलाड़ी और पांच महिला खिलाड़ी ही ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर पाए. इन खिलाड़ियों के मजबूत और कमजोर पक्षों का यहां विश्लेषण किया जा रहा है.

अमन सहरावत (पुरुष फ्रीस्टाइल 50 किग्रा) : अपने खेल में निरंतर सुधार करने वाले अमन ने 57 किग्रा भार वर्ग में रवि दहिया की जगह ली. उनका दमखम और धैर्य बनाए रखना मजबूर पक्ष है. अगर मुकाबला 6 मिनट तक चलता है तो उन्हें हराना आसान नहीं होगा. उनके खेल में हालांकि रणनीति का अभाव नजर आता है. उनके पास प्लान बी नहीं होता है. पेरिस में उन्हें रेई हिगुची और उज्बेकिस्तान के गुलोमजोन अब्दुल्लाव से कड़ी चुनौती मिल सकती है.

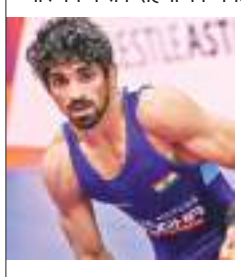

अंशु मलिक (महिला 57 किग्रा) : जूनियर स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने के बाद सीनियर स्तर में जगह बनाने वाली अंशु पदक के दावेदारों में शामिल है. मैट पर तेज़ी से मूवमेंट करना और आक्रामक खेल शैली अंशु की सबसे बड़ी ताकत है. हालांकि उनकी फिटनेस चिंताजनक पहलू है. वह कंधे की चोट से परेशान रही हैं. उनका दावा है कि यह सिर्फ गर्दन की ऐंठन है, लेकिन उसका परीक्षण नहीं किया गया है.

विनेश फोगाट (महिला 50 किग्रा) : इसमें कोई संदेह नहीं है कि विनेश फोगाट भारत की सबसे बेहतरीन महिला पहलवानों में से एक हैं. मजबूत रक्षण और उतना ही प्रभावशाली आक्रमण उनकी ताकत है. लेकिन पिछले एक साल में उन्हें चोटी की खिलाड़ियों के खिलाफ खेलने का कम मौका मिला है. इसके अलावा वह कम वजन वर्ग में भाग ले रही है. उन्हें वजन कम करने की जटिल प्रक्रिया से गुजरना होगा.

रीतिका हुड्डा (महिला 76 किग्रा) : रीतिका अपनी ताकत के दम पर मजबूत खिलाड़ियों को भी चौंका देती है. इससे अनुभवी पहलवानों के लिए भी उन्हें हराना मुश्किल साबित हो सकता है. रीतिका के पास ताकत और तकनीक है, लेकिन उन्हें मुकाबले के आखिरी 30 सेकंड में अंक गंवाने की आदत है. अगर वह बढ़त भी बना लेती है, तो वह उन अंकों को खो सकती है. मुकाबले के आखिर में ध्यान भटक जाना उनकी कमजोरी है

अंतिम पंघाल (महिला 53 किग्रा) : हिसार की यह तेजतर्रार खिलाड़ी पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल करने वाली पहली पहलवान थी. जब विरोध प्रदर्शन अपने चरम पर था, तब उन्होंने विनेश को ट्रायल के लिए चुनौती भी दी थी. अंतिम का मजबूत पक्ष उनका लचीलापन है जिससे वह विरोधी की पकड़ से जल्दी बाहर निकल जाती है। उन्होंने हालांकि एशियाई खेलों में भाग नहीं लिया और पीठ की चोट के कारण उन्हें इस साल एशियाई चैम्पियनशिप से बाहर होना पड़ा. पिछले कुछ समय में कम प्रतियोगिताओं में भाग लेने का उन्हें नुकसान उठाना पड़ सकता है.

निशा दहिया (महिला 68 किग्रा) : निशा के बारे में बहुत अधिक दावे नहीं किए गए। उन्होंने शुरू में काफी उम्मीद जगाई लेकिन चोटिल होने के कारण उनकी प्रगति पर प्रभाव पड़ा. वह अपनी आक्रामक शैली से मजबूत प्रतिद्वंद्वी को भी चौंका देती है. वह बेखौफ होकर खेलती है जो उनका मजबूत पक्ष है. उन्हें हालांकि बड़ी प्रतियोगिताओं में खेलने का कम अनुभव है जो उनकी कमजोरी है. इसके अलावा मुकाबला लंबा चलने पर वह शिथिल पड़ जाती है..

भावुक पल टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने केकेआर को कहा अलविदा, कहा-

मुस्कुराता हूं जब आप मुस्कुराते हैं, रोता हूं जब आप रोते हैं..

एजेंसी। नयी दिल्ली

मैं मुस्कुराता हूं जब आप मुस्कुराते हैं, मैं रोता हूं जब आप रोते हैं, मैं जीतता हूं, जब आप जीतते हैं, मैं हारता हूं जब आप हारते हैं, मैं सपना देखता हूं जब आप सपना देखते हैं, मैं हासिल करता हूं जब आप हासिल करते हैं, मैं आपके साथ भरोसा करता हूं और आपके साथ बन जाता हूं. टीम इंडिया के हेड कोच और पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने सोशल मीडिया पर एक बड़ा ही भावुक वीडियो पोस्ट किया है. टीम इंडिया के हेड कोच का पद मिलने के बाद गंभीर को कोलकाता नाइट राइडर्स- केकेआर को अलविदा कहना पड़ा. आईपीएल 2024 में गंभीर कोलकाता नाइट राइडर्स के मेंटॉर के रूप में दिखाई दिए थे. गंभीर की मेंटॉरशिप में केकेआर ने आईपीएल 2024 का खिताब जीता. अब गंभीर ने इमोशनल वीडियो फैंस को समर्पित करते हुए फ्रेंचाइजी को अलविदा कहा.

बता दें कि टीम इंडिया का हेड कोच बनने वाला शख्स बाकी किसी भी टीम के साथ किसी भी रूप में नहीं जुड़ सकता है, फिर चाहें वह आईपीएल फ्रेंचाइजी ही क्यों न हो. इसलिए हेड कोच का पद संभालने के बाद गंभीर ने कोलकाता नाइट राइडर्स को अलविदा कहा. गंभीर ने केकेआर फैंस के लिए सोशल मीडिया के ज़रिये एक खास इमोशनल वीडियो शेयर किया. वीडियो को कैप्शन देते हुए गंभीर ने लिखा, आइए कोलकाता, आइए कुछ नई विरासतें बनाएं. कोलकाता और केकेआर फैंस को समर्पित...

वीडियो में कही दिल छू लेने वाली बातें

गंभीर ने वीडियो में कहा, मैं आप हूं कोलकाता, मैं आप में से एक हूं. मैं आपका संघर्ष जानता हूं और मैं जानता हूं कि कहां दर्द देता है. अस्वीकृतियों ने मुझे कुचल दिया है लेकिन आपकी तरह मैं आशा को गले लगाकर उठता हूं, मैं हर दिन हराया जाता हूं लेकिन आपकी तरह मैं अभी भी हारा नहीं हूं. वह मुझे मशहूर होने के लिए कहते हैं, मैं उन्हें विनर बनने के लिए कहता हूं, मैं आप कोलकाता हूं, मैं आप में से एक हूं.

नागल और ड्रेजेविक की जोड़ी नॉर्डिया ओपन से बाहर

बस्ताड (स्वीडन)। ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके भारत के सुमित नागल और पोलैंड के उनके जोड़ीदार करोल ड्रेजेविक को यहां नॉर्डिया ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष युगल में सीधे सेटों में हार का सामना करना पड़ा. नागल व ड्रेजेविक की जोड़ी मुकाबले में एलेक्जेंडर मुलर और लुका वान असचे की फ्रांसीसी जोड़ी से 3-6, 4-6 से हार गई. भारत के खिलाड़ी ने एकल वर्ग में अपनी चुनौती बरकरार रखी है. विश्व रैंकिंग में 68वें स्थान पर काबिज नागल का अगला मुकाबला अर्जेंटीना के दुनिया के 36वें नंबर के खिलाड़ी मारियानो नवोन से होगा. रोहन बोपन्ना और एन श्रीराम बालाजी का जर्मनी में हैम्बर्ग ओपन में जैकब और वॉलनर की जर्मन जोड़ी के खिलाफ पुरुष युगल के पहले दौर का मैच गुरुवार तक स्थगित किया गया है.

आईसीसी टी20 रैंकिंग में दूसरे स्थान पर बरकरार सूर्यकुमार

भाषा। दुबई

आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव बुधवार को जारी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर बरकरार हैं, जबकि युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायवाल छठे स्थान पर पहुंच गए. रुतुराज गायकवाड़ टी20 बल्लेबाजों की सूची में एक स्थान के नुकसान से आठवें पायदान पर हैं, जिंबाब्वे के खिलाफ टी20 श्रृंखला में भारत की 4-1 की जीत के बाद रैंकिंग को अपडेट किया गया है. श्रृंखला में 141 रन बनाने वाले जायसवाल को चार स्थान का फायदा हुआ है. ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर चल रहे हैं. शुभमन गिल पांच पारियों में 170 रन बनाकर श्रृंखला के शीर्ष स्कोरर रहे. वह 36 स्थान की लंबी छलांग के साथ 37वें स्थान पर हैं. टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों की रैंकिंग में कोई भारतीय शीर्ष 10 में नहीं है. जिंबाब्वे के खिलाफ श्रृंखला से अक्षर पटेल को ब्रेक दिया गया था और वह चार स्थान के नुकसान से 13वें स्थान पर खिसक गए हैं. तेज गेंदबाज मुकेश कुमार और वाशिंगटन सुंदर को रैंकिंग में फायदा हुआ है. तीन मैच में आठ विकेट चटकाने वाले मुकेश 36 स्थान के फायदे से 46वें स्थान पर पहुंच गए हैं. सुंदर 21 स्थान की छलांग के साथ 73वें स्थान पर हैं.

ब्रीफ खबरें

बुलेट प्रूफ जैकेट, 35 जिंदा कारतूस बरामद

पटना । राजधानी को दहलाने की बड़ी साजिश को नाकाम करने में पटना पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है. यहां दीघा थाना क्षेत्र के कुर्जी बालू पर 71 नंबर गेट संख्या स्थित मकान के कमरे से गुप्त सूचना के आधार पर बुलेट प्रूफ जैकेट ,35 जिंदा कारतूस, पुलिस की वर्दी बम बनाने का सामान सहित कई आपतिजनक सामान पुलिस ने बरामद किया है. इस दौरान पुलिस ने पवन नाम के कुर्जी निवासी व्यक्ति की गिरफ्तार किया है. मिथलेश नमक युवक को सामान डिलिवरी की बात कही जा रही है .

अपहरण के मामले में आरोपी गिरफ्तार हुआ

पटना । राजधानी पटना में एक बार फिर से अपराधियों का बेखौफ चेहरा देखने को मिला है. कंकड़बाग थाना क्षेत्र के मेदांता अस्पताल के निकट गेट नंबर 4 के पास बेलफोर्ट होटल के समीप से एक अर्टिगा कर में दो लड़कों का अपहरण चाकू के बल पर कर लिया. इसके बाद इलाके में हड़कंप का माहौल बन गया . दरअसल आसपास के लोगों ने जब युवक को चिल्लाते देखा तो स्थानीय थाने को इस घटना की सूचना दी है. जिसके सूचना के आलोक में त्वरित टीम का गठन कर पुलिस ने आस पास के थानों को उस अर्टिगा कार की जानकारी दी और कार का पीछा शुरू किया.

बिहार विधानसभा का मानसून सत्र 22 जुलाई से

पटना । बिहार विधानमंडल का मानसून सत्र 22 जुलाई से शुरू होगाा. यह 26 जुलाई तक चलेगा. इस दौरान दोनों सदनों में पांच-पांच बैठक होंगी. पांच दिन के सत्र में सरकार अनुपूरक बजट के साथ अन्य विधेयक सदन में पेश करेगी. अनुपूरक बजट पर 25 जुलाई को विधानसभा और 26 जुलाई को परिषद में मुहर लगेगी. सत्र के पहले दिन राज्यपाल द्वारा स्वीकृत अध्यादेशों की प्रति को सदन के पटल पर रखने के साथ ही 2024-25 का पहला अनुपूरक बजट सरकार की तरफ से पेश किया जाएगा. 23 और 24 जुलाई को राजकीय विधेयक और अन्य राजकीय कार्य किए जाएंगे.

पटना म्यूजियम का सीएम ने निरीक्षण किया बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को पटना म्यूजियम का निरीक्षण किया. उनके साथ डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा भी थे.

पलासी के पिपरा बिजवार में तार से सटा ताजिया

दर्जनों लोग घायल, अस्पताल में भर्ती

संवाददाता । अररिया

जिले के पलासी थाना क्षेत्र के पिपरा बिजवार में बुधवार के दोपहर मुहर्रम ताजिया जुलूस के दौरान ताजिया के हाई वोल्टेज वाली 33 हजार केवी तार में सट जाने से करीबन दो दर्जन लोग करंट लगने से घायल हो गए. ताजिया के साथ जुलूस खेत से होकर लोगों के दरवाजे दरवाजे पर जाने के क्रम में यह हादसा हुआ. सभी घायलों को पलासी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के लिए लाया गया है. जहां चिकित्सकों के द्वारा घायलों का इलाज किया जा रहा है. वहीं कई घायलों को अररिया सदर अस्पताल भी रेफर किया गया है.

वहीं आधा दर्जन से अधिक करंट लगने से झुलसे सदर अस्पताल में भी भर्ती है. जिला प्रशासन की ओर से मुहर्रम जुलूस को लेकर यूं तो बिजली काटी गई थी, लेकिन ग्रीड में आने वाले हाई वोल्टेज तार के ताजिया के संपर्क में आने से यह हादसा घटित हुआ. पलासी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बड़ी संख्या में ग्रामीण जनप्रतिनिधि के साथ ग्रामीण और थाना पुलिस पहुंचे हैं. मामले की पुष्टि पलासी थानाध्यक्ष मिथिलेश कुमार ने भी करते हुए कहा कि 33 हजार केवी वाले हाई वोल्टेज तार के संपर्क में ताजिया आ गया था. जिससे लोगों को करंट लगी. उन्होंने करीबन डेढ़ दर्जन लोगों के अब तक करंट लगने से घायल होने की बात कही.

मेहसी में ताजिया जुलूस में लहराया फिलिस्तीनी झंडा

पूर्वी चंपारण । पूर्वी जिले के मेहसी थाना क्षेत्र में बुधवार की सुबह मुहर्रम को लेकर निकाले गए ताजिया जुलूस में एक लड़के के हाथ में फिलिस्तीन का झंडा फहराने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ है. उक्त वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है. मुहर्रम को लेकर मेहसी नगर पंचायत के वार्ड नं 10 से तजिया जुलूस निकाला गया था.

सारण में ट्रिपल मर्डर से मचा हड़कंप

सनकी प्रेमी ने प्रेमिका सहित तीन को मौत के घाट उतारा

संवाददाता । सारण

बिहार में दिन प्रतिदिन अपराधियों के हौसले बुलंद हो रहे हैं. बेखौफ अपराधी लगातार हत्या के वारदात को अंजाम दे रहे हैं. ताजा मामला सारण जिले के रसूलपुर थाना के घानाडीह गांव का है, जहां प्रेम प्रसंग में सनकी प्रेमी ने प्रेमिका, उसकी बहन और पिता को धारदार हथियार से काटकर मार डाला. वहीं मृतक की पत्नी गंभीर रूप से जख्मी हो गयी है. उनको एकमा सीएचसी में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है. मृतकों की पहचान तारकेश्वर सिंह और उनकी बेटी चांदनी (17 वर्षीय) और आभा (15 वर्षीय) के रूप में हुई है. जबकि घायल पत्नी की पहान शोभा देवी के रूप में की गयी है.

पुलिस ने दोनों आरोपियों को किया गिरफ्तार : इधर, घटना की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. पुलिस ने घटनास्थल से हत्या में प्रयुक्त चाकू और खून लगे कपड़े भी जब्त किये हैं. पुलिस ने मां के बयान के आधार पर इस हत्याकांड के दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है. गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सुधांशु कुमार उर्फ रौशन और अंकित कुमार के रूप में हुई है. दोनों ने अपना गुनाह कबूल कर लिया है. इस हत्याकांड के बाद इलाके में दहशत का माहौल है.

गुस्से में प्रेमी ने प्रेमिका के परिवार की ली जान : घटना के संबंध में बताया जाता है कि तारकेश्वर सिंह का पूरा परिवार रात में अपने घर की छत पर सो रहा था. तभी दो लोग आये और उन्होंने पिता और उनकी दोनों बेटियों की धारदार हथियार से काटकर हत्या कर दी. अपराधियों ने मां को भी मारने की कोशिश की, लेकिन किस्मत अच्छी थी कि वो बच गयी थी. अपराधियों को लगा कि उनलोगों ने पूरे परिवार को मौत के घाट उतार दिया.

घायल का इलाज करवाते पुलिसकर्मी

राजद के पंचायत अध्यक्ष की हत्या

गोपालगंज । जिले के जादोपुर थाना क्षेत्र के मंगलपुर पुल के पास राजवाही गांव के पास एक घायल युवक की संदिग्ध स्थिति में मौत हो गई . जिसके बाद परिजन डायल 112 के साथ शव को लेकर गोपालगंज सदर अस्पताल पहुंचे . सदर अस्पताल में डायल 112 के पुलिस कर्मी के खिलाफ आक्रोश व्यक्त करते हुए कार्रवाई की मांग की गई . इस दौरान हालांकि सूचना पाकर सदर अस्पताल पहुंची नगर थाना की पुलिस ने आक्रोशित लोगो को समझाबुझा कर मामला शांत कराया . मृतक की पहचान जादोपुर थाना क्षेत्र के मशान थाना गांव निवासी सुनील यादव के रूप में की गई .

सहनी हत्याकांड: पुलिस ने चार लोगों को हिरासत में लिया

संवाददाता । दरभंगा/पटना

बिहार पुलिस ने विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के अध्यक्ष मुकेश सहनी के पिता जीतन सहनी की जघन्य हत्या की जांच के सिलसिले में पूछताछ के लिए कुल चार लोगों को हिरासत में लिया है. पुलिस ने एक बयान में इसकी जानकारी दी. दरभंगा जिला पुलिस की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, सीसीटीवी फुटेज के विश्लेषण से पता चला है कि चार लोग 15 जुलाई की रात करीब 10.30 बजे जीतन सहनी के घर में प्रवेश किये और कुछ देर भीतर रहने के बाद बाहर निकल गए. पूर्व राज्य मंत्री मुकेश सहनी के 70 वर्षीय पिता की 16 जुलाई को दरभंगा जिले में उनके पैतृक आवास में धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी गई थी.

मुकेश सहनी से मिलने पहुंचे सांसद पप्पू यादव.

राजद के पांच नेताओं को पार्टी से निष्कासित किया गया

पटना । चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर की जनसुराज से संपर्क रखने वाले नेताओं पर राष्ट्रीय जनता दल ने कार्रवाई की है. पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव की पार्टी ने अपने पांच नेताओं पर कार्रवाई की है. इन सभी पर पार्टी की छवि धूमिल करने का आरोप है. राजद ने इन्हें छह साल के लिए निष्कासित किया है. इनमें कहलगांव के पवन भारती, गोराडीह के मो. आफताब आलम, सन्हौला के शिव कुमार साह, सुलतानगंज के अजीत कुमर एवं सुलतानगंज की ही आशा जायसवाल शामिल हैं. राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह स्तर से हुई है. वहीं, कार्यालय आदेश जारी होने के साथ कार्यकर्ताओं में हड़कंप मच गया है.

गंडक का डिस्चार्ज घटा, गोपालगंज में निशान से ऊपर

संवाददाता । पटना

गोपालगंज में गंडक नदी में अभी भी पानी खतरे के निशान से ऊपर है. 13 जुलाई के बाद नेपाल में बारिश नहीं होने के चलते वाल्मीकिनगर बराज से लगातार डिस्चार्ज घट रहा है, लेकिन गंडक नदी में बीते पांच दिनों से पानी खतरे के निशान से ऊपर बह रहा है. मंगलवार को नदी लगभग 67 सेमी नीचे आ चुकी है. जलस्तर घटने के कारण अब गांवों में भी पानी निकलने लगा है. जानिए अभी ताजा हालात क्या हैं. दरअसल, पिछले छह दिनों से नदी में आई बाढ़ से गांव पहले से ही घिरे हुए हैं. अभी पानी सड़कों से हटा भी नहीं है. मंगलवार की सुबह डिस्चार्ज 1.33 लाख था तो शाम को 1.22 लाख क्यूसेक पर आ गया. इससे तटबंधों पर कटाव का खतरा बना हुआ है. बैकुंठपुर प्रखंड के नदी साइड वाले गांवों में पानी घरों से होकर बह रहा है. गांव पूरी तरह से घिरा है. बता दें कि जिले के छह प्रखंडों के 43 गांव जो नदी व बांध के साइड में हैं उनमें नदी का डिस्चार्ज दो लाख पहुंचते ही तबाही शुरू हो जाती है.

उधर, जिले के निचले इलाकों में पानी के घटने से लोगों में काफी राहत है. अभी गांवों को जोड़ने वाली सभी सड़कों पर नदी का पानी बह रहा है. आने-जाने के सभी मार्ग ध्वस्त हो चुके हैं. स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्र भी बाढ़ के कारण बंद है. घरों में राशन व सब्जियों के भी दिक्कत है.

कारोबार

मस्क मुख्यालय को करेंगे स्थानांतरित

सैन फ्रांसिस्को (अमेरिका) । उद्योगपति एलन मस्क ने कहा कि वह 'स्पेसएक्स' तथा सोशल मीडिया मंच 'एक्स' का मुख्यालय कैलिफोर्निया से टेक्सास स्थानांतरित कर रहे हैं. मस्क ने मंगलवार को 'एक्स' पर लिखा कि वह 'स्पेसएक्स' को कैलिफोर्निया के हॉथोर्न से टेक्सास के स्टारबेस ले जाने की योजना बना रहे हैं. 'एक्स' को सैन फ्रांसिस्को से ऑस्टिन स्थानांतरित किया जाएगा. कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम ने सोमवार को एक नए कानून पर हस्ताक्षर किए जिसके बाद मस्क ने यह फैसला किया है.

लोरियल इंडिया ने नई परियोजना शुरू की

चंडीगढ़ । लोरियल इंडिया ने हिमाचल प्रदेश के बद्दी में अपने बद्दी संयंत्र के पास रहने वाले प्रवासी समुदायों के वंचित बच्चों की शिक्षा में सहयोग देने के लिए एक पहल शुरू की है. कंपनी ने एक बयान में कहा कि प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन के साथ साझेदारी में लोरियल इंडिया ने 'प्रोजेक्ट उड़ान' शुरू किया गया है. इसमें स्कूल की तैयारी और आधारभूत शिक्षा को बढ़ावा देने के कार्यक्रम शामिल हैं. इस पहल के जरिये से लोरियल इंडिया 2024-2025 में हिमाचल प्रदेश और महाराष्ट्र में 4,000 बच्चों को सहायता मुहैया करने को प्रतिबद्ध है.

प्रैट एंड व्हिटनी ने खोला नया ग्राहक सेवा केंद्र

मुंबई । अमेरिकी एयरोस्पेस प्रमुख प्रैट एंड व्हिटनी ने बेंगलुरु में एक नए ग्राहक सेवा केंद्र (सीएसएस) की स्थापना की बुधवार को घोषणा की. कंपनी ने एक बयान में कहा, यह नई सुविधा प्रैट एंड व्हिटनी कनाडा के वैश्विक स्तर पर सेवारत 68,000 इंजनों के लिए ग्राहक सेवा और परिचालन सहायता को बढ़ावा देगी. इसमें कहा गया, इस सुविधा में 150 से अधिक एयरोस्पेस विशेषज्ञ तथा इंजीनियर कार्यरत होंगे, जो वैश्विक ग्राहक सेवा परिवेश को समर्थन प्रदान करेंगे. प्रैट एंड व्हिटनी कनाडा के उपाध्यक्ष निवाइन कलब ने कहा, नए ग्राहक सेवा केंद्र के साथ, हम भारत में अपने मौजूदा निवेश का लाभ उठा रहे हैं.

आईएमएफ ने बढ़ाया चीन की आर्थिक वृद्धि का अनुमान

इस साल चीन की आर्थिक वृद्धि की रफ्तार 5% रहने की उम्मीद

एजेंसी । मुंबई

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने पड़ोसी देश चीन की आर्थिक वृद्धि के अनुमान को बढ़ा दिया है. आईएमएफ को अब लग रहा है कि इस साल चीन की आर्थिक वृद्धि की रफ्तार 5 फीसदी रह सकती है. इससे पहले आईएमएफ को ग्रोथ रेट 4.6 फीसदी रहने का अनुमान था. इंटरनेशनल मनीटरी फंड (आईएमएफ) ने मंगलवार को वैश्विक आर्थिक परिदृश्य का अपना नया अपडेट जारी किया. नए अपडेट में आईएमएफ ने भारत और चीन समेत दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को लेकर अपना अनुमान जाहिर किया. आईएमएफ ने इस अपडेट में भले ही चीन की आगे बढ़ने की दर को लेकर अपना अनुमान बढ़ा दिया है, लेकिन अभी भी पड़ोसी देश की संभावनाएं भारत की तुलना में कमतर हैं.

चीन से 2 फीसदी ज्यादा भारत का अनुमान : आईएमएफ ने अप्रैल में जारी अपडेट में कहा था कि 2024 में चीन की आर्थिक वृद्धि दर 4.6 फीसदी रह सकती है. उसे आईएमएफ ने अब बढ़ाकर 5 फीसदी कर दिया है. भारत के मामले में देखें तो आईएमएफ को 7 फीसदी की दर से ग्रोथ का अनुमान है. आईएमएफ ने अप्रैल के अपडेट में कहा था कि भारत की आर्थिक वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष में 6.8 फीसदी रह सकती है. अब उसने अनुमान को बढ़ाकर 7 फीसदी कर दिया है. यानी ताजे बदलाव के बाद भी भारत की तुलना में चीन की आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान दो फीसदी पीछे है.

इस कारण बढ़ाया चीन का अनुमान : अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने अपडेट में ये भी बताया है कि उसने चीन की आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को क्यों बढ़ाया है. दरअसल आईएमएफ को लगता है कि पहली तिमाही के दौरान निजी क्षेत्र का उपभोग बेहतर हुआ है और निर्यात के आंकड़े मजबूत रहे हैं. इससे चीन की अर्थव्यवस्था को सपोर्ट मिलने की उम्मीद है.

भारत और चीन ग्लोबल ग्रोथ के इंजन : वहीं पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को लेकर आईएमएफ ने कहा कि एशिया की उभरती अर्थव्यवस्थाएं खास तौर पर भारत और चीन ग्लोबल ग्रोथ की अगुवाई कर रहे हैं. आईएमएफ ने इस अपडेट में फिर से दोहराया कि भारत और चीन वैश्विक अर्थव्यवस्था की तरक्की के इंजन बने हुए हैं. इस साल के लिए आईएमएफ ने ग्लोबल ग्रोथ के अनुमान को 3.2 फीसदी की दर पर बरकरार रखा है.

एडीबी ने भारत का वृद्धि अनुमान 7% पर रखा बरकरार

एजेंसी । नयी दिल्ली

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर का अनुमान सात प्रतिशत पर बरकरार रखा है. साथ ही कहा कि सामान्य से बेहतर मानसून अनुमानों को देखते हुए कृषि क्षेत्र में सुधार की उम्मीद है. एडीबी का यह पूर्वानुमान ऐसे समय में आया है जब अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भारत के लिए अपने सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर के अनुमान को संशोधित कर सात प्रतिशत कर दिया है. आईएमएफ ने अप्रैल में इसके अप्रैल 6.8 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था. भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पिछले महीने अपने वृद्धि अनुमान को सात प्रतिशत से बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत कर दिया था. एशियाई विकास परिदृश्य (एडीओ) के जुलाई संस्करण में कहा गया कि भारतीय अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2024-25 (31 मार्च 2025 को समाप्त) में सात प्रतिशत की दर से बढ़ी. वित्त वर्ष 2025-26 में 7.2 प्रतिशत की दर से बढ़ने की राह पर है, जैसा कि एडीओ अप्रैल 2024 में अनुमान लगाया गया है. भारतीय अर्थव्यवस्था ने मार्च 2024 को समाप्त वित्त वर्ष के लिए 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की, जबकि उससे पिछले वित्त वर्ष में यह सात प्रतिशत थी. रिपोर्ट में कहा गया, वित्त वर्ष 2022-23 में धीमी वृद्धि के बाद सामान्य से अधिक मानसून अनुमानों को देखते हुए कृषि क्षेत्र में सुधार की उम्मीद है. ऐसा जून में मानसून की धीमी प्रगति के बावजूद है. ग्रामीण क्षेत्रों में वृद्धि की गति को बनाए रखने के लिए कृषि में सुधार महत्वपूर्ण होगा. विकासशील एशिया के विकास पूर्वानुमान के संबंध में एडीओ ने कहा कि इसे 2024 के लिए पांच प्रतिशत तक संशोधित किया गया है और 2025 में 4.9 प्रतिशत पर बनाए रखा गया है.

असम में 30 हजार से ज्यादा नौकरियां मिलेंगी

- सेमीकंडक्टर प्लांट के लिए टाटा ग्रुप और असम सरकार में एग्रीमेंट

एजेंसी । नयी दिल्ली

टाटा ग्रुप ने अपने सेमीकंडक्टर प्लांट पर काम शुरू कर दिया है. कंपनी ने सेमीकंडक्टर प्लांट के लिए असम सरकार के साथ 60 साल के लीज एग्रीमेंट पर समझौता कर लिया है. यह प्लांट मोरीगांव जिले के जागीरोड में बनने वाला है. इस प्लांट पर टाटा ग्रुप लगभग 27000 करोड़ रुपये का इनवेस्टमेंट करने वाला है. इससे असम में लगभग 30000 नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है.

असम समेत पूर्वोत्तर के राज्यों के लिए यह प्लांट कई बड़े अवसर लेकर आने वाला है. रिपोर्ट के मुताबिक, टाटा ग्रुप के बोर्ड मेंबर रंजन बंदोपाध्याय और असम इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन मैनेजर एवं प्रोजेक्ट इंचार्ज धीरज पेगु ने सब रजिस्ट्रार ऑफिस में इस समझौते पर हस्ताक्षर किए. इस मौके पर डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर देवाशीष शर्मा और टाटा ग्रुप के अन्य अधिकारी कणिनिका ठाकुर, आशीष मिश्रा और अविनाश धाबड़े भी मौजूद थे. टाटा ग्रुप ने सेमीकंडक्टर सेक्टर में भारत को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए बड़ी योजना बनाई हुई है. असम में बनने जा रहा यह प्लांट उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है. इस प्लांट पर 27 हजार करोड़ रुपये खर्च होंगे, जिससे लगभग 30 हजार जॉब्स पैदा होने की उम्मीद है.

प्लांट का पहला चरण 2025 में हो जाएगा शुरू : यह प्लांट जिस जगह पर बनेगा, वहां पहले हिंदुस्तान पेपर कॉर्पोरेशन लिमिटेड का प्लांट था. इस प्लांट का पहला चरण साल 2025 के मध्य तक शुरू हो जाएगा. टाटा ग्रुप ने कहा कि यह प्लांट आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंडस्ट्रियल और कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स की डिमांड को पूरा करने में अहम रोल अदा करेगा. इस प्लांट के जरिए टाटा ग्रुप वायर बॉन्ड, फ्लिप चिप और इंटीग्रेटेड सिस्टम्स पैकेजिंग (आईएसपी) टेक्नोलॉजीस पर काम करेगा.

स्किल डेवलपमेंट सेंटर भी खोलेगा टाटा ग्रुप : असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा शर्मा ने कहा था कि सेमीकंडक्टर प्लांट के नजदीक ही टाटा ग्रुप स्किल डेवलपमेंट सेंटर भी खोलेगा. इस सेंटर के जरिए नॉर्थ ईस्ट के युवा एआई, सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर के लिए खुद को तैयार कर सकेंगे.

मिला नोटिस दवा कंपनी सिप्ला को 773 करोड़ रुपये का आयकर नोटिस

घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या बढ़कर 1.32 करोड़

एजेंसी । मुंबई

दवा कंपनी सिप्ला को आयकर विभाग से 773.44 करोड़ का नोटिस मिला है. यह मांग आकलन वर्ष 2015-16 से 2022-23 के लिए है. कंपनी ने मंगलवार को शेयर बाजार को बताया, आयकर प्राधिकरण ने 12 जुलाई, 2024 के आदेश में कर निर्धारण और पुनर्मूल्यांकन के तहत विभिन्न खर्चों की अस्वीकृतियों के कारण अतिरिक्त कर मांग की है. 773.44 करोड़ रुपये की मांग में उक्त किसी भी आकलन वर्ष का कोई रिफंड शामिल नहीं है. रत्न-आभूषण निर्यात 13.44 फीसदी घटा : विदेशी बाजारों में कमजोर मांग के बीच जून में भारत से रत्न व आभूषण का निर्यात सालाना आधार पर 13.44 फीसदी घटकर 15,939.77 करोड़ रुपये रह गया. रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद ने कहा, तराशे और पॉलिश हीरों के निर्यात में भी 25.17 फीसदी गिरावट रही. घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या जून में 5.76 फीसदी बढ़कर 1.32 करोड़ पर पहुंच गई है. एक साल पहले इसी महीने में यह 1.24 करोड़ थी. डीजीसीए के मुताबिक, इंडिगो से सबसे अधिक 80.86 लाख लोगों ने यात्रा की है. एअर इंडिया से 17.47 लाख और विस्तारा से 12.84 लाख ने यात्रा की.

मोतीलाल ओसवाल ने जोमैटो में हिस्सेदारी बेची : मोतीलाल ओसवाल म्यूचुअल फंड ने मंगलवार को ऑनलाइन आपूर्ति करने वाली कंपनी जोमैटो में अपनी हिस्सेदारी खुले बाजार में लेनदेन के जरिये 646 करोड़ रुपये में बेच दी. एनएसई के मुताबिक, फंड ने जोमैटो में 2.84 करोड़ से ज्यादा शेयर यानी 0.3 फीसदी हिस्सेदारी बेची है.

सुजुकी ने भारत सहित विभिन्न बाजारों के लिए रूपरेखा तैयार की

एजेंसी । नयी दिल्ली

सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन भारत सहित विभिन्न बाजारों में इलेक्ट्रिक वाहनों के साथ अपने मॉडलों के लिए हल्के ढांचे और छोटी बैटरियों के इस्तेमाल जैसे पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करेगी.

जापानी वाहन विनिर्माता ने अगले 10 वर्षों के लिए कंपनी की प्रौद्योगिकी रणनीति की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि कॉम्पैक्ट तथा हल्के वाहन न केवल उपयोग के दौरान सीओ2 उत्सर्जन को कम करते हैं, बल्कि उत्पादन में भी संसाधनों के इस्तेमाल तथा सीओ2 उत्सर्जन को कम करते हैं. इस प्रकार ये संसाधन संरक्षण और सीओ2 कम करने में योगदान देते हैं. देश की सबसे बड़ी कार विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया में करीब 58 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाली इस कंपनी ने कहा कि वह हल्के वजन तथा सुरक्षा के लिए 'हार्टेक्ट' को और विकसित करेगी तथा वजन घटाने वाली प्रौद्योगिकी के जरिये ऊर्जा खपत को न्यूनतम करने के लिए भी काम करेगी.

खूब चढ़े गोल्ड-सिल्वर के दाम

सोना मजबूती के साथ 75,700 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ

एजेंसी । मुंबई

सोने और चांदी की खरीदारी करने वालों के लिए बुधवार का दिन तो बचत करवाने वाला नहीं रहा क्योंकि सोना और चांदी दोनों कीमती मेटल्स बढ़त के साथ बंद हुई हैं. सोना कारोबारियों ने सोने की कीमतों में तेजी की मुख्य वजह घरेलू बाजार में स्थानीय ज्वैलर्स और रिटेल विक्रेताओं की मांग में तेजी को बताया है. सर्राफा बाजार में सोना और चांदी दोनों की खरीदारी करने वालों को बुधवार को ज्यादा खर्च करना पड़ा है. सर्राफा बाजार में खरीदारी से दिल्ली के सर्राफा बाजार में सोना 550 रुपये की मजबूती के साथ 75,700 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ. नेशनल कैपिटल में 99.9 फीसदी और 99.5 फीसदी शुद्धता वाले सोने का भाव बढ़कर क्रमशः 75,700 रुपये प्रति 10 ग्राम और 75,350 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया है. अखिल भारतीय सर्राफा संघ के मुताबिक सोमवार को सोना 75,150 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था. चमकीली मेटल चांदी की कीमत भी 400 रुपये बढ़कर 94,400 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है. पिछले सेशन में यह 94,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी.

बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में आरक्षण को लेकर हो रहे विरोध प्रदर्शनों में छह की मौत

ढाका विश्वविद्यालय अनिश्चितकाल के लिए बंद

एजेंसी। ढाका

बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में आरक्षण के प्रावधान में सुधार की मांग को लेकर किए जा रहे विरोध प्रदर्शनों में कम से कम छह लोगों के मारे जाने के बाद ढाका विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने संस्थान को अनिश्चितकाल के लिए बंद करने की बुधवार को घोषणा की. अधिकारियों ने छात्रों को शाम छह बजे तक छात्रावास खाली करने के निर्देश दिए हैं. समाचार पत्र 'ढाका ट्रिब्यून' ने प्रति-कुलपति (अकादमिक) प्रोफेसर सीतेश सी बाचर के हवाले से बताया कि यह निर्णय कुलपति एएसएम मकसूद कमाल के कार्यालय में एक आपात बैठक में लिया गया. बाचर ने 'द डेली स्टार' से कहा, 'छात्रों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए हमने विश्वविद्यालय को अनिश्चित काल के लिए बंद करने और हॉल खाली कराने का फैसला किया है.' समाचार पत्र ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि विश्वविद्यालय के छात्र इस फैसले का विरोध कर रहे हैं और वे कुलपति के आवास पर एकत्र हो गए. सरकारी नौकरियों में आरक्षण प्रणाली में सुधार की मांग को लेकर बांग्लादेश के प्रमुख शहरों में प्रदर्शन कर रहे लोगों और पुलिस के बीच हुई झड़प में मंगलवार को तीन विद्यार्थियों सहित कम से कम छह लोगों की मौत हो गई. इसके बाद स्कूल और कॉलेज बंद कर दिए गए हैं. उच्च न्यायालय ने सरकारी नौकरियों में आरक्षण समाप्त करने वाले 2018 के सरकारी परिपत्र को पांच जून को अवैध घोषित कर दिया था, इसके बाद 10 जुलाई को उच्चतम न्यायालय ने उच्च न्यायालय के फैसले पर यथास्थिति कायम रखने का आदेश जारी किया था.

हिंसक झड़पों के बाद यूजीसी ने दिया था निर्देश

प्रदर्शनों के दौरान हुई कई झड़पों के बाद विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने सभी विश्वविद्यालयों से अगली सूचना तक कक्षाएं स्थगित करने और छात्रावास खाली कराने को कहा था. ये झड़पें सोमवार को शुरू हुईं, जब सत्तारूढ़ अवामी लीग के छात्र मोर्चे के कार्यकर्ता प्रदर्शनकारियों के सामने आ गए. प्रदर्शनकारी इस बात पर जोर दे रहे थे कि मौजूदा आरक्षण व्यवस्था सरकारी सेवाओं में मेधावी छात्रों के नामांकन को काफी हद तक रोक रही है. प्रदर्शनकारियों ने चार महत्वपूर्ण शहरों-मध्य ढाका, उत्तर पश्चिम राजशाही, दक्षिण पश्चिम खुलना और चट्टोग्राम में राजमार्ग और रेल मार्ग अवरूद्ध कर दिए. मौजूदा आरक्षण प्रणाली के तहत 1971 में बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के नायकों की संतानों और पौत्र-पौत्रियों के लिए 30 फीसदी नौकरियां, प्रशासनिक जिलों के लिए 10 प्रतिशत, महिलाओं के लिए 10 प्रतिशत, जातीय अल्पसंख्यक समूहों के लिए पांच प्रतिशत और दिव्यांगों के लिए एक प्रतिशत नौकरियां आरक्षित हैं.

प्रयागराज : आशूरा जुलूस में उमड़ा जनसैलाब

इस्लाम धर्म में विश्वास रखने वाले लोगों का प्रमुख त्योहार मुहर्रम बुधवार को देशभर में शांतिपूर्वक मनाया गया. प्रयागराज में इस्लामी महीने के दसवें दिन प्रयागराज में निकाले गए आशूरा जुलूस के दौरान मुसलमान। प्रेट्र

ब्रीफ खबरें

पाकिस्तान में कोयला खदान ढही, तीन मरे

पेशावर। उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान में एक कोयला खदान ढहने से तीन खनिकों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए. पुलिस ने बताया कि यह घटना मंगलवार को पेशावर से 35 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में स्थित दर्रा आदम खेल शहर में हुई. हादसे का शिकार हुए खनिक खैबर पख्तूनख्वा (केपीके) प्रांत के शांगला जिले के रहने वाले थे. पुलिस के मुताबिक, बचाव दल तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और तीनों मृत खनिकों के शव निकाले.

भारत एक 'रणनीतिक' साझेदार है : पेंटागन

मिलवाउकी। भारत एक 'रणनीतिक' साझेदार है और अमेरिका इस साझेदारी को आगे बढ़ाते रहने के लिए उत्सुक है. वाशिंगटन में मंगलवार को पेंटागन के प्रेस सचिव पैट राइडर ने कहा, 'भारत एक रणनीतिक साझेदार है और हम इस साझेदारी को आगे बढ़ाते रहने के लिए उत्सुक हैं. बात जब यूक्रेन और यूक्रेनी क्षेत्र पर रूस के अवैध कब्जे तथा आक्रमण की आती है, तो अंततः यह तय करने की जिम्मेदारी यूक्रेन पर है कि वह कब शांति के लिए समझौता करने को तैयार है.'

ट्रंप के बारे में 'सच बोलना' नहीं बंद करूंगा : बाइडन

लास वेगास । अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने लास वेगास में एनएएसीपी सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि देश में राजनीतिक हिंसा से निपटने का मतलब हर तरह के खूनखराबे पर लगाम लगाना, पुलिस की क्रूरता का बेहतर मुकाबला करना और ट्रंप पर बीते सप्ताहांत हुए हमले में इस्तेमाल एआर-स्टाइल राइफल जैसे हथियारों पर प्रतिबंध लगाना होना चाहिए. बाइडन ने राजनीतिक बयानबाजी में कड़वाहट कम करने का आह्वान करते हुए कहा कि इसका यह मतलब नहीं कि डोनाल्ड ट्रंप के बारे में हम सच बोलना बंद कर दें.

चाकू लहराते व्यक्ति को पुलिस ने मार दी गोली

मिलवाउकी। अमेरिका के मिलवाउकी शहर में रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन (आरएनसी) के आयोजन स्थल के बाहर चाकू लहरा रहे एक व्यक्ति को ओहायो के पुलिस अधिकारियों ने गोली मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई. मिलवाउकी पुलिस ने बताया कि यह घटना किंग पार्क के पास हुई, जो कन्वेंशन सेंटर से लगभग डेढ़ किलोमीटर दूर है. जानकारी के अनुसार सोमवार को विरोध मार्च निकालने के लिए प्रदर्शनकारियों का एक समूह इसी जगह पर इकट्ठा हुआ था.

रूस ने वैश्विक सहयोग पर यूएन में बैठक की, अमेरिका ने बताया 'पाखंड'

यूएन में मॉस्को-वॉशिंगटन के बीच हुआ वार-पलटवार

एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र

रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने अमेरिका पर पश्चिमी देशों को 'हथियार का डर दिखा कर' अपने पाले में रखने और अंतरराष्ट्रीय सहयोग में बाधा डालने का मंगलवार को आरोप लगाया. संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत ने इसे रूस का 'पाखंड' करार देते हुए कहा कि अपने पड़ोसी यूक्रेन पर हमला करने वाला देश वैश्विक सहयोग की बात कर रहा है. यह आरोप-प्रत्यारोप इस महीने रूस द्वारा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की अध्यक्षता के दौरान आयोजित एक कार्यक्रम में हुआ. इसका विषय था 'अधिक न्यायपूर्ण, लोकतांत्रिक और टिकाऊ विश्व व्यवस्था के लिए बहुपक्षीय सहयोग.' रूस के विदेश मंत्री लावरोव बैठक की अध्यक्षता करने के लिए मास्को से संयुक्त राष्ट्र आए.

बैठक से ठीक पहले, संयुक्त राष्ट्र में यूक्रेन के राजदूत सर्जी किस्लित्स्या ने अमेरिका समेत करीब 50 देशों की ओर से एक बयान पढ़ा. संयुक्त बयान में कहा गया कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को यूक्रेन की क्षेत्रीय अखंडता के रूस द्वारा 'घोर उल्लंघन' और उसके द्वारा 'बहुपक्षीय व्यवस्था के संरक्षक के रूप में खुद को प्रस्तुत करने के कुटिल प्रयास' से विचलित नहीं होना चाहिए. देशों ने यूक्रेन के विरुद्ध रूस की कार्रवाई, संयुक्त राष्ट्र प्रतिबंधों का उल्लंघन करते हुए रूस को उत्तर कोरिया द्वारा सैन्य सहायता देने तथा संयुक्त राष्ट्र प्रतिबंधों के प्रभावी रहने के दौरान ईरान की ओर से नियमों के उल्लंघनों की निंदा की. बयान में कहा गया, 'रूस की निरंतर अवैध कार्रवाइयां और घोर पाखंड बहुपक्षीय और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को कमजोर करते हैं और क्षेत्रीय तनाव को बढ़ाते हैं, तथा अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को खतरे में डालते हैं.'

वैश्विक व्यवस्था को नष्ट करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है अमेरिका : रूसी विदेश मंत्री

लावरोव ने जॉर्ज ऑरवेल के प्रसिद्ध उपन्यास 'एनिमल फार्म' के एक कथन का हवाला देते हुए अमेरिका पर निशाना साधा. उन्होंने कहा, 'सभी जानवर समान हैं, लेकिन कुछ अन्य की तुलना में अधिक समान हैं.' उन्होंने रूस की बार-बार चेतावनी के बावजूद यूरोप में नाटो के 'लापरवाह विस्तार' को लेकर निशाना साधा और कहा कि यूक्रेन में 'विशेष सैन्य अभियान' रूस की सुरक्षा के लिए खतरों को खत्म करने के वास्ते शुरू किया गया था. लावरोव ने अमेरिका पर वैश्विक व्यवस्था को नष्ट करने के लिए हर संभव प्रयास करने का आरोप लगाया, ताकि रूस, चीन और अन्य देशों को नियंत्रित किया जा सके, जिनकी स्वतंत्र नीतियों को उसके दबदबे के लिए चुनौती के रूप में देखा जाता है. उन्होंने कहा, 'अमेरिकी समस्त पश्चिमी देशों को बंदूक के बल पर बंधक बनाए हुए हैं और उन देशों के साथ व्यापार और आर्थिक युद्ध को बढ़ा रहे हैं जिन्हें वे अवांछनीय मानते हैं.' लावरोव ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा निर्धारित शर्तों पर यूक्रेन में शांति का आह्वान किया, जिसे यूक्रेन ने अस्वीकार कर दिया है.

खास बातें

- रूस के विदेश मंत्री बैठक की अध्यक्षता करने यूएन आए
- बैठक से ठीक पहले यूक्रेन के राजदूत ने एक बयान पढ़ा
- रूस पर क्षेत्रीय अखंडता के उल्लंघन का आरोप लगाया

रूस वैश्विक संस्थानों पर विश्वास को खत्म करता जा रहा: अमेरिका

वहीं अमेरिकी राजदूत थॉमस ने कहा कि मुझे लगाता है कि मैं गलत जगह पर हूं क्योंकि यह अमेरिका और पश्चिमी देशों के बारे में शिकायत करने वाला सत्र लग रहा था और मैंने शायद ही कभी दुनिया के बहुपक्षवाद का उल्लेख सुना. रूस वैश्विक संस्थानों पर विश्वास को खत्म करता जा रहा है. रूस जानबूझकर और खुलेआम संयुक्त राष्ट्र चार्टर के मूल सिद्धांतों, क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन करता है और मानवाधिकारों के लिए सम्मान, अंतरराष्ट्रीय सहयोगी की भावना नहीं दिखाता है.

केरल में भारी बारिश जारी, कई जिलों में 'अलर्ट'

एजेंसी। तिरुवनंतपुरम

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बुधवार को बताया कि केरल में अगले पांच दिनों तक मेघगर्जन, बिजली चमकने के साथ मध्यम से भारी दर्जे की बारिश होगी. विभाग ने इसके साथ ही एक जिले के लिए 'रेड अलर्ट' जारी किया है. आईएमडी ने कहा कि उत्तरी केरल तट से गुजरात तक कम दबाव का क्षेत्र बनने और दक्षिणी राज्य के तट पर तेज पश्चिमी-उत्तर-पश्चिमी हवाएं चलने के कारण आने वाले दिनों तक मध्यम से भारी बारिश की उम्मीद है. वायनाड में मूसलाधार बारिश की संभावना के मद्देनजर 'रेड अलर्ट' जारी किया गया है जबकि पथानमथिट्टा, कोट्टायम, एर्णाकुलम, इडुक्की, मलप्पुरम, कोझिकोड, कन्नूर और कासरगोड जिलों में बुधवार के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया गया है. इसने राज्य के शेष पांच जिलों में आज के लिए 'येलो अलर्ट' भी जारी किया है.

कर्नाटक : श्रृंगेरी मठ ने श्रद्धालुओं से सतर्क रहने को कहा

बेंगलुरु। दक्षिणाम्नाय श्री शारदा पीठम ने तुंगा नदी का पानी खतरे के निशान से ऊपर बहने के कारण श्रद्धालुओं से सावधानी बरतने की अपील की है. दक्षिणाम्नाय श्री शारदा पीठम को श्रृंगेरी मठ के नाम से भी जाना जाता है. यह कर्नाटक के चिकमगलूर जिले में स्थित है. पीठम ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट कर कहा 'श्रद्धालुओं को सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है और उनसे नदी के तटों से दूर रहने का आग्रह किया जाता है.' मौसम विभाग के अनुसार, 15 जुलाई को श्रृंगेरी में 190 मिमी बारिश हुई. हालांकि विशेषज्ञों ने रविवार तक बारिश की तीव्रता कम होने की उम्मीद जताई है.

अमीर और गरीब के बीच की खाई बढ़ती जा रही : कांग्रेस

- अमीर गरीब के मासिक उपभोग खर्च में 20 गुना का अंतर : रमेश

एजेंसी। नयी दिल्ली

कांग्रेस ने देश में गरीबों और अमीरों के बीच खाई बढ़ने का दावा करते हुए बुधवार को कहा कि सबसे अमीर तथा सबसे गरीब परिवारों के मासिक उपभोग खर्च में करीब 20 गुना का अंतर है. पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने एक खबर का भी हवाला दिया, जिसमें कहा गया है कि देश में अमीरों और गरीबों के बीच प्रति व्यक्ति मासिक खर्च का अंतर 10 गुना तक बढ़ गया है. रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया- कांग्रेस पार्टी लगातार इस मुद्दे को उठा रही है कि देश में अमीर और गरीब के बीच खाई बढ़ती जा रही है.

आकंड़े के अनुसार, देश के पांच प्रतिशत सबसे गरीब लोगों का मासिक उपभोग खर्च महज 1,373 रुपये है, वहीं शीर्ष पांच प्रतिशत अमीरों का मासिक उपभोग खर्च तकरीबन 20,824 रुपये है. सबसे अमीर और सबसे गरीब परिवारों के बीच हर महीने मासिक उपभोग खर्च में 20 गुना का अंतर है. यह नया आंकड़ा है, लेकिन सभी आंकड़े अमीर और गरीब के बीच बढ़ती खाई के सबूत दिखाते हैं. साल 2012 से 2021 तक देश में बनी संपत्ति का 40 प्रतिशत से अधिक हिस्सा सिर्फ एक प्रतिशत आबादी के पास गया है.

चावल चोरी के मामले में भाजपा नेता गिरफ्तार

कलबुर्गी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता मणिकांत राठौड़ को अन्न भाग्य योजना के लिए निर्धारित चावल की चोरी करने के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है. पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी. शाहपुर पुलिस ने राठौड़ को जिला मुख्यालय कलबुर्गी स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया. सूत्रों ने बताया, 'मणिकांत को यादगीर जिले के शाहपुर में एक सरकारी गोदाम से दो करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के 6077 क्विंटल चावल की चोरी के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है.' भाजपा नेता को पुलिस ने पूछताछ के लिए बुलाया था, लेकिन उन्होंने पूछताछ की अनदेखी की. राठौड़ ने 2023 का विधानसभा चुनाव भाजपा के टिकट पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के पुत्र प्रियांक खड़गे के खिलाफ लड़ा था और वह हार गए थे.

लोस चुनाव में भाजपा के खराब प्रदर्शन के लिए राकांपा से गठबंधन जिम्मेदार

एजेंसी। मुंबई

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े एक साप्ताहिक अखबार ने लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खराब प्रदर्शन के लिए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) से गठबंधन के उसके फैसले को कसूरवार ठहराया है. अखबार में प्रकाशित एक लेख में कहा गया है कि भाजपा के अजित पवार के नेतृत्व वाले राकांपा गुट से हाथ मिलाने के बाद जनभावनाएं पूरी तरह से पार्टी के खिलाफ हो गईं. लेख के मुताबिक, उसने भाजपा के कुछ कार्यकर्ताओं और अन्य लोगों से बात की और इन सभी ने कहा कि वे राकांपा से हाथ मिलाने के पार्टी के फैसले से सहमत नहीं थे.

अखबार ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच व्याप्त असंतोष को "कम करके आंका गया." उसने यह भी कहा कि मध्य प्रदेश में बेहतर समन्वय और शासन एवं निर्णय लेने की प्रक्रिया में कार्यकर्ताओं को दिए गए महत्व ने राज्य की लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज करने में भाजपा की मदद की.

वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र में भाजपा की सीटों की संख्या पिछले चुनाव में 23 के मुकाबले घटकर नौ हो गई. वहीं, महायुति के उसके गठबंधन सहयोगियों-एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना को सात, जबकि अजित पवार नीत राकांपा को महज एक सीट से संतोष करना पड़ा.

दूसरी ओर, विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी (एमवीए) ने अपने प्रदर्शन में सुधार करते हुए महाराष्ट्र की 48 लोकसभा सीटों में से 30 पर कब्जा जमाया. एमवीए में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे), राकांपा (शरद चंद्र पवार) और कांग्रेस शामिल हैं. आरएसएस से जुड़े साप्ताहिक अखबार 'विवेक' ने मुंबई, कोंकण और पश्चिम महाराष्ट्र क्षेत्र में 200 से अधिक लोगों पर की गई अनौपचारिक रायशुमारी के आधार पर यह लेख प्रकाशित किया.

हरियाणा में कांस्टेबल वन रक्षक की नौकरियों में अग्निवीर को आरक्षण

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने पुलिस, वन रक्षक और जेल वार्डन जैसी सेवाओं में अग्निवीर के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण के अलावा आयु में छूट समेत अन्य प्रोत्साहन की बुधवार को घोषणा की. मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि राज्य सरकार द्वारा कांस्टेबल, खनन रक्षक, वन रक्षक, जेल वार्डन और विशेष पुलिस अधिकारी के पदों पर की जाने वाली सीधी भर्ती में अग्निवीर के लिए 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण होगा. सैनी ने कहा, 'हमने यह प्रावधान किया है.' मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रुप सी और डी के पदों पर भी आयु सीमा में तीन वर्ष की छूट दी जाएगी. सैनी ने कहा, 'हालांकि अग्निवीर के पहले बैच के लिए यह छूट पांच वर्ष होगी.'

मतभेद पाकिस्तान की सत्तारूढ़ पीएमएल-एन पार्टी असमंजस में, नवाज शरीफ ने अनिच्छा से दी सहमति

इमरान खान की पार्टी पर प्रतिबंध लगाने के कदम की व्यापक आलोचना

एजेंसी। इस्लामाबाद

पाकिस्तान की सत्तारूढ़ पीएमएल-एन पार्टी असमंजस में है क्योंकि इसके नेताओं ने जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पर प्रतिबंध लगाने के मुद्दे पर मिले-जुले संकेत दिए हैं. इस कदम की पार्टी के दोस्तों और दुश्मनों दोनों ने आलोचना की है.

पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के वरिष्ठ नेता या तो इस फैसले को सही ठहराने की कोशिश कर रहे हैं या फिर यह कहकर बच रहे हैं कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी पर प्रतिबंध लगाने पर अंतिम फैसला अभी नहीं हुआ है. पार्टी में दरारें भी साफ दिख रही है क्योंकि एक वरिष्ठ नेता ने इस फैसले का विरोध किया है. पाकिस्तान सरकार ने सोमवार को अवैध रूप से विदेशी धन प्राप्त करने, दंगों में शामिल होने और ''राष्ट्र विरोधी'' गतिविधियों में संलिप्तता के आरोपों पर पीटीआई पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया था. सरकार ने 71 वर्षीय इमरान खान के साथ-साथ 74 वर्षीय पूर्व राष्ट्रपति आरिफ अल्वी और अन्य पर देशद्रोह के आरोप लगाने की भी धमकी दी है. 'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' की बुधवार की खबर के मुताबिक, पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के एक सदस्य ने दावा किया है कि पीटीआई नेताओं पर अनुच्छेद छह के तहत देशद्रोह का मुकदमा चलाने के लिए मामला पहले ही उच्चतम न्यायालय भेज दिया गया है. दूसरी ओर एक अन्य सदस्य ने कहा कि इस मामले को विचार-विमर्श के बाद संसद में ले जाया जाएगा. इसके अलावा, उप प्रधानमंत्री इसहाक डार ने कहा कि अब तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है, जिससे सभी असमंजस की स्थिति में हैं. रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने अपने गृहनगर सियालकोट में एक प्रेस वार्ता में पार्टी पर प्रतिबंध को सही ठहराने की कोशिश की. उन्होंने फैसले का बचाव किया, लेकिन कहा कि सभी सहयोगी दलों से सलाह-मशविरे के बाद इस फैसले को संसद में रखा जाएगा. कहा कि सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने पीटीआई पर प्रतिबंध लगाने के बारे में चर्चा शुरू की थी. आसिफ ने कहा, "हालांकि, अंतिम निर्णय सरकार के राजनीतिक सहयोगियों के साथ सलाह-मशविरे के बाद ही लिया जाएगा." शरीफ परिवार के करीबी सूत्र ने मंगलवार को 'डॉन' को बताया, "नवाज शरीफ ने अनिच्छा से पीटीआई पर प्रतिबंध लगाने के प्रस्ताव पर सहमति व्यक्त की है क्योंकि उन्हें बताया गया था कि उनके छोटे भाई की सरकार को यह करना पड़ेगा.''

किसी राजनीतिक पार्टी पर प्रतिबंध समाधान नहीं

पीएमएल-एन के कुछ लोग पीटीआई दल पर प्रतिबंध के पक्ष में नहीं हैं, जो पार्टी के भीतर मतभेदों तथा ऐलान से पहले ठीक से सलाह-मशविरा नहीं करने को दर्शाता है. पीएमएल-एन के वरिष्ठ नेता एवं नवाज शरीफ खेमे के करीबी मियां जावेद लतीफ ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि किसी राजनीतिक पार्टी पर प्रतिबंध लगाना कोई व्यावहारिक समाधान नहीं है. राष्ट्रीय राजनीतिक दल एक परिसंपत्ति हैं और उन्हें कमजोर करना देश के हित में नहीं है. एक अन्य वरिष्ठ नेता खुर्रम दस्तगीर खान ने भी फैसले का विरोध किया. कहा, राजनीतिक दलों से प्रतिबंध व कानूनी कार्यवाही के बजाय राजनीतिक क्षेत्र में ही लड़ा जाना चाहिए.

भारतीय-अमेरिकी निक्की हेली ने डोनाल्ड ट्रंप का किया समर्थन

एजेंसी। मिलवाउकी

रिपब्लिकन पार्टी की भारतीय मूल की नेता निक्की हेली ने राष्ट्रपति चुनाव के लिए पार्टी के उम्मीदवार के तौर पर पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन किया है जिससे प्राइमरी चुनाव के दौरान उनकी कटु प्रतिद्वंद्विता के बाद अब एकता का संदेश मिलता है. हेली (52) ने रिपब्लिकन पार्टी की ओर से 2024 के राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए ट्रंप (78) को चुनौती दी थी तथा महीनों तक उनके खिलाफ प्रचार किया था लेकिन बाद में इस दौड़ से हटने की घोषणा की थी. उन्होंने पिछले सप्ताह अपने 97 डेलीगेट को पार्टी के राष्ट्रीय सम्मेलन में ट्रंप के लिए वोट करने का निर्देश दिया था और पार्टी में एकता का आह्वान किया था. हेली ने 'रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन' में दिए अपने संबोधन में कहा, 'मैं एक बात बिल्कुल स्पष्ट करना चाहूंगी. डोनाल्ड ट्रंप को मेरा पुरजोर समर्थन प्राप्त है.' इस सम्मेलन में पर्याप्त संख्या में 'डेलीगेट' के वोट हासिल करने के बाद ट्रंप राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिकन पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवार बन गए हैं.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)